VOLUME 5 ISSUE 7

JULY 2020

Progressive Education Society's

Modern College of Arts, Science and Commerce (Autonomous)

Shivajinagar, Pune-411005. Maharashtra

MODLIB

E-Bulletin of Library and Information Centre



Published by : Dr. Rajendra S. Zunjarrao, Principal, MCASC (Autonomous) , Shivajinagar, Pune-05.

Editor : Dr. Shantashree Sengupta, Librarian.

Editorial Assistant : Mrs. Sarika Sable

Website : <u>http://www.mcasclib.com/</u>

*რტ*რ*ტ*რ*ტ*რ*ტ*რ*ტ*რ*ტ*რ*ტ*რ*ტ*რ*ტ*რ

Table of Contents Sr.No. Title Page No.s 86 years of Progressive Education Society Pune 3 - 6 1 2 **Work of Appreciation** 7-10 - Prof.Dr. Gajanan R. Ekbote and Prof.Mrs. Jyotsna G. Ekbote 3 Guidance session by Principal Dr.R.S.Zunjarrao to 11 Students seeking admission to Second Year UG, Third Year UG and PG Part-2 Students **Career Guidance** 4 13 - Prof. Shamkant S. Deshmukh, Head, Dept. of Computer Science - Prof. Sameer Nerlekar, Asst. Professor, Department of Animation 14-15 - Prof. Mrs. Mansi Thakur, Head, Department of Fashion Technology 16 5 Webinar and Faculty Development Programs - One Week FDP Organised from 27th July to 1st August 2020 18-26 - Department of Physical Education of 27 **Business Administration Campus** - Department of Psychology 28-29 6 Activities conducted by Modern Media Station 30-31 7 **Online User Orientation organised by Department of** 32-33 **Biotechnology and Library and Information Centre** 8 **Faculty Members invited as Resource Person** - Dr. Shantashree Sengupta, Librarian 35-37 - Dr. Prerna Ubale, Head, Department of Hindi 38 9 **Tree Plantation - NSS** 39 10 40-88 **Newspaper Clippings** 11 Shraddhanjali - Prof.Dr.Madhura Koranne, Retired Faculty Member, 89 **Department** of Marathi 12 90 **Upcoming Events**

ຉຬຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎຎ



आज देश के कुछ गिने-चुने शिक्षा संस्थानों में अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हो चुका है. इस संस्थान में आज कुल मिलाकर 53 हजार से अधिक छात्र पढते है, जिन्हें पढाने का कार्य संस्थान

वषा स

ाक्षा के क्षेत्र

संवारत

के करीब 5 हजार से अधिक शिक्षक और कर्मचारी कर रहे है.

🔳 डॉ. एकमोटे पुनिवसिंटी एग्रमिनिस्ट्रेशन

का अच्छा-खासा अनुभव रखते साणिजीबाई पुरले पुणे विश्वविद्यालय में डॉ.

एकबोटे ने फैकस्टी ऑफ मेडिसीन के डीन

के तौर पर करकी महत्ववर्षुर्ग कार्ग किया, ये एक सरात प्रशासक

के तौर पर काफी महाहुर थे. इसके अलावा पुगे के विख्यात बी. जे. मोडिकल कॉलेज में उनॉने सर्जरी प्रोफेमर के तौर पर

बेहतरीन काम किया है, छात्रों की प्रतिभाओं को देखकर उसे

अच्छी तरह से निखारने में उन्हें महारत हासिल है, अपने इसी

प्रतिभा और प्रज्ञा का उन्होंने प्रोडेसिक एजुकेशन स्तेसाइटी के विकास में काफी अच्छा इस्तेमाल किया है, मैनेजमेंट के कौशल

को देखते हुए महाराष्ट्र के राज्यपाल डारा डॉ. एकवोटे को

हस्तियों के नाम हमारी आंखों के सामने आते है. इन सभी ने शिक्षा को एक 'लोक अभियान' बनाकर महाराष्ट्र में गांव-गांव और घर-घर तक शिक्षा की महतायुर्ध में पावनाविक आरं बेट केर तक तिर्वाण का गंगा को पहुंचाने का महान कार्य किरग है. इसी कड़ी में एक और नाम जोड़ा जाए तो गलत नहीं होगा. यह नाम है पुणे को 'प्रोधेसिव एनुकेशन सोस्पाइटी' का, पिछले करीब 86 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अविरत काम करने वाली इस संस्था ने अपने कार्यकाल में समाज उंचे तबके से लेकर सबसे नीचले तबके तक शिक्षा को पहुंचाने का राष्ट्रीय कार्य पूरी शिहत से निभाषा, 'पीईएस' का शिक्षा के क्षेत्र में कार्य हिमालय की चोटी जितना ठांचा, महासागरों की गहराई जितना ही गहरा है तथा आकाश को असीमित विशालता जितना बढ़ा है.



ANTICAL MEL

प्रोगेसिव एजुकेशन सोसाइटी

का श्रीगणेशा इस तरह से हआ प्रोग्रेसिंग एजुकेशन सोसाइटी को नीव स्व. शंकरराव कानिटकर ने अपने महायोगियों और शिक्षकों के निःम्यार्थ सेवा से समर्पित टीम के साथ संघोंच्य नैतिक मृत्यों को संजीते हुए 16 मई, 1934 को पुणे में अक्षय तृतीया के शुभ दिवस पर पर रक्षी थो. पी. ई. मुख्यमं स्थ. एस. आर. कानिटकर, स्व. बी. टी. ताटक जैसे प्रतिष्ठित पूर्ववर्तियों द्वारा निर्धारित महान यार्ग और सिद्धति के साथ समाज पिछले 86 वर्षों से उत्संखनीय प्रगति कर रहा है. तटके और स्वगीय एम. जी. चापेकर यह महान हरितयां लगलार कठिन परिक्रम और बलिदान के लिए जाने जाते थे, समाज के सभी तबकों तक शिक्षा की गंगा पहुंचे और उनका सर्वागीण विकास हो, इस्ते जुनून से इस गिक्षा संस्थान के पुरोधाओं ने कार्य किया.

स्थापना के उद्देश्य

पुगे शहर को 'विग्रा का माहित्यर' कहा जात है. यानी यह शहर शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है. ऐसे शहर में जब पोर्युप्स की शुरुआत हुईती शहर में बई नामी शिक्षा संस्थान मैंग्रेंद्र ये. उनके द्वारा चलकर गए स्कूलों और बालेजों ने पारंने ही महाराष्ट्र में लोगों और रीडिक पॉरंट्र्रय पर गहरी छाप छोड़ी थी. व्यावजूद इसके स्व. प्रो. कानिटकर, स्व. बी. टी. साटफे और उनके सहयोगियों ने महसूस किया कि पुगे में एक शैक्षिक संस्थान के लिए फिर भी जगह है, जो उत्युवात की ब्रोज के लिए समर्पित होगी. प्रोडीसव एजुकेशन संस्थान्दी ने सबसे पहले एक हाईस्थृल 1934 में शुरू किया, जिसका नाम 'मॉडर्न हाईस्कूल' रखा गया

महाराष्ट्र पुनिवसिंटी ऑफ हेल्थ महान्स (नाशिक) के मैनेजमेंट काउन्सित के सदस्य पद पर चयनीत किया गया. खास वात यह कि, हॉ. एकसोटे खुद 'पीएंएस' के साथ रहे है.

📕 डॉ. एकबोटे ने अपने अख्यक्षपद के 26 वर्षों के प्रदीर्घ कार्यकाल में संस्था के विस्तार का हर संभव प्रयास जारी रखा. संस्था के विकास के लिए उन्होंने पूर्व छात्रों और संस्था के सहानुभतिवारों से धन जुटापा और उसे संस्था की बेहतरी के लिए खर्च किया. अपने इसी बेहतरीन प्रशासनिक अनभव के कारण पीडेएम की करीब 60 मे अधिक शिक्षा इकाइयां आव्यापन का समग्रता से कार्यता.



🗖 'चीईएस'

उल्लेखनीय

शिक्षा संस्थानी

নাম মঁ জা

अंतर्गत चलने वाले 1 हो 1994 दिखाई देते हैं, ये हैं संस्था के संस्थापकों को दूरदर्शिता और सामाजिक भाष

को दर्शाता है. प्रगतिशील विचारों के स्व. शंकरराव कानिटकर और उनके स्तायोगियों ने 1934 में भाषिण का रोडमेंग निश्चित करते हुए इस संस्था नीव रखी थी. जिसका आगे जाकर शिक्षा का वटवृक्ष बना.

की प्रगति का आधार स्तंभ : मख्य गजानन एकबोटे सर

प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी की महान विरासन को संजोते हुए तथा उसे प्रगति की उंचाइयों पर ले जाने का काम अध्यक्ष के तौर पर डॉ. गजानन एकबोटे सर पिछले करीब 26 वर्षों से प्रयास कर रहे है. दुरदर्शिता, कडी मेहनत की तैयारी, काम के प्रति निष्ठा तथा इमानदारी घह उनके व्यक्तित्व के पहलू है. शिक्षा क्षेत्र के प्रति काम करने के लिए उनमें कॉफी ऊर्जा दिखाई देती है.

....



प्रयास किया.



संस्था को लगे विस्तार के पंख

प्रोगेसिय प्रमुखेशन सोसाइटी के अप्यक्ष ही. गजानन एकखेट के सहयोगी भी शिक्षा के प्रति करनी समर्पित भाष से अपना कार्य करते हैं. पहेंग्रस के संस्थारक स्थ एस. आर. कॉनिटकर के मात आदली पर चलते हुए संस्था के सभी सदस्य इस विरासत को और ज्यादा लोकसभिमुख कराने के लिए दिन-रात में कतन करते हैं. इस संस्था के सभी सदस्य पीईएस इए संचालित सभी स्मूल-कॉलेजों को एकडेंग्रिक एकसलन्स के लिए हमेशा सपेत रहते हैं और इस दिशा में काम करते हैं. सभी सदस्य पीईएस के शिक्षकों को हमेशा उधित मार्गदर्शन देते हैं. 'प्रजीवगीलता' और 'आधुनिकता' इन दोनों सब्दी हो पीईएस के सभी सदस्य अपने जेहन में हमेशा जीवित रखते हुए कार्य करते है.

आज जहां सभी ओर शिक्षा जैसे पवित्र कार्य का व्यवसाधीकरणा हो रहा है, लेकिन प्रोग्नेसिव एकुकेशन सांसाइटी ने हमेगा शिक्षा की पवित्रमा को बारकरार रखते पूर्ए उसका कभी भी व्यवसाख के लिए इस्तेमाल नहीं किया, प्रोग्नेसिव एजुकेशन सोसाइटी की यही खासीयत उसे ओरों से काफी आलग बनाती है.



शिक्षा प्रथम करने के चौएस के कार्यको पियाले होन दालनों में नये पंचा लग यह और सपरतता को एक नयी उड़ान संस्थान ने भरी, इस दीरान शिक्षा संस्थान का करनी विकास हुआ और नमंदी से लेकर उच्च शिक्षा के कॉलेगी तक नये संस्थान स्थापित किए यह.

इन तीन दशकों में संस्था को ओर से मंगठों और अंग्रेजी मंदियम के प्रो-प्रायमंग्रे स्मूरल, प्रायमंग्री स्मूरल, संकेंडरी स्मूरल, जूनिअर कॉलेज, अटर्टर, स्वायन्स और कॉमर्स कलिंज, इंतोलियांग्रेंग कॉलेज, प्रवर्मणी कॉलिय, स्व कलिंज, पैनेजमेंट इन्स्टिट्यूट्स, मॉहल्डओं के लिए बोएड कॉलिज, किनियोभेरेपी कॉलेज, कम्प्यूटर एण्ड बिजनेस स्टडीज के कॉलेज, एमसंविमी तथा छाड़-डाडाओं के लिए छाडाव्यों का समावीत है.



संस्था में पढ़ाई कर चुकी कुछ महत्वपूर्ण हस्तियां

जैसा को हमने देखा कि, प्रोग्नेसिव एजुकेशन सोसाइटी अपने बेहतरीन शिक्षा तंत्र के कारण विख्यात है. इस कारण से इस संस्था में पढ़ाई कर चुके कई सारे छात्रों ने आगे चलकत काफी नाम कमाचा और रेण्योल में आपन अल्प योगदान दिया. प्रोग्नेसिव एजुकेशन सोसाइटी के स्कूल-कालेजों में गिक्षा के साथ में होने वाले आदर्भ संस्कारों के कारण यह सभी लोग समाज में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान बना पाए. आज इन्हीं सोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरते हुए अपने साध पीईएस का भी नाम रोझन

किंद्रमा.

इनमें से कुछ प्रमुख नाम इस तरह है.

आईएएस-आईपीएस ऑफीसर : शांता (राव) शास्त्री, पुणे के पूर्व पुलिस आपुक्त तर्पत इमराणीकर, पुणे मनय के आपुक्त रहे पी. एस. पालंदे, भारत सरकर के बित मंत्रालय के मणिव रहे विजय केलकर, गांवा पुनिवर्सिटो के पूर्व चान्सल रहे सुसील वामे तथा पी. आर. तुभाषी मारत सरका में राजदुर रहे सुभाव देवरे, आईपीएस विनोद लोखंड, आविनाल धर्माधिकारी, मुंबई के अविरिक्त आपुक्त सवालंद दाते.

मेया ऑफ पालियाम्टेट - बेरिस्टर विदुलराथ गाडगोल, रजनी पार्टिल, अनिल फिफेने

🗖 विधायक - ग. प्र. प्रधान, सुभाष कुल,



शामकांत मोरे, विश्वास गांगुर्डे, विनायक निम्हण, चंद्रकांत डाजेंड, रवींद्र मोरे, गी. थी. पाटिल, मोहन गर्वडी, कृष्णराव भेगडे.

पूर्ण मन्त्रा के मेयर - बलासाहम तिरोले, तिजातीराव भोसले, भाउत्साहम शिरोले, शिवाजीराव डेरे, वी. बी. पाटिल, राजलक्ष्मी भोसले.

मफल व्यवसाधी-उद्योजक काइगेंटक हुए औरु ईवीनियरिंग चेपरमन अरुण किरोटिया, सरीहा पावणकर, श्वाम वाप, अगिक्झा सरहेकर, लिरीष नाइक, बाचा सगेंदे.

मप्रमहर जोजटर्स - हृदय विशेषत्र ठॉ. एस. ते. किन्तेवर, ठॉ. नगर्दील डिरिपठ, ठॉ. निर्माष प्रयाग, डॉ. निर्माय हिरिमठ, कल्लोग विशेषत्र ठॉ. नंदू कानडे, ठॉ. बहुलीकर, विश्वचात सर्जन ठॉ. जन्तानन एकबोटि, डॉ. रहीन घाणवत, डॉ. अस्टोक कॉन्ट्रेन्ट्रावर, डॉ. सातीज वर्षाणक, डॉ. अस्टोक कॉन्ट्रेन्ट्रावर, डॉ. रातीज वर्षाणक, डॉ. अस्टोक कॉन्ट्रन्ट्रावर, डॉ. रा. अरण्ड कानडे.

कोडा विश्व की मशतूर हस्तियां -अर्जून तथा शिवछत्रपति पुरस्कार विजेता ओरंग इन्यमधर, राष्ट्रीय पुरस्कार तथा शिवछप्रपति पुरस्कार प्राप्त एक्सेटियम अलव्य दिपे, एक्सेटियम को राष्ट्रीय विजेता लता जायक, बॉतियॉल प्रषेप तथा शिवछप्रपति पुरस्कार प्राप्त विक्रान्त्री चारते बन्धेय, तौरा कुशकर्णी, साधन्त्र राटदेकर तथा अनित प्रतार, शिवछप्रपति पुरस्कार विगेता क्रिकेटर उठव्वयना निकम, शिवछप्रपति प्रते पुरस्कार विगेता ज्यूटे प्रेयम वीपाली रक्षे, सुनीता देशपडे, अतुल वायमन्त्र.

पहली विमान जालक महिला -गौदयिनी देशमुख,

मंगोल-अधिनय समेत विभिन्न कोयों के कालाकार - मुलेबना भागवत, इंट्रायके सामकार, मृण्योत्तवे वक्षते, आराध पत्रतेकर, सुदास जोयी, सेवा चवारण, स्वरूप वोगकर, त्यागराज व्यक्तित्कर, यंतन्विकारी कोराटे, स्वेधन वाभेकर, सीरे दासरे, कोयल सरकार, प्रिया गोपाल, विभावरी आपटे-जोशी, परेश मोकाशी.

पीईएस के शिक्षा संस्थानों की उपलब्धियाँ

सभी वार्यों को शिक्षा दिल्लाने के जीत समर्थित प्रोडेसिय एक्केशन सोसाइटी के सभी स्कृत-कॉलेजी में बेहतरीन शिक्षा दिलाई जाती है. इसीका नतीजा है कि, इस संस्था के स्कृत-कॉलेजों में पड़ने वाले छात्र भी काफो मेथावी बनते है.

प्रतिवर्ष कम से कम 15 से 20 लाव दसवीं और बारहवीं को परीक्षाओं में मेरीट क्षेणों में सफल होते हैं, पोएएस द्वारा संचालित मॉडर्न बर्जनेव के करीब 30 लाव अब तक खेल प्रतियोगिताओं का प्रतिष्ठित नियलप्रपति पुरस्कार जोत चुके है.

1092 में स्थापित मॉटर्न वालिव ऑफ आर्टर, बॉम्सर्ग एण्ड स्वान्स कलिज अपनी स्थापन से ती स्वविक्रीमाई पुरले पुगे विश्वविक्रालय से जुड़ा हुआ है. इस कलिज को 'केक' द्वारा 'ए' ग्रेंड दिया गया है. इसे 'मेस्ट कलिज' थर आयॉर्ड भी मिल भुवर है.

भारत सरकार के दिपार्टमेंट औरु वायोटेकनेलीजी की ओर से इस महाविधालय को 'स्टार कॉलेज' का स्टेटम बहाल किया है, इसके अलावा मॉडर्न कॉलेज औरू इंजेनियरिंग शिवाजी नगर को भी 'नेक' की ओर से 'ए' डोड दिया गया है.

पेइंग्स के विभेग्न शिक्षा संस्थानों में काम करने वाले शिक्षकों को अब तक विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं. मॉडर्न हाइस्कृत की शिक्षिका ओमती एम. पी. कुलकर्णी को शिक्षा क्षेत्र में बोततीन योगदान के लिए 'राष्ट्रपति पुरस्कार' से सम्प्रानित क्षिया गया है.

पेग्नेएस द्वारा संपत्तित स्कृतों में बच्चों को कम्प्यूटर समेत आधुनिक तिथा दिलाई जाते हैं, यही कॉलेनों में आदंगे, महक्रोबायेलीजी, बायेटेक्नेलीजी जैसे अत्यार्जुनेक प्रदृष्ठम चलाए जाते हैं, इसका प्रमुख डोट्रप परी है कि, यहां पर पड़ने वाले साजी को विधारतरीय आधुनिक शिक्षा प्राप्त हो.



प्राजनेन प्रयुक्तरान सांसाइटा हाग संपालता संभा तर्था संस्थान अपने बहतरान वर्ण्या त्याते क लघ जान जाते हैं, यहां कारण है कि, सरबार और विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रोडेसिंग की संस्थाओं तथा यहां करने करने बाले शिक्षकों को कई पुरास्कारों से सम्मानीत किया गया है, इनमें कुछ प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार से हैं.

महाराष्ट्र सरकार का बनश्री पुरस्कार = किलोस्कर वसुंध्या पुरस्कार = इपिशियन्ट पनजी कन्मजोहान का 'मंद्रा' पुरस्कार = 'Panacea' पश्चिक को पुने विश्वविद्यालय का पुरस्कार (वर्ष 2013) = स्मार्ट इंडिया विकार्यन की नेशनल बिजेता टीम = ठलूष्ट प्रायार्थ और उल्कृष्ट शिक्षक के विभिन्न पुरस्कार







ETT.

मॉडन

अपित

कॉमर्म

शिक्षा का परिष्कृत मॉडल मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्टस, कॉमर्स एण्ड साइन्स, शिवाजीनगर

🕻 🕻 इस कॉलेज को अगले 10 वर्ष स्वायस दर्जा दिया गया. इस कॉलेज में आज २६ आहर रोज्यू तथा 23 परिंद ग्रेज्यूएट के कोर्सेस बलाए जाते हैं, साथ में प्रमुष्ठील और पीएवडी पर अनुसंधान करने के लिए ८ सेटररे भी चल्तार जाते है. इस कॉलेज की ओर से नये एखेडेमिक प्रोधाम भी चलाए जाते हैं. 🤊

Commerce, Pune-5 र जुके जन मोगाइटी मंत्रालित करियेज आरंम

१४४४ माइना एक जन्म दिल्ला कर परिष्क्रत मॉडल है. 100 मान्दी केकार्स कॉलंज होने के साथ-साथ यह कॉलेज पिछले करीब 50 वर्षों से देश भर में विख्यात

सावित्रगेषाई फुले पुणे विश्वविद्यालय से संपर्धनित है. 📕 खत्म बत यह है कि, इस बॉलेंग की सर्वतम कार्य को देखते हुए गुजीसी ने इस बॉलेंज को अगले 10 वर्षों तक 'स्वायत' दर्शा दिया गया. इस कॉलेंज में आज 26 अंडर डेज्यूएट तथा 23 पोस्ट ग्रेजपाट के कोसेंग चलाए जाते है, साथ में एमफील और पीए पटी पर अनसंधान करने के लिए ह मेंटर्स भी चलाए जाते हैं, इस कॉलेज की ओर में नये एफेडोपिक

प्रोताम भी चलाए जाते है. जैसे इमरस्सी (कॉम्प्यूटर पुष्तिकेशन), एमए (हिंदी), एमए (हिस्ट्री) तथा फैशन हिजाइनिंग टेक्लेलीजी. बेहतरीन शिक्षा के मानकों पर खार उतरने के कारण आज तक इस कॉलेज को विभिन्न तरह के पुरस्कारों से सम्पानित किया गया है. इस कॉलेज की उच्च कोटी की शिक्षा दिलाने के साथ-साथ आज कॉलेज में पहल करने याले 11 इजार 500 वाजी के लिए विभिन्न तरत की एकरत करिकपुलर एकिटविटिज चल्लाई जाती है. कलिज में पहाई करने वाले छात्रों को उद्योग क्षेत्र में रोजपर प्राप्त होने के लिए 'इंडस्ट्री एफेडोंमचा कोलैकोशन कमिटी' की स्थापन की गई है. इस समिति के माण्यम से छात्रों को इस संदर्भ में मागंदर्शन दिया जाता है. साजे को पहले करते समय प्रसन्मता हों, इसके लिए पूरे कैम्पस को हरा-धरा बनावा गया है. जहां पर जैवविविधता का स्वयाल रखा गया है, इसलिए यहां पर पहाई एक सुरक्षद और प्रपूर्वल्लन अनुभव बन जाता है,

मॉडने कॉलेज शिवाजीनगर की खास विशेषताएं

- स्वील डेक्लपमेंट के 34 कोसॅंस पालाए जाते है
- हिथिंग-लॉर्मेंग एणड इकैल्यूशन सेंटर
- 📕 स्पर्धा परीक्षाओं के लिए विशेष सेल
- युवा अनुसंधानकर्ता के तौर पर भारने वाले उपक्रम
- नेक हारा करेंगेल को A+ ग्रेड का दर्जा

 पुत्रीसी द्वारा वॉलेज वीच पोटेंशियल फॉर एक्सलन्म पुरस्थार से सम्मानित

1	सोट्सं	ĥ	बेस्ट	कॉलेग	अपरि न	मार	प्राप्त	तुआ,	
_									

- 🗖 एनएसएस का पुरस्कार एक बार
- 📕 बेस्ट कॉलेज का अवॉर्ड एक बार
- 📕 बीएरसी फीस्ट अपॉर्ड 2 बार प्राप्त हुआ.
- 📕 बेस्ट डिन्सीपल अवॉर्ड एक बार.
- 📕 बेस्ट एक्सेसेवल येवाइट पुरस्कार बांध मिलिस्टी ऑफ स्ट्रेशाल जारीम एण्ड्र एम्प्रीवर्मार

प्रगतिशील शिक्षा का केंद्र : मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट, साइन्स एण्ड कॉमर्स,

प्रोप्रेसिय एमुकेशन सोसाइटी का एक और नायाब संस्थान है कला, विद्वान और वाणिज्य पत्तविद्यालय गणेशीखंड, इस र्यालय को स्थापना 4 जुलाई १९७२ को की गई, महाविद्यालय मे फ़ल ही में 5 हजार छात्रों की संख्या को पार किया है. मार्यावदालय को यह सफलता आज केवार पर्यप्रस के कार्याच्या हों. गळानन एकवोटे के कुशल मार्गदर्शन के कारण है. हस माहविद्यालय में अपनी बेहतर रिक्षा के दम पर सफलता का मकाम हासिल किया है. इस माहविद्यालय ने स्थापना से आज तक विभिन्न तरह के पुरस्कार झात किए है. हिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्सेलीजी के स्टार स्टेटस वाला यह महाराष्ट्र का इकलीता

....

महाविद्यालय है. यह पुरस्कार भारत सरकार के सड़ना पण्ड टेक्नोलीजी मंत्रालय द्वरा दिया जाता है, इसके अलावा इस कॉलेज माता ७, वरस्क जाराणम् इन कारण को महाग्रष्ट्र मरकार का एजिशियंट एरक्ता कनवर्षमान का मेता पुरस्कार मिला है साथ में कॉलेज के विधिन्न अधिकारियों को भी मेहतरीन पुरस्कारों से मन्मतित किया गया है, इस कॉलेज को नेक किन में दो चार 'ए' प्रेंड प्राप हुआ है. साथ में रेड कॉस स्वेप्लार्ट कुमा त. साथ म २८ काम स्वस्ताट को 'जनामटी कर' प्राप्त हुआ है. इस महाविद्यालय में तीनी विद्याशायाओं के मिलकर 23 स्वतक, 12 स्वातकोसर तथा 4 विषयों के पीएयडी पातृयक्रम भारतप्र जाते है. इस महाविद्य चार पीएचडी सेंटर मौजूद है

महाविद्यालय के कई प्राध्यापक विश्वयान मंस्थाओं के अभयम मंडलों पर काम कर गई है.

इस मार्डावधालय में 'बौन अनेग हिन्दी स्वॉलर', इंटरवरान, मैग्नेट, प्युपा बैकर्स फोरफ, वैदिक मैथेमेटिका, सी लेखेज प्रेडामिंग, मैथेमेटिकान डॉकी समेत मार्केटिंग कानिवल, कॉस्टफेस्ट, उद्योजकता विकास कार्यक्रम चलाए जाते है. यहां पर कुझओं की समस्याओं को हल करने के लिए 'दिशा' मेच स्थापित किया गया है.

महाविद्यालय में एक आवाधनिक इंधालय भी स्थापित किया गया है, पुगे का पह पहला 'हिजीटल इंधालय' है. इस लाइब्रेरी में 'इन्स्टिटपुट्खनल हिपॉलीटरी' है. इसके ई-कंटेंट्स साथ ऑनल्सान इस्तेमाल कर सकते है.

सारजे को लिखने की ग्रेरणा दिलाने के लिए 'आवतेक', मैचेमेटिक्स का 'प्रमेप', मानसनात्व विभाग का 'कलाईदोरकोप', इंग्लिश विभाग का 'ओदीमी' नाम की पश्चिकार प्रकाशित की जाती है. साथ में पहां पर छात्रों के कलागुर्गों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है

इस महाविद्यालय को ओर में वर्षावरण रक्षण के लिए विभिन्न उपक्रम चलाए जाते हैं, इस उपक्रमों का संज्ञान विभिन्न संस्थाएं आज तक से चुकी हे.

📕 इस महाविद्यालय के करीब 500 में अधिक सात्र राष्ट्रीय और 36 में अधिक वात्र अंतरगष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके है. 25 वर्त्रों को प्रतिष्ठित शिववाज्यति पुरस्कार धो मिला है.



- 📕 महाराष्ट्र सरफार द्वारा 'यनस्री' पुरस्कार में सम्मानित
- 📕 'किस्टोंस्कर वर्मुधरा' पुरस्कार से महाविधालय सञ्चानीत
- 📕 'स्टार स्टेंट्रस' खाल इकालेल करेंलेज
- 📕 'बेस्ट इनोबेटिव कॉलेज' का दर्जा प्राप्त कॉलेज
- 📕 आईपीसी जनस्टर के निर्माण में निभाई अंडम भूमिका
- 📕 १ तजार से अधिक महाविद्यालयों के ग्रेड मंथपंत में सतयोग
- 📕 उद्योगमन्त्र के लिए 'विविध' नाम का उपक्रम

मंबैनिकल, इलेक्ट्रेकल, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा टेलिकम्युनिकेशन, कॉम्प्युटर तथा इन्समिशन टेक्नोलॉगों की शाखाई है. इसके अलावा स्वातकोलर के लिए मेकेनिकल को 'होट चॉवर', इलेक्ट्रिकल शाखा की 'कंट्रोल सिस्टम' तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलिकम्प्रनिकेशन शाखा के 'सिंगल प्रोमोसिंग', कम्प्यूटर शाका के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग समेत मास्टर इन कम्प्युटर एप्लिकेशन तथा मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कोसेंस चलाए जाते है.

 सांवर्शवर्ध फुले पुगे विश्वविद्यालय से संतर्गनत पार अनुसंधान केंद्र थी इस कॉलेज में चलाए जाते है. इस कॉलेज के निकले मेधावे छात्र आज देश-विदेश को बढ़ी-बढ़ी मुचना-प्राहोगिको को कंपनियें में कॉलेज और पीईएस का नाम रोजन कर रहे है



मॉडर्न इंजीनियरिंग कॉलेज की विशेषताएं :

📕 अनुसंधान के लिए 4 पीएचडी सेंटर 📕 3 लाख से अधिक पुस्तकों से सुसजीत

लाइब्रेरी 📕 उद्योजकता को प्रोत्साहन देने वाली 'प्रो चार्ट' और 'विचारधन' एक्टिविटी

📕 छात्रों द्वारा स्थापित क्रिए 28 कलब के माध्यम में विभिन्न उपक्रम 📕 प्रतिवर्ष 'कर्मण्य'

नाम से निकालने वाली पत्रिका 📕 स्मार्ट इंडिया हैकेयॉन की नेशनल विजेता टीम 📕

'नेक' द्वारा 'ए' ग्रेड से सन्मानीत कॉलेज 📕 एसपीपीप से कायम संलग्नित

तथा रोटरी पूर्ण की ओर से बेस्ट विन्सीपल अवॉर्ड अस लग इम प्रतिनेश को प्राप्त हो चुके है. इस कोलेज को उच्च

आधनिक तकनीको शिक्षा में अग्रणी

मॉडर्न इंजीनियरिंग कॉलेज

प्रोग्नेसिव एज्केशन एज्केशन ने शिक्षा के क्षेत्र में

बहतरीन काम किया, जिससे इसके घटवुध की

राग्राएं शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची, इसी तरा

1999 में मॉडर्न इंजेनियरिंग कॉलेज की स्थापन की

गई, अपने के दशकों के कार्यकाल में इस कॉलेज ने

शिक्षा में आधुनिकता को अपनाते हुए इंजीनियरिंग को

शिक्ष के नये आयाम म्थापित किए, जी, गलानन

एकबोटे तथा सोस्साटी के पदाधिकारियों के कुशल

📕 आज इस कॉलेज को 'नैक' की ओर से 'ए' ग्रेड

में सम्मानित किया गया है, इसके आलावा एनवॉए की

ओर से कॉलेज को बेहतरीन कॉलेज का रेटिंग प्राप्त

हुआ. एसपोपीपु की ओर से इस इंजोनिवरिंग कॉलेज

को 'बेस्ट कॉलेज इन अबंन एरियाज', इस कॉलेज

'बेस्ट

आधिसरीई

मार्गदर्शन में इस कॉलेज का काफी विकास हुआ.

कोटी को शिक्ष कारी नतीजा है कि, इस महाविद्यालय एकेटेनिक टॉपर्स की संख्या लगातर बढ़ रही

की प्राचार्य कल्याणी

इनोपेटिंग टिचर' का

जोशी ं को

114452





पुराबत ज्ञान हुआ, वर्ष 20 % में ता वहाँबिटान को स्वतिप्रियाँ पुले पूर्व विद्वतिस्ताल को और ते 'सार विश्वन व्यावस्ताविक स्वतित्याला' में

संसत्तरेत प्रत्नीवदालय का पुत्तकर प्रांत हुआ. प्रतान प्रांत पर कि, म्हल्स प्रेल्डम्ब विकास नेतालय की सांह से ल्ड्रीय तल पर सिंसक प्रेल्डमंधी की

भूती 'इंदरत्वां स्वाहत' में लगान भार करी एक हार पाडीबहारण को एकर प्राण हुआ. १ अग्रेपोर्टर्स हरूर 'जन्मेन्द्रीपर और इंडिपर इंडर्ड्न सिल्ह

तीकावात इसिट्ट्यूपा इस स्ववेश्व में साम का ये व्यवस्थित्वार परितिका के साम हुआ है. इस महाविद्याल के सामा स्वेश प्रोप्त को

Tops such and tors a site site of tops such additional actions are and

1010, met Bou une is i fi bei emijation og

#214 instrument & second on result 2.

field and all tags is the and was it from a period and \$. and surfaceive it and with

would from it serve anit wher all scored al al least à fer fifer andait at arbes les ser 8, and al essertion

store al found is for untiscore it years

way with ft. put surfacement if areast device

sholy ford a new sature at seven and a

forers arrive it are as it b or

conferences of and all four formit & strengths

on theight instances? In first of non-first

den une gan B.

100 2

औषधिनिर्माण शास्त्र की शिक्षा में अव्वल मॉडर्न कॉलेज ऑफ फार्मसी (निगडी)



संप्रांतिक राज्येहरात स्वेस्ट्रानी के अप्रियं अतिराज करित पार्टकों भी स्थानन्त्र विगति-विध्यकर के अध्यतिक क्षेत्र विगती में 1948 में बती गई, इस कोर्टन के स्वानाम में press is unit all administrator area an une uno all pre time is since धनुष्ट के लिंग स्वास्थव करणी अरवारण्या है और स्वास्थर की जीत के लिए द्ववट्टमी बर एक अन्यन्त्रधायाणा घटनव है. इसलिए इस क्षेत्र में जवाद से जवाद ताव पहाई का रेत को पाणेंगी के क्षेत्र के और माजपुर करें, इस हिसार में इस कोरेंज की गीव रखी -1

R que uneffermente il administrative pres de fatigue erg de surres alle ब्रह्मकोला करा विद्याप्रधानीत प्रमुखक्रम सालग जाते हैं, इस महाविद्यालय में सी. पाल्चे की ज्वेतन श्रम्पता १८८, एम, पाने (पारणीम्युटियन) और व्ययती ज्वेतन श्रम्पता १४ है, एस, पाले (पाल्योकीम्तीजी) क्या एम, पाली पाली विशेषदी की ज्वेतन श्रम्पता क R. where all is worked will when where an R. prode service depreced its many many ub mere mit f.

मानन फाममा कालज का विशेषताए :

- Internet in "Passance" offen al off featherment in growt (ord 1010)
- आहे के लिए गुहिर-अंतराष्ट्रीय कॉन्सरना का इतिपर्न होता है अरचेतर
- मिर्फरण प्रतिये में घंट कर सालों को से जाती है जगवाती
- Jepon banga je nan jénnyé,
- E stader it statur

....



1) utel ubice who week uppe the about प्रियागीलाग, पूर्ण 411005 (म्बाग्रस) प्राथम : 020-25535102, 25539422 विद्यापाली 'त- प्रेन, सार्वियोगर्ज पूर्ण देव विद्यालय पूर्ण का नार्वलेष कॉलन पुल्कार' जान

23 stars when she sign, and the start, (the site anger its fan in reitin, finandram, 101 411005. Tel. 1020-25831454

3) strad ubits also angel, enjes tre admit, weberlight, 101-411016 (TUTW : 020-25434021, 25431041, fam 020-25450931 (TutWith V fin, mfindung und pel forgingenet, pel an andre alben grant inte

 मोहने कॉलज ऑफ इजीनियरिंग, शिवाजीनगर, 411005 TRUE 1 020-25533438. 25583648 (२.२.२.८) साहित्योचाई प्राप्ते नगर विश्वविद्यालय, गुरा गुरा प यह प्राथ्वेय प्रत्यास प्राप्त सर्वद्वेष प्रतित्व प्राध्वात से स्वाइतित)

2) uftei adera atte reatere (effertat & Ber), finateren, get attoos Batterburg unt get feufremmt in intern steffen grate. 200-25530670.

000

'विपदा' से 'विकास' की ओर जाना होगा...

same perfiew white second 40 feets des est b qu ftear il und at mak aften gir it unt अर्थान प्रसाप है, धीमलों कुप के न्द्रोंने में स्कृत-कर्मितों ये अपने की ज्वान जान दिन्द्रई हे है है, लेकिन अब met ut uber um en ?, iften tod sym-abits tringt wire gie R. febre pointing all wet a चे हमें बाज नहीं है, चीच वाची हिम्मत से बाद तेज It found fines will be use unliver wordt not it before. इस संबद की पहीं में भी स्वाल-कोर्टलों की उनके आपी on fine all spack on all before with a well \$ pu une if all angles meibu un erert ibn aber. प्रथम हेना लंकनीक की हरही। जेकर का लिनन कलाव until & uppe is state is use all foods at sporse



हींने के ईन्हें अपने काम में काम धहा थे आहा पासि लग आआते हैं, ऐसे में हमें लग लेक के जानमा में इस कोम है। स्वय को इत्यित उनकी कान्य होन, इस दियां में लिक्कीलझान which is, go using the state of press spin larger in $h_{\rm c}$ follows follows it around it was detected, which belows, shalling pre-state are field regive as severe dpole sized if freed of strikes work as story form in mit.

भारत में पूर को भारतार कहा हुआ हिता आप हैं, हातीतर हुस अंगत जाता जिनक जाती किम्प्रेस्ट्री जीवन तीर का दिश्वर्म से प्राप्त जाने पुराजें के प्रति भीवरण्डा काली सीने, कर्फ जीवजाल है पूर्व के बीट जाता और दी बहु जातार साथ में इस विभीत में जाता प्रातीक से करा गर्ह हा जाये किन पा प्रोटा को उटन साहे के जाये किन्दा के रिटर्ज पर जा की है, उनने से पर सिंख्यों के के साई की जा की है. सिंहह के साई की बेल्की में स्वित पर की है.

गणी सिख्य अभी पहली दिने की पर काते हुए साली के प्रीत प्रतिवद्धार का भाग सारका का गो है, रेपी में सार करने की पर सारक कीत सार्टी और किर पत्र का कहती की तैयक लोग आपनी, (तरी जानेक बाते थी, इन सीच कोईन लोकर से रियार्टी के first und vier plan spfinger well, were alle ande street is separat an oness wate righ is feet times all.

within we share user, it mere rank all alle fine you wan and firene-sate you स्वय अस्य तिस्त के पत्र को प्रश्नालित का झान का प्रवत्ना पहुंचीन फैलेल, इपका पुत्रे पुत्र विद्याप है. पाचे लंग वन्त्र में दूर विद्याप काए को उपके पांच हो चौताओ वे अवल हुए पाचे दाती का है अधिवादन कराइ हूं और उपके इत्यवन चीनम की NOTE STR.E.



....

255 100#6

63 tifted of usides, retribute, get 4111116 (N.A.A.C. 1. me Matfeilung nie mi fugfartres & unter tiefen geder. : 020-2563enet, 256353+6

7) यांड्रे कर्मन्त्र आप ज्यांत, ययसम्म, तिन्तु, पुन 41 1044 मानिजेवर्ग पुन्ने पुन्ने विद्वविद्यम्बय क क्यान कर्मनीपन (N.A.A. 21++ प्रेड) कृष्ण्य, 020-27661314,

27641315

श) घोडनें कांग्रेज आप कार्यमी (मर्दालाओं के लिए), क्षेतादेशारी, घोडरे, लट्टील - डकेंग्रे, जिला - पुणे साविध्येकाई फूले कुछे विश्वविद्यालय के काटका कोर्जींग्रेंग

THIN : 020-25130177 (NAAC 'B+' WE)

a) phenes and draft is after exercise (M.M.A.). Reprint, ford, set attons grafts: 020-27601350, 37641349NAAC '8-' 98

10) मॉसर्ड इंग्रेसियुह अ firrit, unt an ibas # unfeatient unt mit fit ufinteren IL INTIDA MINIFUR TOTAL : 030-2766 1350, 27661349



बी.जे.मेडिकल कॉलेज अणि ससून हॉस्पिटल येथे दि.२९.७.२०२० रोजी प्रोग्रेसिव्ह एज्युकेशन सोसायटी तर्फे ७०० पीपीई किट्स अणि १०० बेडशीट्स देण्यात आली. संस्थेचे कार्याध्यक्ष डॉ.गजानन एकबोटे यांनी हया वस्तु ससून हॉस्पिटलचे डीन डॉ.मुरलीधर तांबे हयांना सुपूर्त केल्या. हयावेळी प्रोग्रेसिव्ह एज्युकेशन सोसाटीचे सहसचिव मा.प्रा.ज्योत्सना एकबोटे, उपसचिव डॉ.निवेदिता एकबोटे उपस्थित होत्या ।















नवभारत



नवभारत संवाददाता

पुणे. प्रोग्नेसिव एजुकेशन सोसाइटी महाराष्ट्र का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है. यह संगठन पिछले 86 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहा है. प्रोग्नेसिव एजुकेशन सोसायटी ने सामाजिक प्रतिबद्धता के रूप में सर ससून डेविड अस्पताल, पुणे में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य सभी कर्मचारियों को 500 पीपीई किट दान किए. उन्होंने उस विभाग के लिए बेडशीट भी दान की जिसमें कोरोना रोगियों का इलाज किया जाता है.

लगातार की जा रही सहायता

पुणे जिले और आसपास के क्षेत्रों के 60 हजार छात्र पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर कॉलेज और व्यावसायिक शिक्षा के सभी स्तरों पर संस्थान के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ रहे हैं. कला, विज्ञान, वाणिज्य, कंप्यूटर, इंजीनियरिंग, फार्माकोलॉजी, कानून, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य विज्ञान सभी विषयों को संस्थान द्वारा विकसित किया गया है. छात्र स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की तरह सभी स्तरों पर अध्ययन कर रहे हैं. ज्ञान प्रदान करने के अलावा, प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कई गतिविधियों का संचालन करती है.



शिक्षकों व स्टाफ ने दिया एक दिन का वेतन

संस्थान द्वारा संचालित सभी स्कूलों और कॉलेजों में लगभग 4 हजार प्रोफेसर / शिक्षक और शिक्षण स्टाफ कार्यरत हैं. उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता के बारे में, इन सभी प्रोफेसरों / शिक्षकों और शिक्षण स्टाफ ने कोविड़ 19 के वैश्विक संकट में वित्तीय मदद के रूप में एक दिन का वेतन दिया है. हमारे डॉक्टर, नर्स और हमारे सभी कर्मचारी मौजूदा वैश्विक महामारी (कोविद 19) में रोगियों के इलाज के लिए लड़ रहे हैं. कोरोना के मरीजों का इलाज पुणे के बीजे मेडिकल कॉलेज और सर ससून डेविड अस्पताल में चल रहा है.

डॉक्टर्स व नर्सेस के लिए किट जरूरी

अस्पताल को डॉक्टरों, नर्सों और अन्य सभी कर्मचारियों के लिए पीपीई किट की सख्त जरूरत है. वर्तमान में पुणे में कोविद 19 की घटनाओं में वृद्धि के कारण, पुणे के सर ससून डेविड अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या महत्वपूर्ण है. प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसायटी ने सामाजिक प्रतिबद्धता के रूप में सर ससून डेविड अस्पताल, पुणे में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य सभी कर्मचारियों को पीपीई किट वितरित किए. प्रोफेसर डॉ. गजानन एकबोटे के हाथों पीपीई किट और बेडशीट डॉ। मुरलीधर तांबे, मेडिकल कॉलेज के डीन को दिए गए. इस समय चित्तरंजन कांबले, डॉ निवेदिता एकबोटे, बोर्ड सदस्य मोनिका वैद्य, दत्तात्रेय पटोले, श्राजन देवकते, विलास लाड, ऋषिकेश कोंढलकर, प्रवीण सालुंके और संगठन के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे.

Pune Edition 01-august-2020 Page No. 2 epaper.enavabharat.com



समाजसेवा हाच स्थायीभाव असेल, तर एखाद्या संकटसमयी कुटुंबातील सर्व सदस्य दोन हात करून संकट परतविण्यासाठी स्वतःला पूर्णपणे झोकून देतात. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघाच्या विचारांमध्ये आणि कायमच सामाजिक कामात अग्रेसर असलेले एकबोटे कुटुंबीय अशाच समाजभान जपणाऱ्या मंडळींपैकी एक. कोरोनाविरुद्धच्या युद्धात नगरसेविका

ज्योत्स्ना एकबोटे,

डॉ. गजानन एकबोटे, कन्या डॉ. गायत्री आणि प्रा. डॉ. निवेदिता तसेच मुलगा प्रा. डॉ. दिग्विजय असे कुटुंबातील सर्वजण कोरोनाविरुद्ध लढण्यात मग्न आहेत.

भविष्यात महिलांना रोजगार प्रशिक्षण देऊन घरगुती वस्तूनिर्मिती व्हावी; तसेच शिवणयंत्रे देऊन मोठ्या प्रमाणावर मास्क तयार व्हावेत, यासाठी माझा प्रयत्न आहे. ज्यामुळे प्रत्येक कुटुंबातील मूळ आधार म्हणजे महिला सक्षम होईल आणि संसाराचा गाडा कुठे बांबणार नाही. - ज्योत्स्ना एकबोटे, नगरसंविका, पुणे महापालिका



प्रभागामधील नागरिकांना मास्क व सॅनिटायझरचे वाटप करताना डॉ. गजानन एकबोटे व नगरसेविका ज्योत्सना एकबोटे.

कुटुंबच उतरलंय कोरोनाविरुद्धच्या युद्धात

कबोटे कुटुंबातील सर्व सदस्य कोरोनाकिस्वच्या लब्बात जोमाने सहमागी झाले आहेत. नगरसेविका सौ. ज्योत्स्ना गजानन एकबोटे यांनी प्रभागातील सहा हजार कुटुंबांना धान्य आणि किराणा मालाच्या किट्सचे वितरण केले. पुण्यामध्ये स्पर्धा परीक्षेसह इतर अभ्यासक्रमांचे शिक्षण घेण्यासाठी आलेल्या १० हजार विद्यार्थ्यांच्या दोनवेळच्या जेवणाची व्यवस्था ज्योत्सनाताईंनी लॉकडाउनच्या काळात केली. प्रभागाबाहेरूनही अनेकदा मदतीसाठी फोन यायचे. काही मिनिटांमध्ये त्यांच्यापर्यंत मदत पोचलेली

> आपापल्या गावांकडे पायी चालत निघालेल्या नागरिकांसाठी बसेस उपलब्ध व्हाब्यात, यासाठी त्या प्रयत्नशोलराहिल्या.विविधशासकीय

कर्मचारी आणि पत्रकारांना ५० लाखांच्या आरोग्य विम्याचे कवच मिळावे, यासाठी त्यांनी पाठपुरावा केला. ज्येष्ठ नागरिकांना औषधे, भाजी, किराणा तसेच दूध वगैरे वस्तू घरपोच देण्याची यंत्रणा ठभी केली.

वडारवाडीत कोरोना रुग्णांची संख्या वाढल्यावर थे हेंड्स फ्री वॉश बेसिन्स उपलब्ध करून दिली. प्रभागातील विविध वसाहती, वस्त्या आणि सोसायट्यांमध्ये निर्जतुकीकरण मोहीम राबविली. हजारो गरजूंपर्यंत सॅनिटायझर, हेंडल्लोव्हज आणि मास्क पोचविले. केवळ नगरसेवक कोरोनाविरुद्धच्या लढ्यात सहभागी झाल्याची अनेक उदाहरणे आहेत. मात्र, संपूर्ण कुटुंबच या लढ्यामध्ये उतरल्याचे दुर्मिळ उदाहरण ज्योरस्ना एकबोटे यांच्या निमित्ताने पाहायला मिळते आहे.

दहा टन धान्याचे वितरण

प्रेग्ठेसिव्ह एज्युकेशन सोसायटीचे अध्यक्ष प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे यांनी प्रभागातौल गरजू नागरिकांपर्यंत १० टन धान्याचे वितरण केले. प्रभागातौल नागरिकांची आरोग्य तपासणी, विनामूल्य औषधे आणि गोळ्यांचे वितरण अशा उपक्रमांचे त्यांनी विविध ठिकाणी आयोजन केले. ज्योत्सनाताईंची धाकटी कन्या डॉ. गायत्री ही ससून रुग्णालयात तर चिरंजीव डॉ. दिग्विजय हे लखनौ येथील किंग जॉर्जेस आरोग्य विद्यापीटात कोरोना रुग्णांवर उपचार करीत आहेत. ज्येष्ठ कन्या प्रा. डॉ. निवेदिता एकबोटे यांच्या अवनी

संस्थेने दिव्यांग विद्यार्थी व सेवाभावी संस्थांसाठी मदतीचा हात पुढे केला आहे.

Sakaal: 31.7.2020



महिला एवं बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा की मनपा आयुक्त से मांग



नवभारत संवाददाता

पुणे. महापालिका के माध्यम से पुणे शहर में कई स्थानों पर कोविड केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं. कोरोना से संबंधिल हल्के लक्षणों वाले नागरिकों को आगे के उपचार के लिए कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराया जाता है. लेकिन वहां ऑक्सिजन बेड की कमी महसूस हो रही है. इस वजह से शहर के कोविड केअर सेंटर में ऑक्सीजन बे* का प्रावधान करें. ऐसी मांग महापालिका महिला एवं

बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा ज्योत्स्ना एकबोटे ने मनपा आयुक्त से की है.

महापालिका आयुक्त को लिखा पत्र

एकबोटे के पत्र के अनुसार शहर के कोरोना से संबंधित मरीजों के लिए विभिन्न जगहों पर कोविड केअर सेंटर बनाए हैं. वहां दैनिक भोजन और दैनिक स्वास्थ्य जांच की एक प्रणाली स्थापित की गई है. कोविड केयर सेंटर के माध्यम से रोगियों का ठीक होने का दर भी अधिक है. एकबोटे ने कहा कि लेकिन शुक्रवार 17 जुलाई को मेरे निर्वाचन क्षेत्र में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के कोविड केयर सेंटर में असामयिक एवं सही समय पर इलाज न मिलने के कारण दो व्यक्तियों की मौत हो गई. वरिष्ट नागरिकों को शहर के कई कोविड देखभाल केंद्रों में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. इनकी देखभाल करना जरूरी है. वरिष्ट नागरिकों की आयु को देखते हुए, कोविड केयर सेंटर में ऑक्सीजन बेड उपलब्ध कराने से वरिष्ट नागरिकों के साथ–साथ कई रोगियों को लाभ होगा, क्योंकि समय पर उपचार उनके लिए उपलब्ध होगा. इस वजह से ऑक्सिजन बेड़स का प्रावधान करें. ऐसी मांग एकबोटे ने मनपा आयुक्त से की है.

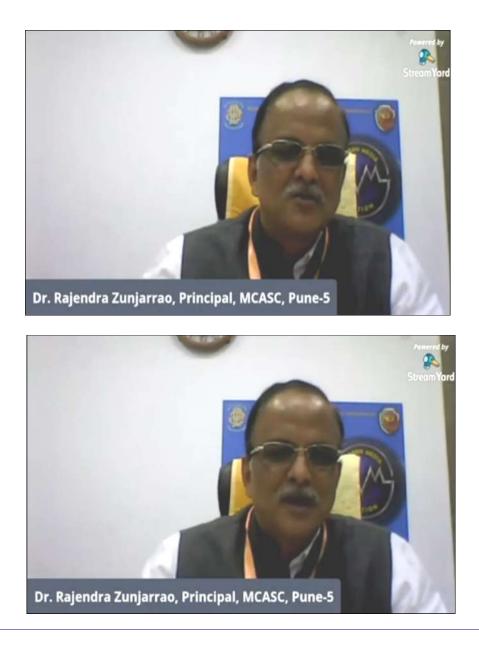
Navbharat: 20.7.2020



Guidance Session by Principal Dr. R. S. Zunjarrao

Respected Principal Dr. R. S. Zunjarrao Sir addressed the students of Modern College, Shivajinagar, Pune-5 seeking admission to Third Year (all faculties) on 04th July 2020 and to the students who will be seeking admission to Second Year Under Graduate students (all faculties) and Post Graduate Part 2 (all faculties) in Academic Year 2020-21 in Modern College, Shivajinagar, Pune-5 on 25th July 2020.

Both the sessions were streamed online on YouTube Live in the present COVID-19 pandemic by the Modern Media Station.



CAREER GUIDANCE करिअर मंत्र

Career Guidance by Prof. Shamkant S. Deshmukh

Secretary, Progressive Education Society, Pune Vice Principal and Head, Department of Computer Science, MCASC, Shivajinagar, Pune-5



ॲनिमेशन : करियरचा एक उत्तम व हटके पर्याय

या लेखातून आपण ॲनिमेशन विषयी व या क्षेत्रातील करियर च्या संधी जाणून घेऊयात. ॲनिमेशन हा शब्द मुळात 'ॲनीमा' या लॅटिन शब्दापासून आला आहे. लॅटिन भाषेत ॲनीमा म्हणजे "आत्मा – जीव"-Inanimate म्हणजे निर्जीव, एखाद्या निर्जीव गोष्टीत प्राण अथवा जीव ओतणे म्हणजे ॲनिमेशन, ॲनिमेशन हि एक प्रभावी कला आहे. खरंतर ६४ कलामध्ये या नवीन कला प्रकाराचा समावेश करावा लागेल.

ॲनिमेशन क्षेत्राशी संबंधित अभ्यासक्रम निवडतांना चित्रकलेची आवड, रंगसंगती चे ज्ञान, निरीक्षण क्षमता, कल्पना शक्ती, भाषेवरील प्रभुत्व, संवाद कौशल्य तसेच तंत्रज्ञान व विविध सॉफ्टवेअर प्रणाली आत्मसात करण्याची आवड हवी, तसेच नवनिर्मितीचा ध्यास व आस असणे आवश्यक आहे.

ॲनिमेशन मध्ये करियर करतांना आपण एखाद्या प्रकल्पावर काम करीत असताना सांधिक काम करण्याची क्षमता, संघ भावना, खिलाडूवृत्ती, प्रसंगी अपयश पाचवण्याची ताकद हेही गुण अंगी असणे आपेक्षित असते.

ॲनिमेशन क्षेत्रात नोकरीच्या व स्वतःचा व्यवसाय थाटण्याच्या नामी संघी आज उपलब्ध आहेत आणि भविष्यात देखील त्या वाढतच जाणार आहेत.

ज्या गतीने मोबाईल फोन चा प्रसार, मोबाईल क्रांती झाली आहे. स्मार्ट मोबाईल फोन ची दिवसेंदिवस वाढती मागणी या बाबी लक्षात घेता Gaming Application] Entertainment] Infotainment सारख्या प्रणाली, प्रकल्प विकसन करण्याच्या दृष्टीने अनेक संधी उपलब्ध आहेत.

दूरचित्रवाणीच्या विविध वाहिन्यांवरील व्यंगचित्र,

🕻 ॲनिमेशन क्षेत्राशी संबंधित अम्यासक्रम निवडतांना चित्रकलेची आवड, रंगसंगती चे ज्ञान, निरीक्षण क्षमता, कल्पना शक्ती, भाषेवरील प्रमुत्व, संवाद कौशल्य तसेच तंत्रज्ञान व विविध सॉफ्टवेअर प्रणाली आत्मसात करण्याची आवड हवी, तसेच नवनिर्मितीचा ध्यास व आस असणे आवश्यक आहे.

- प्रा. शामकांत देशमुख

विडंबन चित्र, हास्य चित्रपट (Cartoon) मालिका. उदा. छोटा भिम, पोकीमॉन, मिकी ॲण्ड माऊस, जय गणेश, मोगली इत्यादी अश्या प्रकारच्या मालिका विकसित करण्यासाठी मोठ्या प्रमाणावर मनुष्यबळाची गरज आहे व भविष्यात ती वाढतच जाणार आहे. यात शंका नाही, पूर्वी अश्या फिल्म तयार करतांना असंख्य चित्र

हाताने काढावे लागत असत व एखादी गोष्टध्वस्तू मनुष्याच्या डोळ्यासमोर 1/25 सेकंद रहाते या शास्त्रावर आधारित एकत्रित चित्र करून फिल्म तयार होतात. ज्यागतीने दूरचित्र वाहिन्या निर्माण होत आहेत व कार्यरत आहेत खरंतर या

क्षेत्राला आवश्यक मनुष्यबळ निर्माण करणे हे देखील मोठे आव्हान आहे. विविध वाहिन्यांवरील कार्यक्रम, शीर्षक गीते,

शीर्षके, दर्जेदार ग्राफिक्स, प्रभावी मांडणी, या सर्वांची योग्य जुळवा – जुळव हे मोठे आकर्षण व कुतूहलाचा विषय होऊन बसले आहे व त्याचे महत्व देखील काळानरुप वाढते आहे.

जाहिरात, सिने – नाट्य, चित्रपट सुष्टीला, प्रिंट मिडिया ला देखील कुशल ॲनीमेटरस, ग्राफिक्स



डिझायनर, विडिओ व साऊंड एडिटरष्डंजिनिअर ची मोठी गरज आहे. सध्याच्या कोरोना/कॉविड--19 विषाणूच्या वाढत्या प्रादुर्भावामुळे E-content, Elearning, Teaching Learning and Evaluation तसेच E-commerce व M-Commerce क्षेत्रात प्रणाली व

> टेक्निकल कन्टेन्ट विकसित करणे, प्रभावीपणे मांडणी करणे, समर्पक ध्वनी व प्रकाश योजना व या सर्व बाबींचा योग्य परिणाम घडवून आणणे यासाठी कल्पकतेला व नावीन्यपूर्ण गोष्टीना मोठा वाव आहे

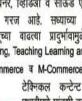
सध्याच्या धकाधकीच्या जगात व बदलत्या जीवनशैली मुळे ऑनलाईन शॉपिंग, सफिंग, आभासी वास्तव्य (Virtual Reality), Walkthrough(चलत माध्यम)

चा वाढता वापर व महत्व लक्षात घेता ॲनीमेशन क्षेत्र हा एक उत्तम व हटके करियर चा पर्याय विद्यार्थी व पालकांसमोर आहे

बारावी शास्त्र शाखेचे उत्तीर्ण विद्यार्थी हे बी. एस्सी (ॲनीमेशन) या अभ्यासक्रमाची निवड करू शकतात तर कला, वाणिज्य शाखेचे विद्यार्थी हे बी, व्होक (ॲनीमेशन) या अभ्यासक्रमाचा पर्याय आहे. जर काही विद्यार्थी दहावी नंतर लगेचच या क्षेत्राची निवड करू इच्छित असल्यास ॲनीमेशन संबंधीचे प्रमाणपत्र, पदविका अभ्यासक्रम देखील उपलब्ध आहेत.ण

या अभ्यासक्रमांमध्ये प्रामुख्याने फ्लॅश (Flash), 2D- Animation, 3D - Animation, Maya, VFX(Visual Effects), Gaming, Basics of Design, Graphics Design, Video/Audio Recording and Editing साठी लागणारया विविध प्रणाली शिकविल्या जातात जेणेकरून प्रवेशित विद्यार्थयांना नौकरी व स्वयम व्यवसायाच्या अनेक संधी उपलब्ध होत आहेत. ॲनीमेशन पर्याय निवडलेल्या अनेक विद्यार्थयांना चांगल्या नोकरया देखील मिळाल्या आहेत तर अनेकांनी लहान वयात स्वतः च्या कंपनी सुरू केल्या आहेत व विद्यार्थी अनेक प्रकल्पावर काम करीत आहेत. त्यामुळे ॲनीमेशन या क्षेत्राचा करियर म्हणून उत्तम व हटके पर्यायाचा विचार करायला हरकत नाही. आपली आवड, कल व कुवत लक्षात घेऊन करियर चा पर्याय निवडला, तसेच निवडलेल्या करिअरच्या पर्यायाला जिद्द, चिकाटी व कष्टाची जोड दिली तर यश निश्चितच आपल्या पदरी पडेल.

प्रा. शामकांत देशमुख उपप्राचार्य व संगणक शास्त्र विभाग प्रमुख, मॉडर्न कला, विज्ञान व वाणिज्य (स्वायत्त) महाविद्यालय, शिवाजीनगर, पुणे -५ Email:hodcompsci@moderncollegepune-edu-in





Career Guidance by Prof. Sameer Nerlekar

Assistant Professor, Department of Animation, MCASC, Shivajinagar, Pune-5



ग्राफिक डिझाइनिंग कल्पनांच्या विश्वात स्वच्छंद भरारी

> या सॉफ्टवेअरचे कौशल्य आत्मसात असायला हवे. कोटोशॉप हे इमेज एडिटिंग सॉफ्टवेअर आहे. याशिवाय कोरल ड्रॉ, इलस्ट्रेटर आणि इन–डिझाइन अशी व्हेक्टर सॉफ्टवेअर्स वापरता आली पाहिजेत. त्याबदलचे शास्त्रशुद्ध शिक्षण अधिकृत संस्थेकडून घ्यावे अथवा ते शक्य नसल्यास तज्ञांच्या मार्गदर्शनाखाली इंटरनेटवरील ट्युटोरियलद्वारे स्वतः सराव करावा. याशिवाय कंप्यूटरमधील विविध ग्राफिक फाईल फॉरमेंट यांचाही अभ्यास करावा, पीडीएफ, पीएनजी, पीएसडी, सीडीआर अशा विविध फाईल फॉरमॅटसची नेमकी उपयुक्तता ग्राफिक डिझायनरला माहीत असावी. ग्रफिक डिंझाईनमध्ये प्रभुत्व मिळवल्यावर लोगो डिझाईन, ब्रेशर डिझाईन, पोस्टर, पुस्तकांची मुखपृष्ठे, पेज लेआऊट, जाहिराती, पॅकेजिंग डिझाईन अशी विविध कामे करता येतात. जाहिरात एजन्सी, मीडिया हाऊस, प्रकाशन संख्या, प्रिंटिंग प्रेस, डिझाईन स्टुडिओ अशा ठिकाणी चांगल्या पंगाराची नोकरी मिळू शकते. याशिवाय स्वतःचा व्यवसायही करता येतो. सर्व कौटंबिक जबाबदारया सांभाळून स्वतःचे करिअर करण्याची इच्छा असणारया महिलांसाठी ग्रफिक डिझाईन हे उत्तम क्षेत्र ठरू शकते. याशियाय नोकरी संमाळून उरलेल्या वेळेत एखादा जोडघंदा करू इच्छिणारयांसाठी ग्राफिक डिझाईनिंग हा उत्तम पर्याय आहे.

> आज गाफिक डिझायनिंग क्षेत्रात अनेक जण कार्यरत असूनदेखील या क्षेत्रात नव्या डिझाईनर्सना प्रचंड मागणी आहे. याचे कारण म्हणजे या क्षेत्रात नवनव्या संकल्पनांना सर्वाधिक महत्त्व आहे. कम्प्युटर सोफ्टवेअर्सचे कौशल्य आणि संकल्पनांचा खर्जिना असणार्या प्रतिभासंपन्न व्यक्तींच्या स्वागतासाठी ग्राफिक डिझाईनिंगचे कार्यक्षेत्र सज्ज आहे.



मारण्याचा सराव करावा लागतो. त्याववरोवर रंगसंगतीचे ज्ञानही महत्त्वाचे आहे. कोणत्या विषयाच्या डिझाईनसाठी कोणती रंगसंगती वापरायची याची जाण असली पाहिजे, ग्राफिक डिझाईनमध्ये टायपोग्राफी हादेखील महत्त्वाचा विषय आहे. मजक्रासाठी योग्य फॉन्टची निवड, अक्षरांची रचना,

अक्षरांचा आकार व स्थान या गोष्टींचा बारकाईने विचार करावा लागतो. ग्राफिक डिझाईन ही एक कला असली तरी ती ही संगणकीय तंत्रज्ञानावर आधारित आहे. त्यामळे कम्प्युटर अगदी सफाईदारपणे वापरता

येणे आवश्यक आहे. ज्या पद्धतीने पेन्सिल वापरली जाते तेवक्याच कुशलतेने माऊस, ग्राफिक टॅबलेट वापरता आला पाहिजे. ग्राफिक डिझाइंनरला फोटोशॉप

असे म्हणू शकतो. डिझाईनमध्ये समतोल, 🥌 एकसंघता, लयबद्धता इत्यादी मूलमूत 🎌 तत्त्वांचा समावेश असावा लागतो. त्याशिवाय डिझाइन आकर्षक बनु शकत नाही, कोणते डिझाईन चांगले आणि कोणते डिझाईन वाईट याची जाण विकसित करण्यासाठी डिझाईन या विषयाचा सखोल अभ्यास

करण्याची गरज असते. हजारो डिझाईन्सचे बारकाईने निरीक्षण करून त्याबाबतचा व्यासंग वादविल्यास डिझाईनचा दर्जा ओळखण्याची दष्टी प्राप्त होते. ग्राफिक विझायनर म्हणून

करिअर करण्यासाठी चित्रकलेचे प्राथमिक ज्ञान असणे आवश्यक आहे. एखादे डिझाईन कम्प्युटरवर तयार करण्याआधी कागदावर पेन्सिलीने कच्ची रेखाटणे करावी लागतात.

कल्पनेतील जग यात फार मोठं अंतर आहे. मौतिक जगात जगताना अनेक मर्यादा समोर येतात. कारण हे जग विज्ञानाचे सिद्धांत आणि नियमांवर चालते. परंत् मानवी मनाला कोणतेही निर्वध नाहीत, भौतिकतेच्या सर्व सीमा पार करून आपले मन कल्पनेच्या विश्वात खच्छंद भरारया मारू शकते, कल्पनेतलं हेच जग एका चौकटीत आभासी स्वरूपात साकार करण्याची कला म्हणजे श्याफिक डिझायनिंग१ आजच्या काळात प्रचंड मागणी असलेलं हे कार्यक्षेत्र आहे. यात प्रामुख्याने कम्प्यटरचा वापर करून डिझायनिंग केले जाते. डिझाईन या विषयाचे प्रामुख्याने तीन प्रकार आहेत. पहिला प्रकार श्फाईन आर्टस्श, दुसरा श्इंडस्ट्रियल डिझाईनिंगरु आणि तिसरा रकम्यनिकेशन डिझायनिंगर, ग्राफिक डिझायनिंग हा तिसरया प्रकारात मोडणारा प्रकार आहे.

वीस्तवातलं भौतिक जग आणि आपल्या

वैनंदिन जीवनात आपल्या समोवताली ग्राफिक डिझायनिंगची अनेक कामे बघायला मिळतात. ही एक व्यावसायिक कला आहे. मार्केटिंगच्या क्षेत्रात ग्राहकांना आकर्षन घेण्याचे सर्वात प्रभावी साधन म्हणून ग्राफिक डिझायनिंगचा वापर केला जातो. एखाद्या प्रॉडक्टची विक्री ही पूर्णतः ग्राफिक डिझाईनवर अवलंबन असते. हे डिझाईन जितके प्रभावी तितका ग्राहकांचा प्रतिसाद जारत मिळतो. ग्राहकाला दृश्यतेचा एक सुखद अनुभव देऊन त्याचे मन जिंकून घेण्याचे हे कौशल्य आहे. म्हणूनच जाहिरात क्षेत्रात ग्राफिक डिझायनिंगला अनन्यसाधारण महत्त्व आहे.

डिझाईन म्हणजे रचना. आपल्याकडे उपलब्ध असलेल्या आकारांमध्ये विविध घटकांची सुत्रबद्ध आणि आकर्षक मांडणी करणे याला आपण डिझाईन Career Guidance by Prof. Sameer Nerlekar

Assistant Professor, Department of Animation, MCASC, Shivajinagar, Pune-5



Career Guidance by Prof. Mrs. Mansi Thakur Head, Department of Fashion Technology, MCASC, Shivajinagar, Pune-5



Webinar and Faculty Development Programs organized during July 2020

Faculty Development Program on E-Content Development and Delivery, Research Methodology and Autonomy

One Week Faculty Development Program on *E-Content Development and Delivery, Research Methodology and Autonomy* was organized by Amar Sewa Mandal's Kamla Nehru Mahavidyalaya, Nagpur-24, Progressive Education Society's Modern College of Arts, Science and Commerce (Autonomous), Shivajinagar Pune-5 and RUSA, Maharashtra from 27th July 2020 to 1st August 2020 on ZOOM Meeting Platform.

For the Inaugural Session Dr. Maheshkumar Salunkhe, Joint Director of Higher Education, Nagpur Region, Nagpur was the Guest of Honor. Hon'ble Prof. Dr. Gajanan Ekbote, Chairman, Business Council, Progressive Education Society, Pune was the Chief Guest of the Inaugural session. Dr. Vijay Joshi, Chief Consultant, RUSA, Maharashtra was also present for the inauguration. Hon'ble Adv. Abhijit Wanjari, Secretary, Amar Sewa Mandal, Nagpur delivered the Presidential Address.

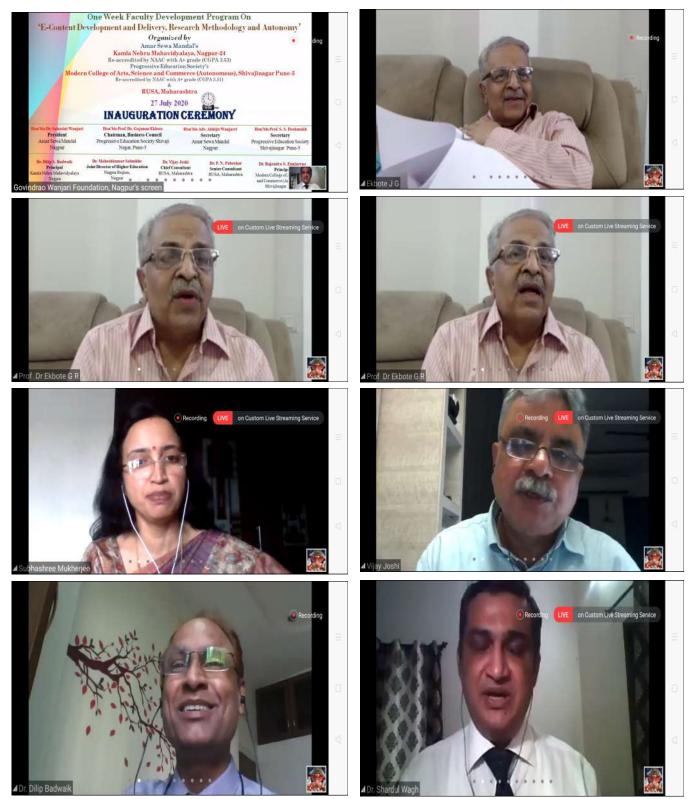
Prof. Dr. Gajanan Ekbote Sir in his inaugural session mentioned that in the present times the two most important things to be remembered and followed by everyone is *'Change is the only Constant Thing'* and *'Adapt to Change or Perish'*. In the COVID-19 pandemic situation, the teaching community needs to adapt itself to the online teaching tools for reaching out to the students.

Sr.No.	Date	Resource Person	Торіс
1	27th July 2020	Prof. Dr.Anjali Sardesai , Head, Department of Animation, Coordinator, IQAC, Modern College of Arts, Science and Commerce (Autonomous) Pune-5	Tools to Create and Store E-content
2	28th July 2020	Prof. Dr.Anjali Sardesai	Developing E-content
3	29th July 2020	Prof. Dr.Anjali Sardesai	Distribution of E-contents to Students and Conducting Online Lectures using Vari- ous Apps
4	30th July 2020	Prof. Dr.Anjali Sardesai	Using SWAYAM MOOC Course and Developing MOOC Personal Course
5	31st July 2020	Prof.Dr.R.K.Kamat , Head, Department of Computer Science, Shivaji University, Kolhapur.	Research Methodology
6	01st August 2020	Dr. Vijay Joshi , Chief Consultant, RUSA Maharashtra	Autonomy

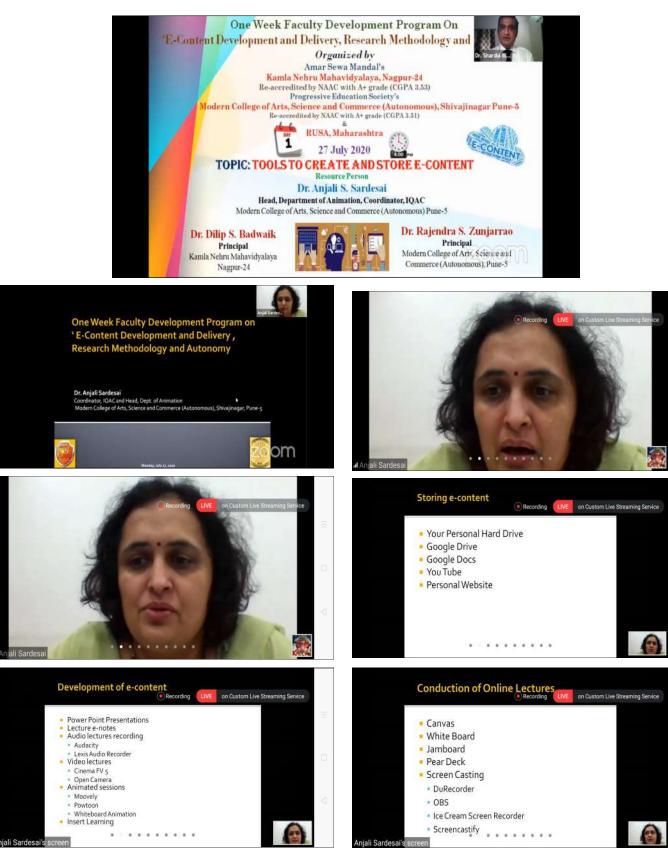
The Online FDP covered the following topics:

Faculty Development Program on E-Content Development and Delivery, Research Methodology and Autonomy



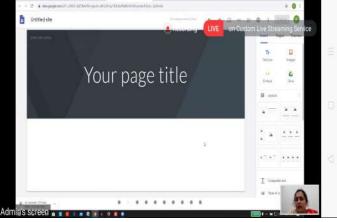


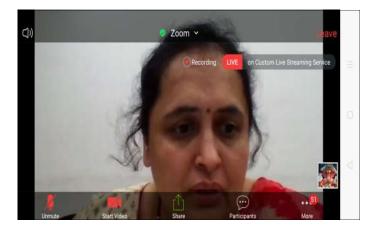
Day 1: 27th July 2020



Day 2: 28th July 2020



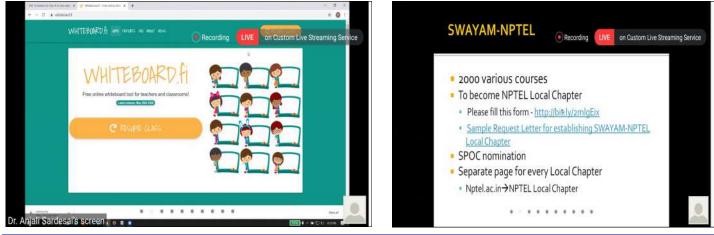




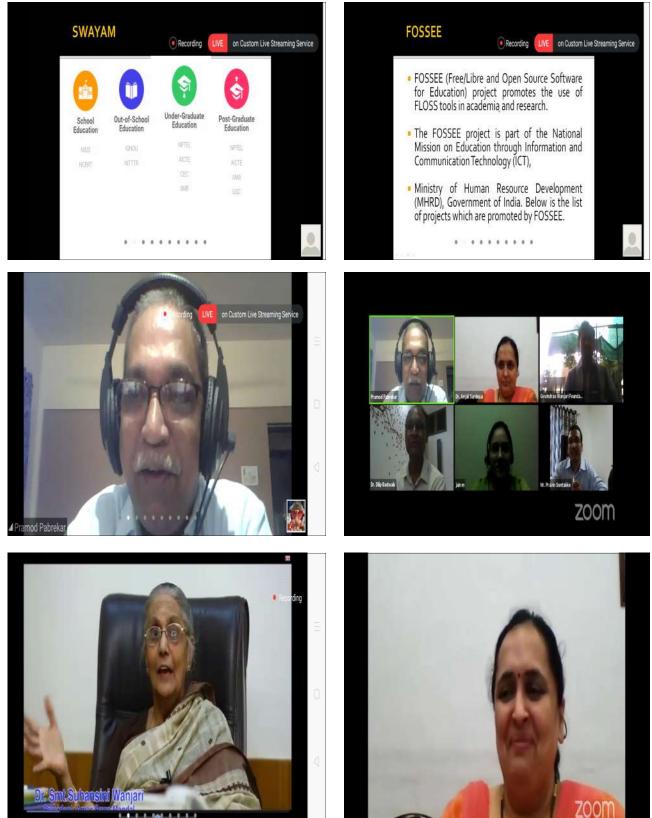


Day 3 and Day 4: 29th and 30th July 2020





Day 3 and Day 4: 29th and 30th July 2020



Day 5 and Day 6: 31 st July and 1st August 2020





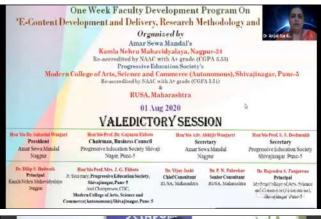








Day 6 : 1st August 2020- Valedictory Session





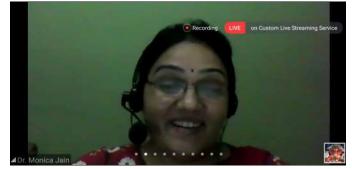














Day 6 : 1st August 2020- Valedictory Session

Today in the Valedictory Session of the One week Online FDP organised by Modern College of Arts, Science and Commerce (Autonomous), Shivajinagar, Pune-5; Kamla Nehru Mahavidyalaya, Nagpur and RUSA Maharashtra, Respected Prof. Jyotsna G. Ekbote Madam delivered an exceptional speech as the Chief Guest of the session.

Prof.Mrs.Jyotsna Ekbote Madam quoted Winston Churchill and explained that we should try to make out an opportunity to learn something from the situation in which we are. The other mention of Neo Darwinism is a very suitable caption in present situation.

Prof. N.M.Naidu, Head, Department of Zoology, Modern College, Shivajinagar, Pune-5 presented report of the One week Faculty Development Program.

Principal Dr. R.S.Zunjarrao Sir congratulated all the participants on successful completion of the FDP and for appearing in the Online Test which covered questions related to all the concepts covered by Prof.Dr.Anjali Sardesai during her online sessions.

Several participants from all over India, gave their feedback on the lucid delivery of the sessions and the expertise of the three resource persons. The participants expressed their gratitude towards organizing the Faculty Development Program.

At the end, Mrs. Swati Patwardhan, Clerk, Modern College, Shivajinagar, Pune-5 sang a beautiful song titled 'Itni Shakti hame dena data, manka vishwas kamzor ho na'.



Page 27

Department of Physical Education of Business Administration Campus

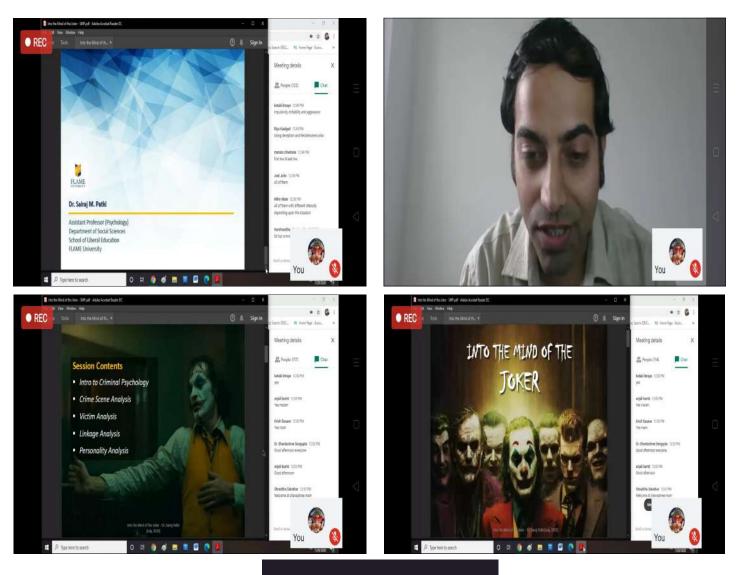
Under the Guidance of Vice Principal Prof. Dr. Alandikar and Support of BBA-CA H.O.D Prof. Pratap Patil, Department of Physical Education of Business Administration Campus organised Guest Session on "*Mental Health*" by Prof.Dr.Arun Shinde, Pune for BBA-CA. students on 28 July 2020 through online mode. More than 110+ students participated in this session.

Event Coordinator Prof.Nimbalkar (Physical Education Dept.)



Department of Psychology

On 29th July 2020, Department of Psychology organized Guest Lecture on the Topic - *"Into the Mind of the Joker"* by Dr. Sairaj Patki (Assistant Professor, Flame University). The online session dealt with the criminal personality analysis of the 'Joker' from Batman Movie.





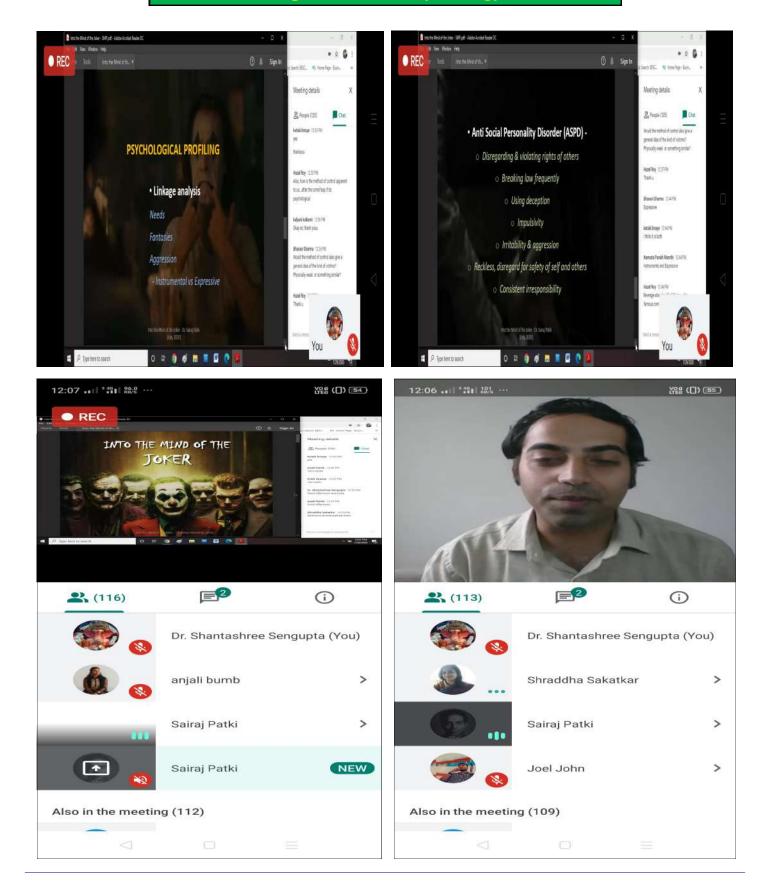
"Describe yourself?"

Page 28

Page 29

MODLIB VOLUME 5 ISSUE 7 JULY 2020

Department of Psychology





Activities conducted by Modern Media Station

Progressive Education Society's Modern College of Arts, Science and Commerce (Autonomous), Shivajinagar, Pune-5 in association with Rotary Club, Shivajinagar, Pune conducted a Webinar Series as an *Online Co-curricular Activity* for all students and staff of Modern College, Shivajinagar, Pune-5.

The activity commenced from **11th July 2020** at 4.00 pm and on every Thursday and Saturday through **Modern Media Station** (the official YouTube channel of Modern College, Pune 5.) the online sessions will be streamed.

In the Inaugural session on 11th July 2020, Principal Dr. R. S. Zunjarrao Sir said that "We are at home due to this COVID 19 Pandemic and lockdown. We have to take care of our physical as well as emotional health, come of negativity (if any), cherish ourselves, make ourselves happy and energize thereby...... Here is an opportunity brought to you from Modern College, Pune-5. All may please visit Modern Media Station on You Tube. The session will be live on this station. Like, Share and Subscribe the official YouTube channel of our College. Feel Happy....Be Happy".





Online User Orientation Program for Use of E-Resources for Biotechnology and Blended Science Students

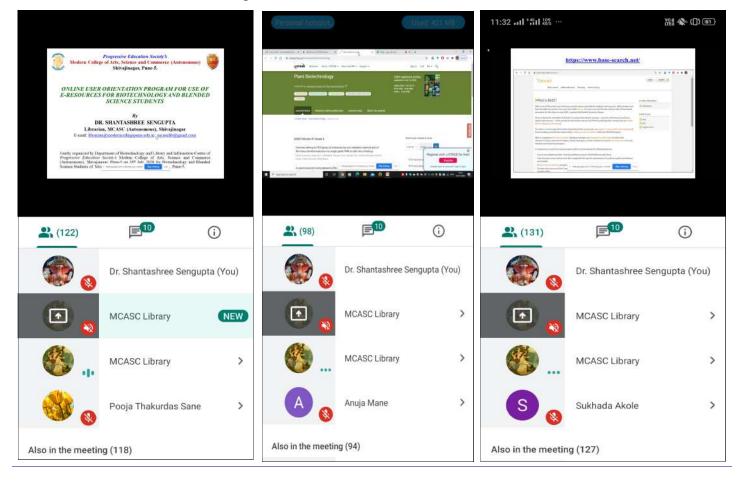
Department of Biotechnology and Library and Information Centre jointly organised 'Online User Orientation Program for Use of E-resources for Biotechnology and Blended Science Students' on 18th July 2020.

Dr. Shantashree Sengupta, Librarian of Modern College of Arts, Science and Commerce (Autonomous), Pune-5 introduced the students to the e-resources databases subscribed by the college as well as several free e-resources which can be accessed anywhere, anytime by the student.

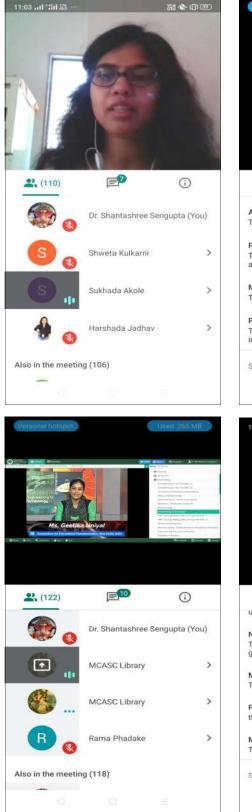
INFLIBNET'S NLIST, National Digital Library, BASE (Bielfeld Acaademic Search Engine), Directory of Open Access Journals (DOAJ), Directory of Open Access Books (DOAB), Shodhganga: Reservoir of Indian Theses and Shodhgangotri: Repository of Indian Research in Progress were introduced to the students and with the help of several examples demonstration was given regarding the search strategy of the database.

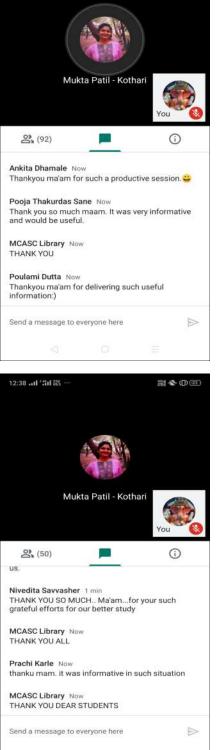
Prof. Dr. Sangita Bhagat, Head, Department of Biotechnology and Prof.Dr.Sukhada Akole, Assistant Professor, Department of Psychology co-ordinated the online orientation program along with the other staff members of the Department of Biotechnology which received a good response from the Biotechnology and Blended Science students.

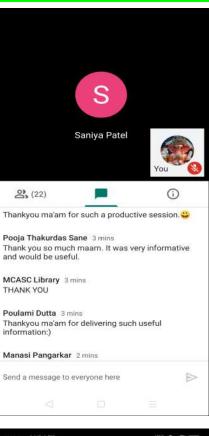
The session was conducted on Google Meet Platform.

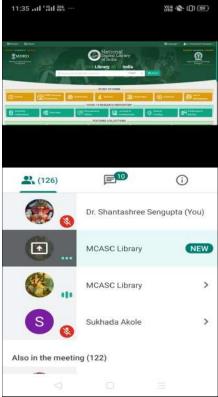


Online User Orientation Program for Use of E-Resources for Biotechnology and Blended Science Students









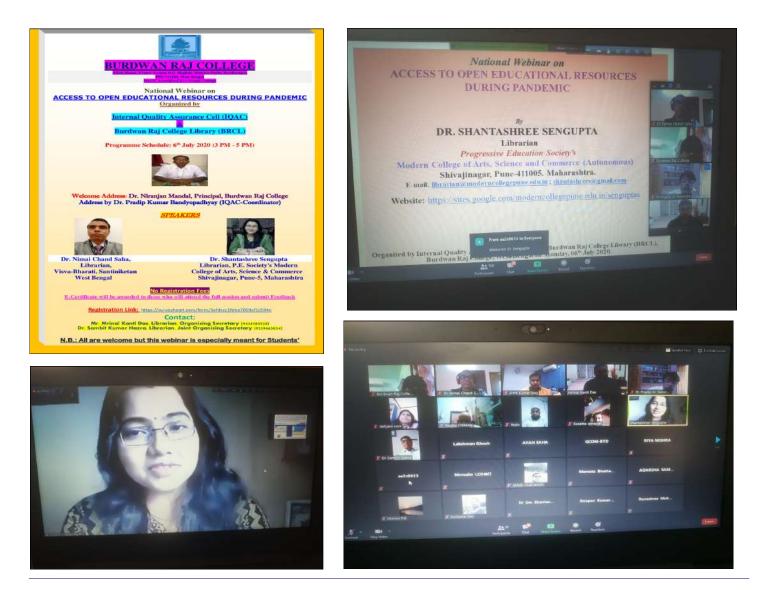
Faculty Members Invited as Resource

Persons during July 2020

National Webinar on Access to Educational Resources During Pandemic

Dr. Shantashree Sengupta, **Librarian** was invited as Resource Person in National Webinar on *Access to Open Educational Resources during Pandemic*' by Burdwan Raj College, Purba Bardhaman, West Bengal on 06th July 2020. Burdwan Raj College, established in 1881, is the oldest state-governed college in Purba Bardhaman district and a premiere seat of higher education catering to the district and neighboring areas of Bankura district, Purulia district, Hooghly district and Birbhum district.

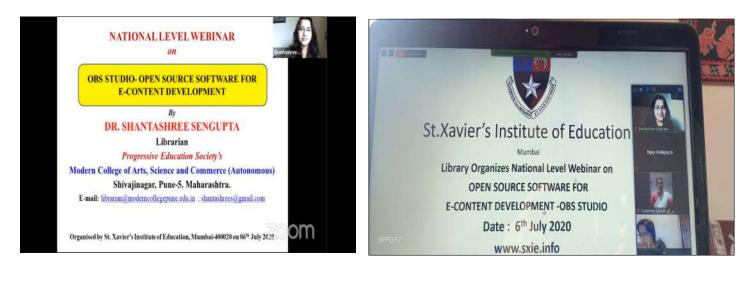
Several online educational resources useful for teachers as well as students like Academic Search Engines, Repositories, Subject Gateways, SWAYAM, SWAYAM PRABHA, Virtual Labs etc. were discussed. The webinar was organised on ZOOM Meeting Platform and received an overwhelming response from the students, teachers and research scholars of West Bengal. There were several international participants also who joined from Philippines, Bangladesh. Jeddah etc.

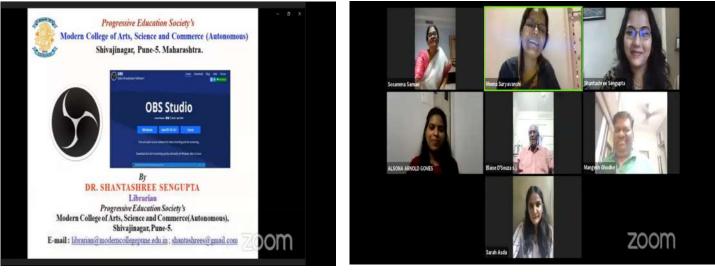


National Level Webinar on OBS Studio-Open Source Software for E-Content Development

Dr. Shantashree Sengupta, **Librarian** was invited as Resource Person in National Webinar on 'OBS Studio-Open Source Software for E-Content Development' by St.Xavier's Institute of Education, Mumbai on 06th July 2020.

Open Broadcaster Software is a free and open-source cross-platform streaming and recording program built with Qt and maintained by the OBS Project. As of 2016, the software is now referred to as OBS Studio. There are versions of OBS Studio available for Microsoft Windows, macOS, and Linux distributions.





Two-Day National Level E-Workshop on Understanding OBS Studio and Streamyard for E-Content Creation and Live Streaming

Dr. Shantashree Sengupta, **Librarian** was invited as Resource Person in Two Day National Level E-Workshop on '*OBS Studio and Streamyard for E-content Creation and Live Stream-ing*' organised by Faculty of Humanities and Science, Dr.M.G.R Educational and Research Institute (Deemed to be University), Chennai on 10th July 2020.

Open Broadcaster Software is a free and open-source cross-platform streaming and recording program. The National Level E-workshop received a massive response of 16,000+ online viewers who gave positive responses for the workshop and also posted the E-contents created by them using OBS Studio.





DR. PRERNA UBALE, HEAD, DEPARTMENT OF HINDI INVITED AS RESOURCE PERSON

मू.जे.स्वायत्त महाविद्यालयाच्या वतीने राष्ट्रीय ऑनलाईन निबंध लेखन स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. सदर स्पर्धेत लिखाणासाठी कोविड-१९ काळातील आव्हाने व संधी, कोविड-१९ नंतर समाज जीवन आणि कोविड-१९ नंतर शिक्षण व्यवस्था असे तीन विषय देण्यात आले. त्याकरिता गुगल फॉर्म तयार करण्यात आला होता, ज्यात सुमारे ३२२ निबंध देशातील १६ राज्यांमधून प्राप्त झालेत. स्पर्धेमध्ये यानिबंध विजयी झालेले स्पर्धक असे आहेत. म्.जे.महाविद्यालय, क्रमांक: शेख प्रथम उज्मा नाज इकबाल, जळगाव दवितीय रोहिला, गर्ल्स कॉलेज, सहारनपूर, क्रमांक: खेमका प्रदेश पारुल उत्तर तृतीय महाविदयालय, विशाल विवेकांनद औरंगाबाद क्रमांक: जाधव, या स्पर्धेत सहभागी झालेल्या सर्व स्पर्धकांना ऑटो जनरेटेड ई-प्रमाणपत्र प्रदान करण्यात आले. निबंधांचे परीक्षण डॉ.अजय पाटील (कला, विज्ञान आणि वाणिज्य महाविद्यालय, बोदवड), **डॉ.प्रेरणा** उबाळे (मॉडर्न स्वायत्त महाविद्यालय, पुणे) आणि प्रा.गोपीचंद धनगर, जळगाव यांनी केले. या स्पर्धेचे आयोजन प्राचार्य डॉ.एस.एन.भारंबे यांनी केले तर स्पर्धा समन्वयक प्रा. विजय लोहार व डॉ. योगेश महाले होते.

दि.16/07/2020

राष्ट्रीय ऑनलाईन निबंध लेखन स्पर्धेचा अहवाल

खानदेश कॉलेज एज्युकेशन सोसाइटीच्या मूळजी जेठा स्वायत्त महाविद्यालयाच्या वतीने कोरोना महामारीच्या संकट काळात जन जागृतीसाठी वेगवेगळे उपक्रम राबविण्यात येत आहेत. जास्तीत जास्त लोकांपर्यंत कोरोना विषयीची माहिती पोहोचवता यावी हा यामागचा उद्देश्य आहे. त्याचाच एक भाग म्हणून मू.जे.स्वायत्त महाविद्यालयाच्या वतीने राष्ट्रीय ऑनलाईन निबंध लेखन स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. सदर स्पर्धेत लिखाणासाठी कोविड-19 काळातील आव्हाने व संधी, कोविड-19 नंतर समाज जीवन आणि कोविड-19 नंतर शिक्षण व्यवस्था असे तीन विषय देण्यात आले. त्याकरिता गुगल फॉर्म तयार करण्यात आला होता, ज्यात सुमारे 322 निबंध देशातील 16 राज्यांमधून प्राप्त झालेत. या स्पर्धेसाठी पहिले बक्षिस 3001/-, दुसरे बक्षिस 2001/- तर तीसरे बक्षिस म्हणून 1001 /-असे पुरस्काराचे स्वरूप होते.

या निबंध स्पर्धेमध्ये विजयी झालेले स्पर्धक असे आहेत. प्रथम क्रमांक : उज्मा नाज शेख इकबाल, मू.जे.महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय क्रमांक : पारुल रोहिला, खेमका गर्ल्स कॉलेज, सहारनपूर, उत्तर प्रदेश तृतीय क्रमांक : विशाल जाधव, विवेकांनद महाविद्यालय, औरंगाबाद

या स्पर्धेत सहभागी झालेल्या सर्व स्पर्धकांना ऑटो जनरेटेड ई-प्रमाणपत्र प्रदान करण्यात आले. निबंधांचे परीक्षण डॉ.अजय पाटील (कला, विज्ञान आणि वाणिज्य महाविद्यालय, बोदवड), डॉ.प्रेरणा उबाळे (मॉडर्न स्वायत्त महाविद्यालय, पुणे) आणि प्रा.गोपीचंद धनगर, जळगाव यांनी केले. या स्पर्धेचे आयोजन प्राचार्य डॉ.एस.एन.भारंबे यांनी केले तसेच स्पर्धा समन्वयक म्हणून प्रा.विजय लोहार आणि डॉ.योगेश महाले यांनी काम पहिले.

Tree Plantation — NSS





Online newspapers and online services based on newspapers are becoming increasingly popular and useful in current digital age. These services helped libraries in reaching out users wherever they are and also save time of the users. The newspaper clippings are also known as press clippings in some libraries .

[Ref: Gaur, Ramesh C., Chand, Mahesh, Gaur, Kavita & Yadav, Amar Singh. (2013). Online Newspaper Clippings and News Services for Libraries: Experiences in Indian Libraries. Accessed from http://library.ifla.org/240/1/153-gaur-en.pdf]

Clipping is the cutting-out of articles from a paper publication. Newspaper clippings are often used when people have to write a report or make a presentation or for future reference.

The Modern College, Shivajinagar Library subscribes to Ten (10) English Newspapers and Eleven (11) Marathi Newspapers which are referred by the students and staff. The Library has a practice of posting notifications of important news related to Education, UGC, NAAC, Savitribai Phule Pune University on the WhatsApp Groups of Staff.

Father of Library Science, Dr. S.R.Ranganathan's Fifth Law of Library Science states that '*Library is a Growing Organism*'. It means that a library should be a continually changing institution, never static in its outlook. Books, methods, and the physical library should be updated over time.

As an implication of the Fifth Law of Library Science, the Modern College Library has also updated the ways of keeping and maintaining the Newspaper Clippings. E-newspaper Clippings Service gives a global viewership/user base, no maintenance required, storage space issues will be solved and any user, anytime, at any place can have an access to the Newspaper Clippings Service.

The E-Newspaper Clippings Section is divided into *Education, Work of Appreciation, Contribution of Institutions towards the Society, Health, Research, Sports, Miscellaneous*.

Section: Education



स्तरावर छत्रपती शिवाजी महाराज अभ्यासले जातात. आंतरराष्ट्रीय स्तरावर छत्रपती शिवाजी महाराज एक नेतृत्व, योद्धे आणि राष्ट्र निर्माते म्हणून अभ्यासले जातात. मात्र केवळ छत्रपती शिवाजी महाराज ही संकल्पना घेऊन पूर्णवेळ करण्यासाठी विद्यापीठाच्या संरक्षण आणि सामरिक शास्त्र विभागाचे प्रमुख डॉ. विजय खरे यांनी 'पीजी डिप्लोमा इन छत्रपती शिवाजी महाराज ॲज ए नेशन बिल्डर' हा अभ्यासक्रम विकसित करण्यासाठी पुढाकार घेतला. नव्या शैक्षणिक वर्षात हा अभ्यासक्रम राबवला जाणार आहे. कोणत्याही

अभ्यासक्रमात

दिली.

अध्यापनासह क्षेत्रभेटी, प्रकल्प आर्दीचा समावेश असेल.' अशी

माहिती संरक्षण आणि सामरिकशास्त्र

विभागाचे प्रमुख डॉ. विजय खरे यांनी



वर्गातील

গুটাফের্যনা Wed, 08 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53298918

Section: Education



एटीकेटीच्या विद्यार्थ्यांना सरासरी गुण देऊनही ते उत्तीर्ण होत नसतील, तर ग्रेस गुण देऊन एटीकेटीमुक्त करण्यात यावे, अशी शिफारस कुलगुरूंनी केली असून, त्यावर सरकार विचार करत असल्याचे सामंत यांनी सांगितले.

'कोविडबाधित बॅच' असा उल्लेख नसणार

विद्यापीठांच्या परीक्षांवरून केंद्रीय

मनुष्यबळ विकास मंत्रालय आणि राज्याच्या

उच्च आणि तंत्र शिक्षण विभागात चांगलीच

जुंपली आहे. यूजीसीने परीक्षा घेण्याचे

फर्मान सोडल्यानंतरही मंत्री सामंत यांची

नकारघंटा कायम आहे. कोरोनाचा प्रादुर्भाव

लक्षात घेता परीक्षा घेणे योग्य नसल्याचे सामंत यांचे म्हणणे आहे. ते म्हणाले की.

अंतिम वर्षांसह अन्य परीक्षांबाबत कुलगुरू

सूचवतील तो निर्णय घेण्याचे मंत्रिमंडळ

बैठकीत ठरले होते. त्यानुसार ६ जुलै रोजी

कुलगुरुंची बैठक झाली. यात १३

कुलगुरूंनी परीक्षा घेणे योग्य नसल्याचे मत

मांडले. त्यानुसार यूजीसीला विनंती केली

होती. आता कुलगुरुंचे ऐकावे की

यजीसीचे? या संध्रमात आम्ही आहोत.

- 🔶 राज्यात परीक्षा न झाल्यामुळे पदवी मिळालेल्या कोणत्याही विद्यार्थ्यांच्या प्रमाणपत्रावर 'कोविडबाधित बॅच' असा शिक्का येणार नसल्याची ग्वाही सामंत यांनी दिली.
- 🔷 शासनाची भूमिका विद्यार्थीहिताची आहे. आणखी २ ते ३ दिवस यूजीसीच्या निर्णयाची वाट पाहणार असल्याची माहिती त्यांनी दिली.

Pune Main Page No. 1 Jul 10, 2020 Powered by: erelego.com

पुणे : विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (यूजीसी) अंतिम वर्षाच्या परीक्षांबाबत कोणताही संभ्रम निर्माण केला नाही, तर स्पष्ट सुचना दिल्या आहेत. परीक्षा कशा व कोणत्या पद्धतीने घ्याव्यात, याबाबतचे नियम ठरविण्याचे अधिकार विद्यापीठांना आहे. विद्यापीठांना यूजीसीच्या मार्गदर्शक सूचनांचे पालन करणे बंधनकारक आहे. त्यामुळे यूजीसीने दिलेल्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार विद्यापीठांनी परीक्षा घ्याव्यात, असे यूजीसीचे उपाध्यक्ष डॉ. भूषण पटवर्धन यांनी 'लोकमत'शी बोलताना सांगितले. अंतिम वर्षाच्या परीक्षेला

याबाबत बिद्यापीठ (पान ३ वर)

लोकमत

युजीसीच्या मार्गदर्शक सूचना बंधनकारक : डॉ. भूषण पटवर्धन

(पान १ वरुन) अनुदान आयोगाने दिलेल्या सुधारित सूचनांमुळे गोंधळ कोणताही संभ्रम निर्माण केला नसून निर्माण झाल्याची चर्चा शिक्षण वर्तुळात केली जात आहे. तसेच युजीसीच्या निर्णयाला राजकीय रंग दिला जात असून काही विद्यार्थी संघटनांनी युजीसीने आपल्या निर्णयाचा पुनर्विचार करावा, अशी मागणी केली आहे.

डॉ. पटवर्धन म्हणाले, यूजीसीने २९ एप्रिल रोजी जे सांगितले होते. तेच ६ जुलै रोजी पुन्हा एकदा सांगितले आहे. केवळ जुलै ऐवजी सप्टेंबर महिन्यात परीक्षा घेण्याबद्दल नमूद केले आहे. परीक्षा न देता पदव्या दिल्या तर चुकीचा पायंडा पडेल व शैक्षणिक दृष्ट्रया हे योग्य होणार नाही.

Pune Main Page No. 3 Jul 10, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education

लोलमत



परंत, राज्य शासन युजीसीला डावलून या परीक्षेबाबत निर्णय घेऊ शकते का? असा प्रश्न उपस्थित होत आहे.

मार्गदर्शक तत्त्वे बंधनकारक आहेत विद्यापीठे ही राज्याच्या अखत्यारित किंवा नाहीत; हा भाग आता न्यायप्रविष्ट असून त्याबाबत प्रश्नचिन्ह आहे.

Pune Main Page No. 2 Jul 10, 2020 Powered by: erelego.com

तरी

असली

शैक्षणिकदुष्ट्या

Section: Education

लोकमत

महाविद्यालयीन परीक्षेचा पोरखेळ होऊ नये : फडणवीस भवितव्याशी न खेळता समन्वयातून मार्ग काढावा

औरंगाबाद : राज्यातील महाविद्यालये विद्यापीठांतील परीक्षेविषयी च पोरखेळ सरू आहे. यवासेनेच्या विद्यार्थ्यांच्या आग्रहाखातर भवितव्याशी खेळ न करता परीक्षेचा समन्वयातून प्रश्न सोडविण्यात यावा, असे आवाहन विरोधी पक्षनेते देवेंद्र फडणवीस यांनी गुरुवारी येथे केले.

विद्यापीठ अनुदान आयोगाने महाविद्यालयातील[ँ] अभ्यासक्रमांच्या अंतिम सत्राच्या परीक्षा घेण्याच्या सूचना केल्या आहेत. त्यावर राज्य शासनाने परीक्षा घेणार नसल्याची भूमिका जाहीर केली आहे. यावर बोलताना फडणवीस म्हणाले. यजीसीने परीक्षेसंदर्भात धोरण ठरवताना देशाचा विचार केलेला असतो, केवळ महाराष्ट्राचा नाही. देशातील इतर राज्यांत परीक्षा घेण्यात आल्यास आपल्या राज्यातील

विद्यार्थ्यांच्या पदव्यांची किंमत राहणार नाही. युजीसीने परीक्षा तात्काळ घेण्याच्या सूचना केलेल्या नाहीत. कोरोनाचे संकट कमी झाल्यानंतर सोशल डिस्टन्स पाळून परीक्षा घेता येतील. मात्र, राज्य शासनाचा पोरखेळ सुरू आहे. पॉलिटिकल इगोसाठी प्रकरण ताणले जात आहे. यात नुकसान विद्यार्थ्यांचे होणार आहे.

राज्य शासन परीक्षा न घेताच विद्यार्थ्यांना गुणदान करण्यासाठी विद्यापीठांना पद्धत ठरविण्याच्या सचना देते. एकाच राज्यात विद्यार्थ्यांना गुणदान करण्याची वेगवेगळी अस् पद्धत कशी शकेल? पुढे एका विद्यापीठातील पदवीचा विद्यार्थी पदव्युत्तरसाठी दुसऱ्या विद्यापीठात गेल्यास त्याठिकाणी गुणदान करण्याची केल्यास पद्धत अमान्य अनेक प्रश्न उद्भवतील.

Pune Main Page No. 5 Jul 10, 2020 Powered by: erelego.com

परीक्षांसाठी विद्यार्थी-शिक्षकांचे आरोग्य धोक्यात घालायचे का ?

लोकसत्ता विशेष प्रतिनिधी

मुंबई : मार्चमध्ये देशभरात करोताचे ६०० रुण्ण अस्ताना परीक्षा रद्द करण्याबाबल केंद्रीय पातळोवर विचार झाला. आता देशात ७ लाख करोताची सथ अस्ताना परीक्षा घेणार कशी २ परीक्षा घेलत्यास लाखो विवार्थी -शिक्षक यांचे आरोग्स धोक्यात वेईल त्याचे काय असा सबाल करात पर्यटनमंत्री आदित्य ठावने यांनी सरचेंबर अखेरपर्वंत परीक्षा घेण्यास विरोध केला. परीक्षा व चेता सच्या सररासरी

पराक्षा न घता संख्या सरासरा गुणांच्या आधारे निकाल लावल्यास परदेशात शिक्षणासाठी जाणाऱ्यांचे नुकसान होणार नाही आणि श्रेणीवाह करण्यासाठी परिस्थिती सुधारत्यावर परीक्षा देण्याचा मार्ग आहेच, असेही आदित्य यांनी स्पष्ट केले. 'फिकी प्रेन्सर २०२०' या उपक्र मता आदिय ठाकरे बोलल होते. 'दि इंडियन एक्स्प्रेस' समूहत चे कार्वकारी संचालक अनंत गोएका यांनी आदित्य टाकरे यांना परीक्षा रद करण्यावरून सुरू असरहेला गॅथळ, भूमिपुत्र आणि स्थलांतरित कामगरा, चीनच्या अंपक्षरील कंदी अशा विविध विषयांक्त बोलने केले. मार्चमध्ये देशभरात करोनाचे

६०० रुग्ण होते. त्या वेळी यूजीसीने परीक्षा शांवलण्याचा निर्णय घेतला होता. त्यानंतर आतापर्यंत याबाबल उल्ल्सुल्ट सूचना आल्या आहेत. सप्टेंबर अखेरफ्यंत जीतेम वर्षांच्या परीक्षा घेण्याची सूचना आता विद्यापीठ अनुदान आयेम देत आहे. अशा वातावारणात परीक्षा कशा घेणार ? लखो विद्यार्थी आहेत. शिक्षक आहेत. अनेक शिक्षकांचे वब ५०च्या पुढे असेल. त्यांना करोनाच्या धोक्यात लोटायचे का, असा सवाल आदित्य ठाकरे यांनी



केला. वर्षाच्या एकाच अंतिम प्ररिक्षेवर मूल्यांकन करण्याऐवजी जगभर निर्वामत मूल्यांकन पद्धती वापरली जात आहे. लाचाच आधार घेऊन विद्यार्थ्यांच्या रोवटच्या वर्षातील कामगिरीपर्थतेचे मूल्यांकन करून निकाल लावण्याचे धोरण

सरकारविरोधी म्हणजे राष्ट्रविरोधी नव्हे!

सरकारविरोधी आणि राष्ट्रविरोधी बात फरक आहे. सरकारला विरोध केला म्हणजे राष्ट्राला विरोध केला असे नाही, असे सूचक किंगाव आदित्य ठाकरे गांनी केले. सरकारचे विरोध यदीका सफन के लीव पहिजे. त्यातूनव राज्यकों म्हणून आपण कुठे चुक्त आहोत हे ककते. सकरात्मक टीकेला प्रतिसाढ़ देणे सरकारवे काम आहे. त्यातून ध्येव-धोरणांत लोककिसिन्स युखारणा करता येतत, असे आदित्य बानी स्पष्ट केले.

> ठेवण्यात आले. अनेक विद्यार्थी परदेशात हिंकायला जाणार आहेत. सप्टेंबरमध्ये त्यांचां परीक्षा घेतली तर त्यांचे वर्ष वाया जाईल. याऐवजी आता निकाल लावल्यानंतर ज्या विद्यार्थ्योना आगठे गुण बाढवण्यासारी परीक्षा द्यांवी वाटते

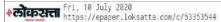
त्यांच्यासाठी ती नंतर घेतळीच जाणार आहे, असेही आदित्य ठाकरे यांनी स्पष्ट केले.

चीनचा आक्रमक पवित्रा आणि भारताने केलेल्या ॲपबंदीबाबत कार वाटते असे विचारता, चीनने ज्या पद्धतीने भारतविरोधात आक्रमकता दाखवली त्याला उत्तर म्हणून ॲपबंदीकडे पाहिले पाहिजे. सर्वसाधारण वातावरणात असे होत नसते. पण सध्या दोन्ही देशांत तणाव असताना अञ्चा गोष्ठी घटतात सध्याच्या तंत्रज्ञान-आर्थिक उलाढालींच्या युगात देशाच्या सीमारेषांना ओलांडन ऑनलाइन व्यवहार सुरू झाले आहेत. अशा वेळी देशाची सुरक्षा- अर्थकारण यांच्याशी संबंधित गोपनीय महिती इतर देशांच्या हाती पडणार नाही यासाठीच्या सुरक्षेच्या उपाययोजना कराव्या लागतात. पण त्याचबरोबर गंतवणकीचे काय करायचे याबाबतही धोरण हवे. राज्यात

गुंतवणुक करण्यासाठी चीनच्या कं पन्यांनी केलेले करार आम्ही सध्या जैसे थे ठेवले आहेत. तसेच अशा काळात आपल्या सिनेकलावंतांनीही चीनच्या उत्पादनांच्या जाहिराती करण्यास नकार दिला पाहिजे आणि आम्ही भारतविरोधी कत्ये खपवन घेणार नाही, असा संदेश त्यातून चीनला दिला पाहिजे, असे आग्रही मत आदित्व ठाकरे यांनी मांडले. पण त्याचबरोबर दोन्ही देशांत संबंध सुरळीत असताना कलाकारांनी चीनच्या वस्तूंच्या जाहिराती करू नयेत, असा दुराग्रहही थरणे चुकीचे राहील, असेही त्यांनी नमुद केले. ललित सुरी हॉस्पिर्देलिटी समहाच्या व्यवस्थापकीय संचालक ज्योत्स्ना सुरी यांनी प्रास्ताविक केले. रोजगारावर पहिला हक्क भूमिपुत्रांचा शिवसेनेचा स्थलांतरित कामगारांना विरोध नाही तर प्रत्येक राज्यात रोजगारावर पहिला हक

भूमिपत्रांचा असला पाहिजे, महाराष्ट्रात तो मराठी माणसाचा ह असेल अशी भूमिका आहे. एखा रोजगार संधी आहे आणि एक स्थानिक व दुसरा स्थलांतरित या दोघांकडे त्यासाठी आवश्यक पात्रता-कौशल्य असेल तर पहित हक स्थानिक भूमिपुत्राचा असेल त्यानंतर उरलेल्या रोजगारसंधीस स्थलांतरित लोकांना संधी देण्यार हरकत नाही. महाराष्ट्रत शिवसेने स्थलांतरित कामगारांची करोनाकाळात बोग्य ती काळजी घेतली. आपल्या राज्यात निघाले लोकांच्या प्रवासाची व्यवस्था होईपर्यंत त्यांच्या राहण्या-खाण्य सौय केली, नंतर त्यांना रेल्वेचे तिकीट काढन दिले, एसटीने सोडायची व्यवस्था केली. असे सांगत आदित्य ठाकरे यांनी शिव परप्रांतीयांच्या विरोधात नाही तर भूमिपुत्र मराठी माणसाच्या बाजूने आहे. असे स्पष्ट केले.

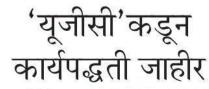
9



Section: Education



अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्याबाबत विद्यापीठ अनुदान आयोगाने सुधारित मार्गदर्शक सूचनांपाठोपाठ प्रमाणित कार्यपद्धती जाहीर केली. परीक्षा होणारच, असे आयोगाने त्यातून अधोरेखित केले असताना राज्य सरकारने मात्र पुन्हा नन्नाचा पाढा गिरवला. त्यामुळे परीक्षेचा पेच कायम असून, विद्यार्थ्यांची कोंडी झाली आहे.



लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (यूजीसी) अंतिम वर्षाच्या विद्यार्थ्यांच्या परीक्षा घेण्यासाठीची कार्यपद्धती (एसओपी) गुरुवारी जाहीर केली. करोना संसर्ग टाळण्यासाठी तापमान तपासणी, सॅनिटायझर, मुखपट्टीचा वापर आदी सूचना देत 'यूजीसी'ने या परीक्षा होणारच असल्याचे अधोरेखित केले आहे

देशभरातील विद्यापीठांना अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्याबाबत 'यूजीसी'ने ६ जुलैला सुधारित मार्गदर्शक सुचना दिल्या होत्या. त्यानुसार प्रत्यक्ष लेखी परीक्षा किंवा ऑनलाइन किंवा मिश्र पद्धतीने सप्टेंबर अखेरपर्यंत परीक्षा घेण्याची मभा विद्यापीठांना देण्यात आली. या पार्श्वभूमीवर विद्यापीठे आणि महाविद्यालयांना परीक्षा घेण्याबाबतची कार्यपद्धती 'यूजीसी'च्या (पान २ वर)



कायद्यानुसार विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या सूचना विद्यापीठांसाठी बंधनकारक आहेत. आयोग विद्यापीलंची नियामक संस्था आहे. त्यामळे राज्य शासनाला विश्वासात घेणे, हे आयोगाच्या कक्षेत येत नाही.

-डॉ. भूषण पटवर्धन, उपाध्यक्ष, सूजीसी

बैटक व्यवस्था आणि ओळखपत्र

विद्यार्थ्यांच्या बैठक व्यवस्थेत दोन विद्यार्थ्यांमधील एक आसन रिकामे ठेवण्यात यावे. विद्यार्थ्यांना परीक्षेसाठी ढेण्यात येणारे प्रवेशपत्र, कर्मचाऱ्यांना त्यांचे ओळखपत्र परीक्षा केंद्रावर येण्या-जाण्यासाठीचा पास म्हणून ग्राह्य धरण्यात यावा. याबाबत राज्य शासनांनी स्थानिक प्रशासनाला सूचना द्याव्यात, असे 'एसओपी'मध्ये नमूद करण्यात आले आहे.

00

असे राज्याचे उच्च आणि तंत्रशिक्षणमंत्री उदय सामंत यांनी गुरुवारी पत्रकार परिषदेत राज्यातील कुलगुरूंच्या इच्छेनुसारच परीक्षा रद करण्याचा निर्णय घेतला होता, असे सामंत यांनी स्पष्ट केले.

सांगितले.

लोकसत्ता प्रतिनिधी

आतापर्यंत आधीच्या परीक्षांतील गुणांच्या सरासरीनुसार निकाल जाहीर करण्याचे सूत्र राज्याने जाहीर केले होते. मात्र, आता त्याच्या पुढे पाऊल टाकत अनुत्तीर्ण झालेल्या विद्यार्थ्यांना ग्रेस गुण देऊन उत्तीर्ण करत सर्वांनाच पदवी 'वाटण्यात' येणार आहे. सामंत यांनी याबाबत माहिती दिली. यावेळी राज्यमंत्री प्राजक्त तनपुरे उपस्थित होते.

'परीक्षा न घेण्याचा किंवा मागील वर्षात अनुत्तीर्ण झालेल्या विद्यार्थ्यांच्या (एटीकेटी) मूल्यांकनाबाबतचा निर्णय हा कुलगुरू आणि

रुटोट्ट्रा Fri, 10 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53353376





सांगितले.

सर्व उत्तीर्ण

परीक्षा घेणे अशक्य

उदय सामंत यांची भूमिकाः

आता सर्वांना उत्तीर्ण करण्याचे सूत्र

राज्य समितीच्या शिफारसीनुसारच घेण्यात

आला आहे. लाखो विद्यार्थ्यांच्या आरोग्याचा

घेण्यात आला. लेखी परीक्षा घेणे

शक्य नाही, ऑनलाइन परीक्षा

घेण्यास आवश्यक साधने पुरेशा

प्रमाणात नाहीत, असे कुलगुरूंनी

बैठकीत सांगितले. त्यानंतर

आयोगाच्या नव्या सूचना आल्या.

परीक्षा घेणे शक्य नसल्याचे पत्र

आयोगाला आणि शिखर

राज्यातील कुलगुरूंच्या समितीला

एटीकेटीच्या विद्यार्थ्यांच्या मुल्यांकनाचे सुत्र

निश्चित करण्याची सूचना देण्यात आली

होती. ४ जुलै रोजी ही बैठक झाली. त्यानुसार

एटीकेटीच्या विद्यार्थ्यांना अनुत्तीर्ण झालेल्या

सत्रातील सर्व विषयांच्या गुणांच्या सरासरी ५०

टके आणि अनुत्तीर्ण विषयाच्या अंतर्गत

मूल्यमापनासाठी (पान ४ वर)

'यूजीसी'कडून कार्यपद्धती जाहीर

(पान १ वरून) संकेतस्थळावर उपलब्ध करून देण्यात आली आहे.

सूचना काय?

- 🔵 परीक्षा देणाऱ्या विद्यार्थ्यांना संसर्ग होऊ नये, यासाठी संपूर्ण परीक्षा केंद्रातील मिंती, दरवाजे, प्रवेशद्वारे, खुर्च्या निर्जतुक कराव्यात.
- 🛭 परीक्षा केंद्राच्या प्रवेशद्वारावर

सॅनिटायझर ठेवावे. परीक्षा केंब्रातील कर्मचा-यांनी हातमोजे आणि मुखपट्टीचा वापर करावा.

 परीक्षा केंद्रावरील प्राध्यापक, कर्मचा-यांकडून त्यांना कोणताही त्रास होत नसल्याचे हमीपत्र घ्यावे. परीक्षा केंद्रात प्रवेश कस्ताना विद्यार्थी आणि प्राध्यापक, कर्मचा-यांच्या शरीराचे तापमान तपासावे.

सर्व विद्यार्थी आणि कर्मचाऱ्यांना आरोग्य सेतु ॲप बंधनकारक करावे. सुरक्षित अंतर राखण्यासाठी ठिकठिकाणी फलक लावावेत. विद्यार्थी. कर्मचाऱ्यांना परीक्षा केंद्रात सोडताना एकावेळी एकाच व्यक्तीला सोडावे. तसेच पवेञाढारावर ढोन मीटर अंतर राखणारे चौकोन आखावेत.

टोटाउस्ता Fri, 10 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53353474

Section: Education

२०१३ पासूनच्या अनुत्तीर्णांचे विद्यापीठाकडे पदवीसाठी अर्ज

राज्य शासनाच्या निर्णयाचा फायदा होण्याची आशा

दिली. या संधीचा २०१३ पासून अनत्तीर्ण असलेल्या विद्यार्थ्यांनी फायदा घेतला आहे.

विद्यार्थ्यांनी अर्ज के ले आहेत. मात्र

आता यजीसीकडन पन्हा परीक्षा

घेण्याचे निर्देश देण्यात आले आहेत.

तर राज्य शासन परीक्षा न घेण्याबाबत

अद्यापही ठाम असले, तरी यूजीसीचे

निर्देशही बंधनकारक आहेत. त्यामुळे

आता परीक्षा होणार की नाही याचा

संधम कायम आहे.

अर्ज केलेल्या सुमारे बारा हजार विद्यार्थ्यांमध्ये व्यावसायिक आणि बिगरव्यावसायिक अभ्यासक्रमाच्या विद्यार्थ्यांचा समावेश आहे. त्यातील अनेकांनी तर शिक्षणही सोडले आहे. अंतिम वर्षाच्या परीक्षा न घेता पदवी देण्याच्या राज्य शासनाच्या निर्णयाचा फायदा मिळण्याची आशा असल्याने

(यूजीसी) परीक्षा घेण्याचे पुन्हा निर्देश दिल्याने या विद्यार्थ्यांचे काय होणार असा प्रश्न आहे.

विद्यापीठाने परीक्षेसाठी ऑनलाइन पद्धतीने अर्ज मागवले होते. अंतिम वर्षाच्या दोन लाख २६ हजार १८८ विद्यार्थ्यांनी अर्ज केले. राज्य शासनाने अंतिम वर्षाच्या परीक्षा न घेण्याचा निर्णय घेतल्यानंतर विद्यार्थ्यांचे नकसान होऊ नये, या दुष्टीने अर्ज भरण्यासाठी २५ जुनपर्यंत मुदतवाढ

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : सावित्रीबाई फु ले पुणे विद्यापीठातील २०१३ पासूनच्या सुमारे बारा हजार अनुत्तीर्ण विद्यार्थ्यांनी पदवी मिळण्याच्या आशेने पुन्हा अर्ज भरला असल्याचे समोर आले आहे. परीक्षा न घेता पदवी देण्याच्या राज्य शासनाच्या निर्णयाचा लाभ मिळण्याची या विद्यार्थ्यांना अपेक्षा असून, आता विद्यापीठ आयोगाने अनुदान



(यूजीसी) टीकास्त्र सोडले आहे.



याबाबत मागणी करण्यास सुरुवात केली आहे. काँग्रेसचे नेते राहुल गांधी या परीक्षांबाबत विद्यापीठ अनुदान आयोगावर जुलैमध्ये होणार होत्या. कोरोना जास सहन करावा लागत आहे.

मंत्रालयाने विद्यापीठाच्या अंतिम संभ्रम निर्माण करीत आहे. वर्षाच्या परीक्षा सप्टेंबरच्या कोरोनाने अनेक लोकांचे नुकसान अखेरीस घेण्याची नुकतीच केले आहे. शाळा, महाविद्यालये, घोषणा केली आहे. या परीक्षा विद्यापीठांतील विद्यार्थ्यांना खुपच

Pune Main Page No. 7 Jul 11, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education

उच्च शिक्षणाची ओढ कायमच! सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठात सर्वाधिक अर्ज; आणखी १० दिवसांची मुदत

पुणे, ता. १० : 'कोरोना'मुळे पुण्यात शिक्षणासाठी येणाऱ्यांचे प्रमाण ३० टक्क्यांनी घटणार असल्याची चर्चा सुरू असताना, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठात प्रवेश घेण्यासाठी २१ हजार पेक्षा जास्त जणांनी अर्ज भरले आहेत. अर्ज भरण्यासाठी आणाखी १० दिवसांचा कालावधी शिल्लक आहे, अशा स्थितीत विद्यापीठात प्रत्येक जागेसाठी मोठी स्पर्धा होणार असल्याचे स्पष्ट झाले आहे. यामध्ये विज्ञान- तंत्रज्ञान व मानव्यविज्ञान शाखेसाठी अर्ज मोठ्या प्रमाणात आले आहेत.

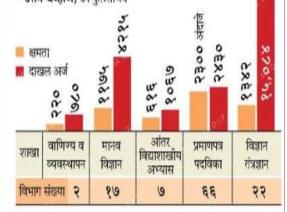
'कोरोना'मुळे अद्याप २०१९-२० च्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा देशभरात कुठेही झालेल्या नाहीत. आता सप्टेंबरमध्ये परीक्षा घेण्याचे आदेश केंद्र सरकारने दिले आहेत, पण राज्य सरकार व विद्यार्थ्यांचा यास विरोध असल्याने वाद पेटला आहे. यातूनच तोडगा काय निषेल अद्याप स्पष्ट न झाल्याने पुन्हा गोंधळाची स्थिती निर्माण झाली आहे.

दरम्यान, पुणे विद्यापीठाने २०२०-२१ या शैक्षणिक वर्षांसाठी १ जून पासून प्रवेश परीक्षेसाठी ऑनलाईन अर्ज भरून घेण्यासाठी सुरूवात केली आहे. त्याची मुदत ३० जून पर्यंत होती. मात्र, अंतिम वर्षांच्या परीक्षांचे निकाल अद्याप जाहीर झालेले नसल्याने आता पुन्हा २० जुलै पर्यंत अर्ज भरण्यासाठी मुदत देण्यात आली आहे.

देशभरातून येतात अर्ज

पुणे विद्यापीठात केवळ महाराष्ट्रातून नाही तर देशभरातून विद्यार्थी शिक्षणासाठी येतात. यंदा विद्यार्थी पुण्यात येण्यासाठी इच्छुक नसतील असा अंदाज व्यक्त केला जात होता. मात्र, देशाच्या विविध भागातून चौकशी करण्यासाठी विद्यार्थी ईमेल व फोन करत आहेत, असे उप कुलसचिव उत्तम चव्हाण यांनी सांगितले. प्रवेश परीक्षा अर्जासाठी लिंक : https:// campus.unipune. ac.in/ccep/login.aspx

पुणे विद्यापीटात वाणिज्य व व्यवस्थापन, मानव्य विज्ञान, आंतरविद्याशाखीय अभ्यास एगे विद्यापीठात ५२ विभागात ९६ पदवी व पदव्युत्तर पदवी अभ्यासक्रम चालवले जातात. त्यातील काही अभ्यासक्रम वगळता इतर सवाँच्या प्रवेश परीक्षा पुणे विद्यापीठाच्या स्तरावर होतात. यंदाही विद्यार्थ्यांचा चांगला प्रतिसाद आहे, २० जुलै पर्यंत मागच्या वर्षा एवढेच अर्ज दाखल होतील. - उत्तम चव्हाण, उप कुलसचिव



आणि विज्ञान-तंत्रज्ञान या चार विद्याशाखांमध्ये ८१ पदव्युत्तर पदवी, १५ पदवी आणि ६६ प्रमाणपत्र पदविका अभ्यासक्रम चालवले जात आहेत. यामध्ये सुमारे ५ हजार विद्यार्थी शिक्षण घेतात.

Sakal: 11.7.2020

Section: Education

करण्यास मुदतवाढ

शोधनिबंध सादर

एमफिल, पीएचडीच्या विद्यार्थ्यांना दिलासा

म. टा. प्रतिनिधी, पुणे

करोनामुळे निर्माण झालेल्या परिस्थितीमुळे सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाने एमफील, पीएचडी अभ्यासक्रमांचे शोधनिबंध सादर करण्याला सहा महिन्यांची मुदतवाढ आहे. या निर्णयाचा फायदा लॉकडाउनच्या काळात शोधनिबंध सादर करू न शकणाऱ्या विद्यार्थ्यांसोबतच शोधनिबंध सादर करण्याच्या प्रक्रियेत असणाऱ्या विद्यार्थ्यांना होणार आहे.

करोनामुळे राज्यात आणि देशात लॉकडाउनची परिस्थिती होती. या काळात एमफिल आणि पीएचडीच्या अभ्यासक्रमांच्या विद्यार्थ्यांना शोधनिबंध सादर करण्यात अनेक अडचणी आल्या. त्यामूळे अनेकांची दिलेली मुदत निघून गेली. काही विद्यार्थ्यांचा शोधनिबंध सादर करायचा राहून गेला. ही अडचण लक्षात घेऊन पुणे विद्यापीठाने विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या मार्गदर्शक तत्त्वानुसार शोधनिबंध सादर करण्याच्या अंतिम तारखेपासून सहा महिन्यांची मुदतवाढ दिली आहे.

हा निर्णय विद्यापीठाचे शैक्षणिक झालेल्या विभाग आणि संलग्न संशोधन केंद्राला लागू राहणार आहे, अशी माहिती विद्यापीठ प्रशासनाने दिली आहे. पीएचडी अभ्यासक्रम पूर्ण करण्यासाठी सहा महिन्यांची मुदतवाढ द्यावी, अशी मागणी प्रोग्रेसिव्ह एज्युकेशन सोसायटीचे कार्यवाह डॉ. शामाकांत देशमुख, सहकार्यवाह ज्योत्स्ना एकबोटे, उपकार्यवाह डॉ. निवेदिता एकबोटे. सिनेट सदस्य संतोष ढोरे. बागेश्री मंठाळकर. डॉ. संजय खरात. गिरीश भवाळकर, दादाभाऊ शिनलकर, डॉ. सुनीता आढाव, शशिकांत तिकोटे, डॉ, प्रवीण चौधरी आदींनी कुलगुरू डॉ. नितीन करमळकर यांच्याकडे केली होती. त्यानंतर विद्यापीठ प्रशासनाने हा निर्णय जाहीर केला.

परीक्षा प्रकरणात हस्तक्षेप करण्याबाबत कुलगुरूंचे कुलपती कोश्यारींना पत्र

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : कुलगुरूंच्या सल्ल्यानेच पदवी अभ्यासक्रमाच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा रद्द केल्याचा दावा दोन दिवसांपूर्वी उच्च व तंत्रशिक्षणमंत्री उदय सामंत यांनी केला असताना राज्यातील सर्व विद्यापीठांच्या कुलगुरूंनी 'विद्यापीठ अनुदान आयोगा'च्या (यूजीसी) भूमिकेचा हवाला देत परीक्षांबाबत मार्गदर्शन करण्याची विनंती विद्यापीठाचे कुलपती या नात्याने राज्यपाल भगतसिंग कोश्यारी यांच्याकडे केली आहे. लाखो विद्यार्थ्यांच्या भवितव्याचा विचार करून कुलपतींनी या प्रकरणात हस्तक्षेप करावा, अशी विनंती कुलगुरूंनी राज्यपालांना १० जुलैला लिहिलेल्या पत्रात केली आहे.

विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (यूर्जीसी) परीक्षा घेण्यास मान्यता दिली असतानाही उच्च व तंत्रशिक्षणमंत्र्यांनी परीक्षा घेणे शक्य नसल्याचे दोनच दिवसांपूर्वी स्पष्ट के ले आहे. वरून (पान ८ वर)

00)

परीक्षाप्रश्न नेमका काय आहे?

विद्यापीठ अनुदान आयोमाने सप्टेंबर, २०२० पर्यंत परीक्षा घेण्याची मुमा दिली असतानाही राज्य सरकारने पदवी परीक्षा ऐचिछक घेण्याचा निर्णय कायम ठेवला. तसेच करोना परिस्थितीत परीक्षा घेण्यास असमर्थ असल्याचेही 'यूजीसी'ला कळविले. दुसरीकडे विद्यापीठांचे कुलपती या नात्याने राज्यपाल कोश्यारी यांनी कायम पदवी परीक्षा घेण्याबाबत आग्राही भूमिका मांडली. तरीही उच्च व तंत्रशिक्षण मंत्री परीक्षा न घेण्याच्या भूमिकेवर ठाम राहिले. विद्यापीठाच्या कुलगुरूंच्या सल्ल्यानेच हा निर्णय घेतल्याचा दावाही त्यांनी केला.

Sun, 12 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/

Maharashtra Times: 12.7.2020

Section: Education

व्यवस्थापनशास्त्र संस्थांची शासनाकडे मदतीची मागणी

अध्यक्ष डॉ. एकनाथ खेडकर म्हणाले. की मागील शैक्षणिक वर्षांचे शुल्क विद्यार्थ्यांनी जमा केले नाही. पुढील शैक्षणिक वर्षातील शुल्काबाबत खात्री नाही. शुल्क जमा होत शिक्षक, नसल्याने शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांच्या वेतनाचा प्रश्न आहे.

(अम्मी) केली आहे.

करोना काळात विद्यार्थी शुल्क भरू न शकल्याने आणि त्यानंतर निर्माण झालेल्या आर्थिक अडचर्णीमुळे शुल्क सक्ती न करण्याची मागणी होत आर्थिक असल्याने संस्थांची एमबीए-एमएमएस इन्स्टिट्यूटने कुचंबणा झाली आहे. अम्मीचे

पुणे : करोनाच्या प्रादुर्भावामुळे राज्यातील सर्व व्यवस्थापनशास्त्र शिक्षण संस्था अडचणीत आहेत. त्यामुळे राज्य शासनाने या शिक्षण संस्थांना मदत करण्याची मागणी असोसिएशन ऑफ मॅनेजमेंट ऑफ

Sun, 12 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53404015

पीएच.डी., एम.फिल.साठी

विद्यापीठाकडून मुदतवाढ

करोनाकाळात संशोधन कार्य होत नसल्याने निर्णय

संपणार आहे. या पार्श्वभूमीवर एम.फिल., पीएच.डी. आणि अन्य संशोधन करणाऱ्या विद्यार्थ्यांन देण्याची मागणी मदतवाढ विद्यापीठाच्या अधिसभा सदस्य आणि संशोधक विद्यार्थ्यांकडून करण्यात आली होती. विद्यापीठाने घेतलेल्य निर्णयानुसार संशोधक विद्यार्थ्यांना सहा महिने वाढवून देण्यात आली आहे. त्या बाबतचे परिपत्रक विद्यापीठाकडून प्रसिद्ध करण्यात संशोधक विद्यार्थी आणि संशोधन वे ंद्रांनी कार्यवाही करण्याबाबत

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : करोना विषाणू संसर्गामुळे संशोधन कार्य होत नसल्याने एम.फिल. आणि पीएच.डी.च्या विद्यार्थ्यांना सहा महिने मुदतवाढ देण्याचा निर्णय सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाने घेतला आहे. त्यामुळे विद्यार्थ्यांना दिलासा मिळला आहे.

करोना संसर्गामुळे विद्यापीठ मार्चपासून विद्यार्थ्यांसाठी बंद असल्याने अनेक विद्यार्थ्यांचे आले आहे. नव्या निर्णयानुसार संशोधन रखडले आहे. तसेच काही विद्यार्थ्यांच्या संशोधन कालखंडाची मुदत संपली आहे किंवा लवकरच विद्यापीठाने सचित केले आहे.

Sun, 12 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/

00

Section: Education



प्रमाणात वाटून घेत होते. त्याला काढले. त्यामु 'सेंट्रल पूल' असे संबोधले जाते. मात्र, निधी वाटपाच २०१९ मध्ये 'सेंट्रल पूल' अंतर्गत नव्हता. वितरित केल्या जाणाऱ्या रकमेवर पुणे विद्यापीठ विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेने विभागाचे अधि

निर्बंध घातले होते. तसेच त्याबाबतचे

नव्हता. कुलगुरू विद्यापीठाचे चित्त व लेखा निदर्शना विभागाचे अधिकारी अतुल पाटणकर संबंधित यांनी आपल्या विभागातील कर्मचारी कानउघा

य जायकाऱ्याना राज्यस द्वर साख रुपयांचे वाटप करणे बेकायदेशीर ठरत असल्याचे सुमारे महिनाभरापूर्यी कुलगुरु डॉ. नितीन करमळकर यांच्या निदर्शनास आले होते. त्या वेळी त्यांनी संबंधित अधिकाऱ्यांना बोलून त्यांची कानउघाडणी केली होती. तसेच वितरीत केलेली खकम तत्काळ वसूल करण्याचे आदेश दिले होते. मात्र, महिना उलटून गेला तरी त्यावर कोणतीही कार्यवाही होत नसल्याने कुलगुरू कार्यालयातून याबाबत वित्त विभागाला लेखी आदेश देण्यात आले आहेत.

Pune Main Page No. 9 Jul 13, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education



Monday, July 13, 2020

5

Education experts want temporary autonomy for colleges to conduct tests for final-year students

Sukhada.Khandge @timesgroup.com

TWEETS @Sukhadak_Mirror

he topic of examination for final-year students is still stuckin adebate between the state government and the University Grants Commission (UGC). The state had written to the commission saying that it cannot conduct tests for 8 lakh eligible students. With the issue prolonging for now, few city-based educationists have steppedup with asolution — tell have steppedup with asolution — tell and the college-level by granting them

Gajanan Ekbote, chairman of Progressive Education Society, said, "It is necessary to reduce universities' burden at this point by allowing (accredited) colleges the power to assess its students."

Shamkant Deshmukh, senate member of Savitribal Phule Pune University (SPPU), also confirmed of such an advice being conveyed to the UGC. The letter adds: "For colleges that can not be granted autonomy can conduct exams under varsity. Students

The proposal seems workable. A decision will be taken next week —BhushanPatwardha

vicechair

(attending exams for all subjects) can appearfor tests from the nearest centre of their choice and convenience. For instance, if a student is a native of Nashik and he/she has studied in a Pune-based college, he/she can give the exam from Nashik." The suggestions also include

adopting of multiple choice questions MCQs) pattern to cut the duration of the exam. For those who can, the test can be done online.

Bhushan Patwardhan, vice chairman of UGC, said, "We have received a proposal from colleges on the final-year examination. It appears to be workable but needs to be discussed in detail. A decision will be taken in the coming week." Earlier, UGC wanted to conduct

exams in September to which the state government had replied saying, it was impossible given the increasing threat of the virus.



Pune Mirror: 13.7.2020

v	क्रेयेच्या वि हाविद्यालयांना स्वाय	त्तता देण्याचे 'यूजीर	
मुंबई परीक्षा घेण्यासाठी dhan, UGC विद्यापीठांवरील विद्यार्थ्यांचा भार विद्यापीठांवरील विद्यार्थ्यांचा भार कमी कावा यासाठी राष्ट्रीय श्रेयांक आणि मूल्यमापन प्रणालीकडून (नॅक) अश्रेणी मिळालेल्या शिक्षण हाण्य संस्थांना परीक्षा घेण्याची स्वायत्तता स्रितेव हाण्य वेण्याबाबत विद्यापीठ अनुदान आयेग (यूजीसी) चाचपणी करत आहे. etest hair- निर्णय आयेग निर्णय आयेग ने कायम ठेवला आहे.	'सबरिशतीत परीक्षा घेण्याची स्वायतता देण्याची मागणी कार्श शिक्षणसंस्थांनी केली आहे. त्याचा सकारात्मक विचार करण्यात रोत आहे. परीक्षा कञ्चा घ्याव्यात याबाबत आयोगावे लववीक धोरण आहे. महाराष्ट्रातील परिस्थितीची पूर्ण कल्पना आहे. त्यामुळे विज्ञेष	नव्या शिक्षण धोरणात मामणीनुसार परीक्षेवा पर्यायावा समावेश आहे. सबः रिथतीत हा पर्यावही उपलब्ध करून देण्याचे आयोगाच्या विचाराधीन आहे. विद्यार्थी त्यांच्या सोर्यानुसार परीक्षा देऊ राकतील. विद्यार्थी त्यांच्या परिसरातील परिस्थिती, मनः स्थिती, अडवणी यांचा विचार करून कधी परीक्षा वायची हे ठरवू शकतील. त्यानुसार विद्यापीठे त्यांची परीक्ष घेतील. य परीक्षेतील मूल्यमाप्तानुसार त्यांना पदवी देण्यात येईल. त्यावप्रमाणे पुस्तकाव्या साहाय्यने (ओपन बुक) परीक्षा देण्याचाईी पर्याय आयोगाने दिला आहे. मुंबईतील रस्ययत तंत्रज्ञान संस्थेते (आयसीटी) या पद्धतीने अतिम वर्षाच्या परीक्ष घेतल्या आहेत.	
chair- eived a al-year chable LA de- week." traduct estate chaves LA de- week." threat suft and al-year threat suft and al-year threat threat threat chable chable threat al-year traduct estate chable traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate chable traduct estate chable traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate threat al-year traduct estate traduct trad	पासाठा प्रयाणयता आह. -डॉ. भूषण पटवर्धन उपारवश, विद्यापीठ अनुदान अप्रोम प्रक्रियेचे विकेंद्रीकरण करता येईल का याचा विचार करण्यात येत आहे. सद्यर्रस्थतीत अनेक महाविद्यालयांचे	चांगली श्रेणी असूनही त्यांना स्वाक्तता मिळू शकलेले नाही. अश महाविद्यालयांना सद्यःस्थितीत परीक्षा घेण्याचे स्वातंत्र्य देण्याचा प्रस्ताव आयोगाच्या विचाराधीन आहे. होणार काय? नॅककडून 'अ' श्रेणी मिळालेल्या म्हणजेच ३.०१ पेक्षा अधिक श्रेयांक असलेल्या महाविद्यालयांना परीक्षा घेण्याचे आणि मूल्यमापनाचे स्वातंत्र्य	देण्यात येईल, महाविद्यालयातीत विद्यार्थी कुठे आहेत, परीक्षा कशा घेत येतील याची चाचपणी करू महाविद्यालयं त्यांच्या स्तरावर परीक्ष घेऊ शकतील, जेणेकरून य महाविद्यालयांतील विद्यार्थ्यांच विद्यापीठावरील भार कमी होत शकेल, पुणे आणि मुंबईतील काह शिक्षण संस्थांनी आयोगाकडे या बाब्स मागजी केली आहे.

Section: Education



परीक्षांबाबत मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाचे स्पष्टीकरण

पीटीआय, नवी दिल्ली

महाराष्ट्रासह सहा राज्यांनी विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्यास विरोध केला असला तरी विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या मार्गदर्शक सूचनांचे पालन करणे बंधनकारक असल्याचे मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाने स्पष्ट केले. गुणवत्ता आणि भविष्यातील संधीसाठी विद्यार्थ्यांचे शैक्षणिक मूल्यांकन महत्त्वाचे असल्याचेही मंत्रालयाने म्हटले आहे.

करोना विषाणू संकटामुळे विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्यास महाराष्ट्र, पंजाब, ओदिशा, तमिळनाडू, पश्चिम बंगाल आणि दिल्लीचा विरोध आहे.

विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (युजीसी) गेल्या आठवड्यात सुधारित मार्गदर्शक सुचना लागु



परीक्षा रद्द करणे अव्यवहार्य!

परीक्षा सप्टेंबरच्या सुरुवातीला सुरू कराव्यात वा महिना अखेरीस संपवाव्यात याबाबत 'यूजीसी'ने मार्गदर्शक सूचनांमध्ये स्पष्ट केले नसले तरी राज्ये आपल्या सोयीनुसर सप्टेंबरमध्ये परीक्षा घेऊ शकतात. परीक्षा ऑनलाईन, ऑफलाईन किंवा बेन्ही प्रकरे घेता येऊ शकतात. परंतु, त्या पूर्णपणे रद्द करणे अव्यवहार्य असल्याचे मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाने स्पष्ट केले. त्यावबरोबर 'यूजीसी'च्या मार्गदर्शक सूचना सर्व विद्यापीठांसाठी स्वामाविकपणे बंधनकारक आहेत, असे मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाच्या अधिकाऱ्यांनी स्पष्ट केले.

'कायद्याच्या कसोटीवर राज्याचा निर्णय कमकुवत'

मुंबई : विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा न घेण्याचा शासनाचा निर्णय कायदेशीर कसोटीवर कमकुवत असल्याचे मत विधिक्षांनी व्यक्त केले आहे . उच्चशिक्षणाची गुणवत्ता आणि दर्जा हा केंब्राच्या अधिकार कक्षेतील मुद्दा असून, केंद्रीय संस्थांनी गुणवत्ता राखण्यासाठी दिलेल्या सूचनांच्या अधीन राहूनच राज्यांनी निर्णय घेणे अपेक्षित आहे . त्यामुळे आयोगाने घेतलेला निर्णय राज्यांसाठी बंधनकारक ठरणार आहे. - सविस्तर/पान ४

करताना विद्यापीठांच्या परीक्षा जुलैऐवजी सप्टेंबरमध्ये घेतल्या जातील, असे स्पष्ट केले होते. 'यजीमी'च्या प्रपिलमधील सूचनेनुसार या परीक्षा जुलैमध्ये घेण्याचे जाहीर करण्यात आले होते. कोणत्याही शैक्षणिक व्यवस्थेत विद्यार्थ्यांचे शैक्षणिक मुल्यांकन

महत्त्वाचे आहे. परीक्षांमधील विद्यार्थ्यांची कामगिरी त्यांना आत्मविश्वास आणि समाधान देते. विद्यार्थ्यांच्या (**पान २ वर**)

 \odot

गेल्या आठवड्यात जातील, असे स्पष्ट केले होते. दिर्शक सूचना लागू 'यूजीसी'च्या एप्रिलमधील

रुटोव्ट्रिस्ता Mon, 13 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53426491

'यूजीसी'च्या सूचना बंधनकारक

(पान १ वरून) परीक्षेतील कामगिरीचे प्रतिबिंब त्यांची क्षमता, कामगिरी आणि विश्वासाईतेवर पडते. कारण या तीन गोष्टी त्यांच्या गुणवत्तेला जागतिक मान्यतेसाठी आवश्यक असतात, असेही मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाच्या अधिकाऱ्यांनी स्पष्ट केले.

जगातल्या सर्वोच्च श्रेणीप्राप्त विद्यापीठांनी अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्यासाठी दूरस्थ पद्धतीचा अवलंब केला आहे. प्रिन्स्टन, एमआयटी, केंब्रिज, इम्पिरियल कॉलेज ऑफ लंडन, टोरंटो, हॉगकॉॅंग आदी विद्यापीठांनी परीक्षांसाठी ऑनलाईन तंत्रज्ञान पद्धती विकसित केल्याचेही मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाने म्हटले आहे. दरम्यान, परीक्षा पेच सोडवण्याबाबत सर्व राज्यांमध्ये एकमत असावे, यासाठी मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाचे अधिकारी या आठवड्यात राज्यांच्या शिक्षण सचिवांची बैठक बोलावण्याची शक्यता आहे.

विश्वासार्हतेशी तडजोड नाही!

विद्यापीठ अनुदान आयोग कायद्यानुसार यूजीसीच्या मार्गदर्शक सूचना सर्व विद्यापीठांसाठी बंधनकारक आहेत. परीक्षांबाबत राज्यांपुढे काही अडचणी असल्यास त्यांच्याशी चर्चा करून व्यवहार्य तोडगा काढण्याची मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाची तयारी आहे. परंतु, शैक्षणिक विश्वासार्हतेशी तडतोड केली जाऊ शकत नाही, असेही स्पष्ट करण्यात आले आहे.

कोक्वरता Mon, 13 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/534

Section: Education

महाविद्यालयांना त्यांच्या स्तरावर परीक्षा घेण्याची परवानगी द्यावी

विद्यापीठ अनुदान आयोगाकडे मागणी

त्यामळे डॉ. एकबोटे यांनी यजीसीला प्रस्ताव दिला आहे.

नॅक किंवा एनबीएच्या मूल्यांकनात ३.१० पेक्षा अधिक सीजीपीए असणाऱ्या महाविद्यालयांना त्यांच्या स्तरावर परीक्षा घेण्याची परवानगी देण्यात यावी. त्यामळे परीक्षा घेण्यासाठीचा विद्यापीठांवरील ताण कमी होईल. अन्य महाविद्यालयांच्या

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पणे : अंतिम वर्षाच्या विद्यार्थ्यांचा विद्यापीयंवर ताण आहे. हा ताण कमी करण्यासाठी नॅक किंवा एनबीए मुल्यांकनात चांगली कामगिरी केलेल्या महाविद्यालयांना महाविद्यालय स्तरावर परीक्षा घेण्याची परवानगी देण्याची प्रोग्नेसिव्ह एज्यकेशन मागणी सोसायटीचे अध्यक्ष डॉ. गजानन एकबोटे यांनी पत्राद्वारे विद्यापीठ

Mon, 13 July 2020 र्रेटिस्टा https://epaper.loksatta.com/c/53426836

विद्यापीठ अनुदान आयोगाचा महत्त्वपूर्ण निर्णय

अनुदान आयोगाकडे केली आहे.

करोना संसर्गाच्या पार्श्वभूमीवर राज्य

सरकारने विद्यापीठांच्या अंतिम

वर्षाच्या परीक्षा न घेता ऐच्छिक केल्या

आहेत. तर युजीसीने विद्यापीठांना

परीक्षा घेण्याचे निर्देश देऊन

त्यासाठीची कार्यपद्धतीही जाहीर केली

आहे. त्यामुळे परीक्षांचे काय होणार या

बाबतचा संभ्रम निर्माण झाला आहे.

गुणवत्तेत सातत्य नसलेल्या अभिमत विद्यापीठांना मुदतवाढ नाही

अभिमत विद्यापीठांनी त्यांची शैक्षणिक कामगिरी दरवर्षी यूजीसीकडे पाठवाराची आहे. त्यात शिक्षक विद्यार्थी गुणोत्तर, किती विद्यार्थ्यांना रोजगार मिळाला, संशोधन आदी तपशील अहवालाद्धारे सादर करावा लागेल. यूजीसीकडून त्यासाठी समिती नियुक्त करण्यात आली आहे. ही समिती संबंधित विद्यापीठांच्या कामगिरीची तपासणी करून दर्जा कार्यम ठेवण्याबाबत निर्णय घेईल. पण यूजीसीचा हा नियम विद्यापीठांमध्ये भेदभावाची भावना निर्माण करणारा आहे असे वाटते. कारण राज्य विद्यापीठांना, राज्य खासगी विद्यापीठांना हा नियम लागू नाही. गुणवत्ता तपासण्यासाठी एनआरआरएफ, नॅक अशा स्वायत संस्था आहेत. गुणवता नसलेली विद्यापीठे आपोआपच बंद होतील. विद्यापीठांना जितकी जास्त स्वायतता दिली जाईल. तितक्या चांगल्या पद्धतीने विद्यापीठे काम करू शकतात.

> - डॉ. **माणिकराव साळुंखे**, कुलगुरू, भारती विद्यापीठ अभिमत विञ्चविद्यालय, अध्यक्ष अस्विल भारतीय विद्यापीठ महासंघ

दिल्याचेही दिसून आले आहे. देशात उंचावणे आवश्यक आहे, असे डॉ. विद्यापीठांची संख्या वाढत असताना पटवर्धन यांनी सांगितले. गुणवत्तेचा प्रश्न आहे. त्यामुळे आता अभिमत विद्यापीठांची गुणवत्ता

गुणवत्तेवर करडी नजर ठेवली जाणार आहे

विद्यापीठ अनुदान आयोगाचे उपाध्यक्ष डॉ. भूषण पटवर्धन यांनी या विषयी माहिती दिली. 'अभिमत विद्यापीठांनी गुणवत्ता उंचावण्यासाठी प्रयत्न करण्याची, त्यासाठी केलेल्या प्रयत्नांची नोंद ठेवली पाहिजे. संशोधन, नवसंकल्पना, नवनिर्मिती यावर विद्यापीठांनी भर देण्याची गरज आहे. मात्र, अभिमत विद्यापीठांना यूजीसीच्या समितीने भेटी दिल्यानंतर अपेक्षित गुणवत्ता राखली जात नसल्याचे आढळून आले आहे. त्यामुळे अशा अभिमत विद्यापीठांचा दर्जा कायम ठेवण्याची गरज नाही. तर काही विद्यापीठांनी अतिशय चांगली कामगिरी करून गुणवत्ता वाढीवर भर

पुणे : देशभरातील अभिमत विद्यापीठांनी गुणवत्तेमध्ये सातत्य न राखल्यास त्यांना अभिमत विद्यापीठ म्हणून मुदतवाढ दिली जाणार नाही. विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (यूजीसी) तयार केलेल्या अभिमत विद्यापीठ कायदा २०१९ मध्ये ही तरतूद असून, त्याच्या अंमलबजावणीची प्रक्रिया सुरू

करण्यात आली आहे.

लोकसत्ता प्रतिनिधी

देशभरात एकूण १२४ अभिमत विद्यापीठे आहेत. त्यातील काही अभिमत विद्यापीठे शासकीय आहेत. तर काही खासगी संस्थांची आहेत. या विद्यापीठांमध्ये पारंपरिक अभ्यासक्रमांसह व्यावसायिक, वैद्यकीय आदी विविध अभ्यासक्रम राबवले जातात. मात्र यूजीसीकडून के ल्या जाणाऱ्या अभिमत विद्यापीठांच्या मुल्यांकनामध्ये काही विद्यापीठांना अपेक्षित गुणवत्ता राखता आली नसल्याचे आढळून आले. त्यामुळे यूजीसीकडून अभिमत विद्यापीठांच्या

ठोटाया Mon, 13 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53426627



00

परीक्षांचे नियोजन विद्यापीठाने करावे, असे डॉ. एकबोटे यांनी सुचवले आहे.

ऑनलाइन किंवा ऑनलाइन पद्धतीने

परीक्षा घ्यावी, बहपर्यायी प्रश्न

(एमसीक्य) स्वरूपाची प्रश्नपत्रिका

असावी, विद्यार्थी त्यांच्या मुळगावी

असल्यास त्यांना त्यांच्या घराजवळील

कॉलेजमधील परीक्षा केंद्रावर परीक्षा

देण्याची संधी उपलब्ध करून देता

येईल, असेही डॉ. एकबोटे यांनी नमुद

 \odot

केले आहे.

Section: Education



Sakal: 13.7.2020

राज्य सरकारच्या दबावाला यूजीसीने बळी न पडण्याची केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्र्यांची

भूमिका

प्रभात वृत्तसेवा

पुणे, दि. १२ - विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या (यूजीसी) निर्णयानुसार विद्यार्थ्यांच्या अंतिम वर्षाची परीक्षा महत्त्वपूर्ण आहे. ती घेऊ नये म्हणून राज्य सरकार आणत असलेल्या दबावाला आयोगाने बळी पडू नये, अशी भूमिका केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्री रमेश पोखरियाल यांनी मांडली. त्यामुळे सध्या सुरू असणाऱ्या परीक्षा होणार की

'अंतिम वर्ष' निर्णयाचीच परीक्षा



नाही, या गोंधळात अधिकच भर पडली आहे.

दिछीचे उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया यांनी शनिवारी त्यांच्या क्षेत्रातील सर्व विद्यापीठाच्या परीक्षा रद्द करण्याची घोषणा केली. यापूर्वीच महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, ओरिसा, तामिळनाडू, पश्चिम बंगाल या राज्यांनी अंतिम वर्षाची परीक्षा रद्द केली. 'यूजीसी'ने परीक्षा

विद्यार्थ्यांमध्ये गोंधळ

करोना प्रादुर्भाव पाहता सप्टेंबरपर्यंत ही परीक्षा घ्यायला काहीच अडचण वाटत नाही. विद्यार्थ्यांना यूजीसीच्या निर्देशानुसार परीक्षा घेणे महत्त्वाचे असल्याचे रमेश पोखरियाल यांनी म्हटले आहे. याउलट महाराष्ट्रात विद्यार्थ्यांचे परीक्षा होणार नाहीत, असा निर्णय राज्य सरकारने घेतला आहे. अशा परिस्थितीत परीक्षेचा तिढा वाढत आहे. त्यामुळे विद्यार्थी गोंधळून गेल्याचे दिसून येत आहे.

घेण्याच्या निर्णयाचा पुनर्विचार करावा, असा दबाव वाढत आहे. त्या पार्श्वभूमीवर केंद्रीय मनुष्यबळ विकासमंत्री पोखरियाल यांनी केलेले वक्तव्य महत्त्वपूर्ण ठरत आहे.

'यूजीसी'ने सर्व विद्यापीठांना येत्या ३० सप्टेंबरपर्यंत अंतिम वर्षाची परीक्षा घेण्याचे निर्देश दिले आहेत. त्यानंतरही राज्याचे उच्च शिक्षणमंत्री उदय सामंत यांनी अंतिम वर्षाची परीक्षा रद्द करण्याच्या निर्णयावर ठाम आहेत. शिक्षणमंत्र्यांनी दोन दिवसांपूर्वी 'यूजीसी'ला महाराष्ट्रात करोनाचे संकट लक्षात घेऊन परीक्षा घेणे शक्य नसल्याचे पत्राद्वारे सांगितले आहे. या सर्व परिस्थितीत विद्यार्थ्यांचा आणखी संप्रम वाढला आहे.

Prabhat: 13.7.2020

Section: Education

PES offers fresh suggestion on conducting semester exams

SwatiShindeGole @timesgroup.com

Pune: The Progressive Education Society (PES) has suggested to the University Grants Commission to allow one year autonomy to NAAC accredited institutions with 3.10 and above CGPA to conduct semester exam of final year students on their own capacity to reduce the burden of the Savitribai Phule Pune University (SPPU).

Gajanan Ekbote, chairman of PES, said all other colleges with lesser CGPA could be considered by SPPU for exams.

Ekbote said, "In order to reduce the burden of conduct of the examinations of the parent universities, the colleges and institutes accredited by Natio-

ONE-YR AUTONOMY

nal Assessment and Accreditation Council (NAAC)or National Board of Accreditation with higher grades (CGPA 3.10 and above) should be granted autonomy temporarily for a period of one year, this year. These colleges may be permitted to

conduct final last year/semester examinations of the students of various courses. This will reduce the burden of the university from the conduct of examinations point of yiew."

In his letter to the UGC, he said all other colleges should be considered by the university for conduct of the examinations and the format may be descriptive theory or multiple choice question type.

Ekbote also suggested that the examinations may be conducted in an online or offline mode at the nearest centre.

कॉलेजस्तरावर परीक्षा हव्यात'

म. टा. प्रतिनिधी, पुणे

पदवीच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्याबाबत विद्यापीठांवरील ताण दूर करण्यासाठी विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (युजीसी) यंदा नॅक किंवा एनबीएमध्ये चांगले मूल्यांकन असणाऱ्या कॉलेजांना त्यांच्या स्तरावर परीक्षा घेण्याची संमती द्यावी, अशा मागणीचा प्रस्ताव प्रोग्नेसिव्ह एज्युकेशन सोसायटीचे कार्याध्यक्ष डॉ. गजानन एकबोटे यांनी यूजीसीला पाठवला आहे. शैक्षणिक संस्था त्यांच्याकडे उपलब्ध असणाऱ्या पायाभूत सुविधांचा वापर करुन युजीसीच्या मार्गदर्शक तत्वांच्या आधारे परीक्षा घेऊ शकतात, अशीही माहिती डॉ. एकबोटे यांनी दिली. राज्य सरकारने विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा रद्द करण्याचा निर्णय घेताना ऐच्छिक परीक्षा देण्याचा मार्ग मोकळा ठेवला आहे. त्यातच युजीसीने अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्याबाबतची कार्यपद्धती विद्यापीठांसाठी जाहीर केली आहे. त्यामुळे राज्यात विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षांबाबतचा संभ्रम वाढला असून, त्याचा फटका विद्यार्थी,

पालक, प्राध्यापक, कर्मचारी यांना बसला

'सोयीनुसार परीक्षा केंद्र द्यावे'

विद्यार्थी त्यांच्या मूळगावी असतील, तर त्यांना त्यांच्या घराजवळील कॉलेजमधील परीक्षा केंद्रावर परीक्षा देण्याची संधी उपलब्ध करून देता येईल. पुण्यात शिकणारा एखादा विद्यार्थी नाशिकला त्याच्या मूळ गायी असेल, तर त्याला त्याच्या सोयीप्रमाणे जवळील परीक्षा केंद्रावर परीक्षा देण्याबाबतची सुविधा उपलब्ध करून घ्यावी, अशी मागणीही प्रस्तावाहार डॉ. एकबोटे यांनी केली आहे.

उदय सामंत यांची टीका

विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षांच्या परीक्षेवरून राज्य सरकार आणि विद्यापीठ अनुदान आयोग यांच्यातील मतभेद पुन्हा एकदा समोर आले. यूजीसीच उपाघ्यक्ष डॉ. भूषण पटवर्धन यांनी परीक्षांबाबत यूजीसीच्या मार्गदर्शक सूचना विद्यापीठांना बंधनकारक असल्याचे सांगितले होते. त्यानंतर उच्च व तंत्रशिक्षण मंत्री उदय सामंत यांनी, 'परीक्षा घेणे म्हणजे विद्यार्थ्यांच्या जीवाशी खेळ आहे, आता तरी भूषण पटवर्धन महाराष्ट्राची बाजू मांडणार का,' अशा शब्दांत ट्विटद्वारे यूजीसी आणि डॉ. पटवर्धन यांच्यावर टीका केली आहे. त्याचप्रमाणे करोना आता राजभवनपर्यंत पोहोचल्याचेही त्यांनी म्हटले आहे.

आहे. ही गोष्ट लक्षात घेऊन, डॉ. एकबोटे यांनी यूजीसीचे अध्यक्ष डॉ. डी.पी. सिंह आणि उपाध्यक्ष डॉ. भूषण पटवर्धन यांना परीक्षा घेण्यावाबत पत्र लिहले आहे. या पत्रानुसार नॅक/एनबीएच्या मूल्यांकनात ३.१० पेक्षा अधिक सीजीपीए असणाऱ्या कॉलेजांना परीक्षा घेण्याची परवानगी देण्यात यावी. त्यामुळे परीक्षांचे आयोजन करण्याबाबत विद्यापीठांवरील ताण कमी होईल. इतर कॉलेजांच्या परीक्षांचे नियोजन विद्यापीठाने त्यांच्या स्तरावर करावे, अशी मागणी डॉ. एकबोटे यांनी केली आहे.

Maharashtra Times: 13.7.2020

Section: Education

शोधनिबंध सादर

एमफिल. पीएचडीच्या विद्यार्थ्यांना दिलासा

म. टा. प्रतिनिधी, पणे

करोनामळे निर्माण परिस्थितीमळे सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाने एमफील. पीएचडी अभ्यासक्रमाचे शोधनिबंध करण्याला सहा महिन्यांची मुदतवाढ महिन्यांची मुदतवाढ द्यावी, अशी मागणी आहे. या निर्णयाचा फायदा लॉकडाउनच्या प्रोग्नेसिव्ह एज्युकेशन सोसायटीचे कार्यवाह काळात शोधनिबंध सादर करू न डॉ. शामाकांत देशमुख, सहकार्यवाह शकणाऱ्या विद्यार्थ्यांसोबतच शोधनिबंध ज्योत्स्ना एकबोटे, उपकार्यवाह डॉ. सादर करण्याच्या प्रक्रियेत असणाऱ्या निवेदिता एकबोटे, सिनेट सदस्य संतोष विद्यार्थ्यांना होणार आहे.

लॉकडाउनची परिस्थिती होती. या काळात एमफिल आणि पीएचडीच्या डॉ. प्रवीण चौधरी आदींनी कुलगुरू डॉ. अभ्यासक्रमांच्या विद्यार्थ्यांना शोधनिबंध सादर करण्यात अनेक अडचणी आल्या. त्यामुळे अनेकांची दिलेली मुदत निघून

गेली, काही विद्यार्थ्यांचा शोधनिबंध सादर करायचा राहन गेला. ही अडचण लक्षात घेऊन पुणे विद्यापीठाने विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या मार्गदर्शक तत्त्वानुसार शोधनिबंध सादर करण्याच्या अंतिम तारखेपासून सहा महिन्यांची मुदतवाढ दिली आहे

हा निर्णय विद्यापीठाचे शैक्षणिक झालेल्या विभाग आणि संलग्न संशोधन केंदाला लागू राहणार आहे, अशी माहिती विद्यापीठ प्रशासनाने दिली आहे. पीएचडी सादर अभ्यासक्रम पूर्ण करण्यासाठी सहा होरे, बागेश्री मंठाळकर, डॉ. संजय खरात. करोनामुळे राज्यात आणि देशात गिरीश भवाळकर, दादाभाऊ शिनलकर, डॉ. सुनीता आढाव, शशिकांत तिकोटे, नितीन करमळकर यांच्याकडे केली होती त्यानंतर विद्यापीठ प्रशासनाने हा निर्णय जाहीर केला.

लोकमत

विद्यापीठाच्या परीक्षा घेण्यावर सरकार ठाम

विशेष प्रतिनिधी लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : विद्यापीठाच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घ्या, असे विद्यापीठ अनुदान आयोगाने म्हटले असले तरी सध्या महामारीच्या परिस्थितीत 'योग्य तो निर्णय' घेण्याचा अधिकार राज्य आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरणास आहे. असे ठणकावन सांगत या परीक्षा महाराष्ट्रात न घेण्याचा निर्णय उच्चपदस्थांच्या बैठकीत सोमवारी घेण्यात आला.

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आणि उपमुख्यमंत्री अजित पवार यांच्या उपस्थितीत झालेल्या राज्य आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरणाच्या या बैठकीनंतर उच्च व तंत्र शिक्षण मंत्री उदय सामंत यांनी राज्यातील कोरोनाच्या वाढता प्रादुर्भावामुळे रुग्णसंख्येत दररोज मोठ्या प्रमाणावर वाढ असल्यामळे अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेणे शक्य नसल्याचे स्पष्ट केले. यूजीसीचे उपाध्यक्ष भूषण पटवर्धन महाराष्ट्रीयन आहेत. त्यांनी परीक्षांचा आग्रह धरण्यापेक्षा यूजीसी, मनुष्यबळ मंत्रालयासमोर महाराष्ट्राची बाजू मांडावी, परीक्षा घेणे म्हणजे हजारो विद्यार्थ्यांना कोरोनाच्या तोंडी घालण्यासारखे आहे. त्याची जबाबदारी यूजीसी घेणार आहे काय, असा सवालही सावंत (पान ५ वर)



वाइन शॉपशी तुलना कशी?

वाइन शॉप सुरू होऊ शकतात तर परीक्षा का होऊ शकत नाहीत, अशी तुलना करणे अत्यंत चुकीचे आहे वाइन शॉपमध्ये जायचे की नाही हे पर्यायी आहे. पण एकदा परीक्षा घ्यायची म्हटल्यानंतर विद्यार्थ्यांना ती द्यावी लागेल.तेव्हा त्यांच्या जीवाची जबाबदारी कोण घेणार, अशी प्रतिक्रिया सामंत यांनी पटवर्धन यांच्या विधानासंदर्भात दिली.

महाराष्ट्रातील गंभीर स्थितीची 🕚 जाणीव मला आहे. या स्थितीत विद्यार्थ्यांची आरोग्य सुरक्षितता ही सगळ्यांचीच प्राथमिकता आहे. यात वाद नाही. मात्र शैक्षणिकदृष्ट्या परीक्षांशिवाय पदवी बहाल करणे योग्यच नाही. त्यामुळे महाराष्ट्रातील परिस्थिती विद्यापीठ अनुदान आयोगापुढे (यूजीसी) मांडून त्यावर मार्ग काढण्यासाठी प्रयत्न करत आहे.

> - भूषण पटवर्धन उपाध्यक्ष, विद्यापीठ अनुदान आयोग

आता राज्यपालांनीच करावे मार्गदर्शन/२

Pune Main Page No. 1 Jul 14, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education



अंतिम वर्षाची परीक्षा नाहीच

प्रभात वृत्तसेवा

पुणे, दि. १३ - 'राज्यातील सध्याच्या करोना परिस्थितीत विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या सुधारित मार्गदर्शक सूचनांनुसार अंतिम वर्षाच्या परीक्षा षेणे शक्य नाही,' असे उच्च शिक्षणमंत्री उदय सामंत यांनी सोमवारी सांगितले. त्यामुळे अंतिम वर्ष परीक्षेच्या निर्णयावर राज्य सरकार ठाम असल्याचे स्पष्ट होत आहे. तर, दुसऱ्या बाजूला विद्यापीठांनी नियमांचे पालन करणे बंधनकारक असल्याचे यूजीसी अर्थात विद्यापीठ अनुदान आयोगाने यापूर्वी म्हटले आहे. या सर्व संभ्रमामुळे विद्यार्थी मात्र बुचकळ्यात पडले आहेत.

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे यांच्या

अध्यक्षतेखाली सोमवारी झालेल्या राज्य आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरणाच्या बैठकीत राज्यातील करोनाचा प्रादुर्भाव आणि अंतिम वर्षाच्या परीक्षा संदर्भात आढावा घेऊन चर्चा करण्यात आली. त्यानंतर उदय सामंत यांनी अंतिम वर्षाची परीक्षा घेऊ नये, ही भूमिका कायम ठेवण्यात आल्याची माहिती पत्रकारांशी बोलताना दिली. परीक्षा घेऊच नये, ही शासनाची भूमिका नाही. मात्र, करोनाचा वाढता प्रादुर्भात पाहता अशा परिस्थितीत परीक्षा घेणे योग्य ठरणार नसल्याचे ते म्हणाले.

परीक्षा घ्यायच्या म्हटलं तर अनेक शाळा, महाविद्यालये, वसतिगृहे आज विलगीकरण केंद्रे म्हणून उपयोगात येत आहेत. गावी परत गेलेल्या विद्यार्थ्यांना परत वसतिगृहात परत येणे वाहतुकीच्या व्यवस्थेअभावी अवघड आहे. ज्या राज्यांनी परीक्षा रद्द केल्या आहेत, त्या राज्यांच्या मुख्यमंत्र्यांशी सुद्धा चर्चा करण्यात येणार असल्याचे सामंत यांनी सांगितले.

विद्यार्थ्यांचे वर्ष वाया जाऊ नये, म्हणून त्यांना योग्य ते सूत्र वापरून त्यांचा निकाल घोषित करावा आणि करोनाचा प्रादुर्भाव कमी झाल्यानंतर परिस्थिती सुधारल्यावर ज्या विद्यार्थ्यांना आपल्याला गुण कमी मिळाले आहेत असे वाटते त्यांना परीक्षेची संघी देण्यात येणार असल्याचे सामंत यांनी म्हटले आहे. त्यामुळे विद्यार्थ्यांचा गोंधळ उडत आहे.

आरोग्याची जबाबदारी 'यूजीसी' घेणार का ?

निर्णयावर राज्य सरकार ठाम

विद्यार्थी बुचकळ्यात

बंगळुरूमध्ये ५० विद्यार्थ्यांची परीक्षा घेण्यात आली. त्यातील निम्म्या विद्यार्थ्यांना करोनाची लागण झाली आणि त्यांना विलगीकरण करण्यात आले. त्यामुळे 'यूजीसी' विद्यार्थ्यांच्या आरोग्याची जबाबदारी घेणार का, असा सवालही सामंत यांनी यावेळी केला.

Prabhat: 14.7.2020

Page 57

Section: Education



करोना संसर्ग प्रतिबंधासाठी महत्त्वाच्या सूचना

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे: करोना संसर्गामुळे विद्यापीठाच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेणे शक्य नाही असे राज्य सरकार म्हणत असले, तरी सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाने परीक्षा घेण्यासाठीच्या नियोजनाचा आराखडा राज्य शासनासमोर मांडला होता. त्या आराखड्यात दक्षता घेऊन परीक्षा कशा घेता येतील हे स्पष्ट केलेले असूनही राज्य शासनाने हे नियोजन बाजूला ठेवून परीक्षा न घेण्याचीच भूमिका कायम ठेवली आहे.

करोना संसर्गाच्या पार्श्वभूमीवर अंतिम वर्षाच्या परीक्षा न घेता ऐच्छिक करण्याचा निर्णय राज्य शासनाने घेतला आहे. तर शैक्षणिकदृष्ट्या अंतिम वर्ष परीक्षा घेणे बंधनकारक असल्याचे स्पष्ट करत विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (यूजीसी) देशभरातील विद्यापीठांना परीक्षा घेण्याचे निर्देश दिले आहेत.

तसेच त्यासाठीची कार्यपद्धतीही जाहीर केली आहे. त्याशिवाय परीक्षा घेण्याबाबत उच्च न्यायालयात याचिकाही दाखल करण्यात आली आहे. त्यामुळे परीक्षा नकोच अशी

-

परीक्षांसाठी उपाययोजना

- परीक्षा केंद्रात येण्यापूर्वी प्रत्येक विद्यार्थ्याचे तापमान मोजावे.
- 💩 परीक्षा सुरू होण्यापूर्वी १५ मिनिटे आधी परीक्षा कक्षात प्रवेश द्यावा.
- विद्यार्थ्यांकडून तंदुरूस्तीबाबतचे हमीपत्र घ्यावे.
- 🛛 प्रत्येक विद्यार्थ्याने मुखपट्टीचा वापर करणे बंधनकारक करावे.
- मुखपट्टी नसलेल्या विद्यार्थ्याला प्रवेश देऊ नये.
- प्रत्येक वर्गात सॅनिटायझर ठेवावा.
- 🔵 प्रत्येक परीक्षा सत्रानंतर लगेचच वर्गाचे सॅनिटायझेशन करावे.

राज्य शासनाने भूमिका घेतलेली असताना सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाने परीक्षा घेण्याबाबत राज्य शासनाला सादर केलेल्या नियोजनाचा आराखडा 'लोकसत्ता'ने मिळवला आहे.

यूजीसीने दिलेले निर्देश विचारात घेऊन विद्यापीठाने के लेल्या आराखड्यानुसार परीक्षेसाठी प्रत्येक वर्गखोली सकाळी नऊ ते दुपारी बारा, दुपारी बारा ते तीन आणि तीन ते सायंकाळी सहा अशा तीन सत्रांत वापरली जाऊ शकते, दोन विद्यार्थ्यांमधील एक आसन रिकामे ठेवून परीक्षा कक्षात ५० टक्केच विद्यार्थी बसवावेत, ५० गुणांच्या प्रश्नपत्रिवे साठी दीड तास वेळ असेल, सर्व विषयांची स्वतंत्रपणे परीक्षा घेतली जावी, ५० गुणांच्या प्रश्नपत्रिकेत ५ गुणांच्या दहा प्रश्नातील कोणतेही सहा प्रश्न सोडवावेत; तसेच दोन गुणांचे दहा प्रश्न असतील, परीक्षेसाठी तीन ते पाच प्रश्नपत्रिकांचे संच तयार करावेत, सुरक्षिततेच्या दृष्टीने विद्यार्थिनींना पहिल्या दोन सत्रांत बोलवावे अशा तरतुदी या आराखड्यात करण्यात आल्या आहेत.

संसर्ग टाळण्यासाठीच्या अनेक उपायांचा विचार आराखड्यात करण्यात आला आहे.

लोकसत्ता	Tue, 14 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53448301	
	https://epaper.loksatta.com/c/53448301	



Section: Education

पदवी परीक्षा नाहीच! राज्य सरकारचा पुनरुच्चार; विद्यार्थ्यांचे भवितव्य टांगणीला लोकसत्ता विशेष प्रतिनिधी सरकारच्या विद्यापीठांना सूचना मुंबई : विद्यापीठ अनुदान 🔳 मामील सर्व सत्रांत उत्तीर्ण महिन्यात घेता येऊ शकतील, याचा आयोगाच्या (युजीसी) मार्गदर्शक झालेल्या ज्या अंतिम वर्षाच्या निर्णय विद्यापीठांनी घ्यावा. विद्यार्थ्यांना परीक्षा न देता पदवी सूचना 🗖 परीक्षांबाबतचा निर्णय स्थानिक बंधनकारक प्रमाणपत्र हवे असेल त्यांच्याकडून पातळीवरील करोना संसर्गाची असल्याच्या तसे लेखी घ्यावे आणि विद्यापीठांनी परिस्थिती विचारत घेऊन आणि केंद्रीय मनष्यबळ योग्य ते सूत्र वापरून त्यांचा निकाल रांबंधित जिल्हाधिकाऱ्यांशी विकास जाहीर करावा. विचारविनिमय करून घ्यावा. तसा मंत्रालयाच्या निर्णय घेतल्यानंतर परीक्षेचे 🔳 ज्या विद्यार्थ्यांना परीक्षा द्यायची निर्वाळ्यानंतरही, विद्यापीठाच्या वेळापत्रक जाहीर करावे, अशा इच्छा असेल त्यांच्याकडूनही तसे अंतिम वर्षाच्या परीक्षा तूर्तास न लिहन घेऊन त्यांना परीक्षा देण्याची सूचनाही विद्यापीठांना देण्यात आला घेण्याच्या निर्णयावर राज्य सरकार संधी ढेण्यात यावी. अशा आल्याचे उच्च व तंत्र शिक्षणमंत्री ठाम आहे. या संदर्भात उच्च विद्यार्थ्यांच्या परीक्षा कोणत्या उदय सामंत यांनी सांगितले. न्यायालयाच्या भमिकेकडेही सरकारचे लक्ष लागले आहे. सध्याच्या करोना परिस्थितीमुळे विद्यार्थ्यांच्या आरोग्याची जबाबदारी राज्यातील पारंपरिक पढील दोन महिने परीक्षा घेणे शक्य घेणार आहे का, असा प्रश्न उच्च व अभ्यासक्रमाच्या अंतिम वर्षाच्या नाही, त्यामुळे परीक्षेचा हट्ट धरणारा तंत्र शिक्षणमंत्री उदय सामंत यांनी परीक्षांवरून विद्यापीठ अनुदान सोमवारी उपस्थित केला. आयोग आणि राज्य (पान २ वर) विद्यापीठ आयोग अनुदान

Tue, 14 July 2020 < টেল্টেয়রো https://epaper.loksatta.com/c/53448076 पदवी परीक्षा नाहीच!

(पान १ वरून) सरकार यांच्यातील वादात विविध १३ विद्यापीठांतील सुमारे साडे आठ लाख विद्यार्थ्यांचा जीव टांगणीला लागला आहे. अंतिम वर्षाच्या परीक्षा न घेता विद्यार्थ्यांना मुल्यमापनानुसार पदवी देण्याच्या सरकारच्या निर्णयास विद्यापीठ अनुदान आयोगाने विरोध केला. परीक्षा घ्याव्याच लागतील असे स्पष्ट करत आदेश न पाळल्यास विद्यापीठांवर कारवाई करण्याचा इशाराही 'यूजीसी'ने दिला आहे.

केंद्र सरकारनेही या मुद्द्यावरून आयोगाच्या भमिकेचे समर्थन केल्याने राज्य सरकार एकाकी पडल्याचे चित्र दिसत आहे. या पार्श्वभूमीवर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे यांच्या अध्यक्षतेखाली झालेल्या राज्य आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरणाच्या बैठकीत परीक्षा नकोच या निर्णयाचा पुनरुच्चार करण्यात

करोना विषाणुचा वाढता प्रादर्भाव लक्षात घेता अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेणे शक्य नाही. त्यामुळे परीक्षा न घेताच विद्यार्थ्यांना त्यांच्या मूल्यांकनानुसार पदवी देण्याचा आणि ज्यांना परीक्षा देण्याची इच्छा आहे, त्यांच्यासाठी कालांतराने परीक्षा घेण्याचा यापूर्वीच्या बैठकीतील निर्णयच कायम ठेवण्यात आल्याचे सामंत यांनी सांगितले. परीक्षा घेण्याबाबत विद्यापीठ अनदान आयोग



आणि केंद्र सरकार धरीत असलेल्या आग्रहाच्या पार्श्वभूमीवर आपत्ती निवारण आणि साथरोग प्रतिबंध कायद्यानसार परीक्षा टाळता येतील का. याचा तज्ज्ञांकडून पुन्हा आढावा घेतला जाणार आहे.

परीक्षांबाबतची याचिका उच्च न्यायालयात दाखल झाली असून त्यावर न्यायालय काय भूमिका घेते, परीक्षेला विरोध करणाऱ्या अन्य राज्यांच्या प्रमखांनी काय भमिका घेतली आहे, कोणत्या नियमांचा आधार घेतला आहे, याचीही माहिती घेण्याच्या सूचना मुख्यमंत्र्यांनी दिल्या आहेत.

न्यायालयाच्या भूमिकेनंतरच पढील बैठकीत सरकार आपली भूमिका स्पष्ट करणार आहे. तुर्तास परीक्षा रद्द करण्याच्या निर्णयावरच ठाम राहण्याचा निर्णय बैठकीत घेण्यात आल्याचे सत्रांनी सांगितले.

00

कोक्युत्ता Tue, 14 July 2020
https://epaper.loksatta.com/c,

00

Section: Education



विद्यार्थ्यांपुढे अनिश्चितता कायम लोकमत न्यूज नेटवर्क

नवी दिल्ली : पदवी अभ्यासक्रमांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्यास देशातील २३४ विद्यापीठे तयार असून, १७७ विद्यापीठांनी मात्र परीक्षा कथी घ्यायच्या, हे अद्याप ठरविलेले नाही. परीक्षा न घेताच विद्यार्थ्यांना पदवी देणे योग्य होणार नाही अशी भूमिका घेऊन विद्यापीठांनी या परीक्षा घ्याव्यात, असा आग्रह विद्यापीठ अनुदान आयोगाने धरला आहे. त्यामुळे लाखो विद्यार्थ्यांच्या परीक्षेबाबत अनिश्चितता आहे

देशातील तब्बल १७७ विद्यापीठांनी या

महाराष्ट्रासह, दिल्ली, ओडिशा राज्यांचा ठाम नकार

महाराष्ट्र, दिल्ली, ओडिशा यासारख्या राज्यांनी परीक्षा घेण्यास ठाम नकार दिला आहे. तरीही अयोग मात्र परीक्षा घेण्याच्या अग्रहावर कायम आहे. कायद्यानुसार राज्य सरकारेही विद्यापीठांना परीक्षा न घेताच पदव्या देण्यास सांगू शकत नाहीत, असे आयोगाचे म्हणणे आहे.

परीक्षा घेणार का किंवा केव्हा घेणार, याविषयी अद्याप निर्णय घेतलेला नाही.

अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेतल्या जाव्यात, असे आयोगाने काही दिवसांपूर्वी राज्यांना कळविले होते. त्याआधी आयोगाने सर्व विद्यापीठांकडून त्यांच्या परीक्षांची

स्थिती काय आहे, याची माहिती मागविली होती.

एकुण ९९३ पैकी ६६० विद्यापीठांनी अशी माहिती कळविली आहे. त्यात १७७ विद्यापीठांनी अद्याप निर्णय झाला नसल्याचे कळविले आहे. यावरून असे दिसते की, ४५४ विद्यापीठांच्या परीक्षा मार्गी लागल्या आहेत वा होण्याच्या मार्गावर आहेत. १८२ विद्यापीठांनी ऑनलाइन वा ऑफलाइन पद्धतीने परीक्षा पूर्ण केल्या आहेत. आणखी २३४ विद्यापीठांनी ऑगस्ट व सप्टेंबरमध्ये परीक्षा घेण्याचा कार्यक्रम आखला आहे, तर ३८ विद्यापीठांनी संबंधित वैधानिक संस्थांच्या निदेर्शानुसार परीक्षा घेण्यात येतील, असे कळविले आहे. कोरोनाची साथ निवळली नसताना परीक्षा घेणे मुलांच्या पालकांनाही धोक्याचे वाटत आहे.

Pune Main Page No. 1 Jul 17, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education

नेट-सेट नसलेल्या प्राध्यापकांना दिलासा

मुंबई, ता. १६ : विद्यापीठ नेट-सेट आयोगाने अनदान अनिवार्य करण्यापर्वी राज्यात ज्या नियुक्ती करण्यात प्राध्यापकांची आली होती, त्यांना दिलासा देत त्यांची नियक्ती ग्राह्य धरण्याचे निर्देश उच्च व तंत्रशिक्षण मंत्री उदय सामंत यांनी दिले आहेत. तसेच, नियुक्तीच्या तारखेपासून त्यांना अनुषंगिक लाभ व निवृत्तिवेतन देण्याबाबत सर्वोच्च न्यायालय व मुंबई उच्च न्यायालयाच्या आदेशांचे पालन करावे. असे उदय सामंत यांनी अधिकाऱ्यांना सांगितले आहे.

प्राध्यापकांच्या मागण्यांसंदर्भात आमदार मनीषा कायंदे यांनी मंत्री सामंत तसेच अधिकाऱ्यांबरोबर ऑनलाइन बैठकीचे आयोजन केले होते.

Sakaal: 17.7.2020

शहरातील महाविद्यालयांनी राखली यशाची परंपरा

प्रभात वृत्तसेवा

पुणे, दि. १६ - बारावी निकालात शहरातील बहुतांश महाविद्यालयांचा निकाल ९५ टक्क्यांपेक्षा जास्त लागला आहे. यंदाही कनिष्ठ महाविद्यालयांनी निकालात यशाची परंपरा कायम ठेवली आहे.

सर परश्राम

महाविद्यालयाचा ९५.१० टक्के लागला. विज्ञान शाखेचा ९४.८८ टक्के, कला- ९३.३६ टक्के, वाणिज्य-९६.३३ टक्के लागला. विज्ञान शाखेतून देवेंद्र नाटेकर, वाणिज्य शाखेतून अनया पाटणकर, कला शाखेतून रूतुजा वैद्य आणि व्होकेशनल अभ्यासक्रमात निनाद भावे प्रथम क्रमांक मिळविला. दिव्यांग विद्यार्थ्यांनी नेत्रदीपक यश मिळविले आहे, अशी माहिती प्राचार्य डॉ. दिलीप सेठ यांनी दिली.

फर्गसन महाविद्यालय

महाविद्यालयाचा निकाल ९८.०९ टक्के लागला. विज्ञान शाखेतून सेरा गांधी, सोहमिका वाधवा यांनी ९४.७६ टक्के मिळविले. तर कला शाखेतून अमेव बलसरा याने ९५.६९ टक्के, ऐश्वर्या गाडगीळ हिने ९५.३८ टक्के गुण मिळविले.

मॉडर्न कॉलेज

शिवाजीनगर येथील मॉर्डर्न कॉलेजचा विज्ञान शाखेचा निकाल ८७.४४ टक्के, वाणिज्य शाखेचा ९४.९४ टक्के, कला शाखेचा ७७.१६ टक्के निकाल लागला. एच.व्ही. देसाई महाविद्यालय

महाविद्यालयाचा ९८.४४ टक्के निकाल लागला. यामध्ये विज्ञान शाखेचा ९८.८६ टक्के, वाणिज्य-९८.२९ टक्केलागला.

अबेदा इनामदार ज्युनिअर कॉलेज

महाविद्यालयाचा ९६.२५ टक्के निकाल लागला. यामध्ये विज्ञान शाखेचा ९७.५४ टक्के, कला-८९.३३ टक्के, वाणिज्य-९६.१५ टक्के, एमसीव्हीसी-९२.५३ टक्के लागला.

अँग्लो ऊर्दू बॉइज हायस्कूल, ज्युनिअर कॉलेज

महाविद्यालयाचा ८८.४७ टक्के निकाल लागला असून विज्ञान शाखेचा ९४.४७ टक्के, कला- ४८ टक्के, वाणिज्य- ९०.६१ टक्के निकाल लागला.

मराठवाडा मित्रमंडळ कॉलेज ऑफ कॉमर्स

महाविद्यालयाचा विज्ञान शाखेचा ९२.१० टक्के, वाणिज्य- ९६.२२ टक्के, एमसीव्हीसी- ९२.०३ टक्के निकाल लागला.

डॉ. कलमाडी शाममराव ज्युनिअर महाविद्यालय

महाविद्यालयाचा ९६.०१ टक्के निकाल लागला असून विज्ञान शाखेचा ९७.६० टक्के, वाणिज्य शाखेचा ९२.३० टक्के निकाल लागला. विज्ञान शाखेत ओम गोडबोले याने ९४.१५ टक्के मिळविले. रोहन दोषी याने ९३.५५ टक्के प्राप्त केले.

Prabhat: 17.7.2020

Section: Education

पदवी परीक्षा हवीच! देशातील ७० टक्के विद्यापीठे अनुकूल; अनेकांची प्रक्रियाही पूर्ण

रसिका मुळ्ये, लोकसत्ता

मुंबई: विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या (यूजीसी) सूचनेनंतरही अंतिम वर्षाच्या परीक्षा रद करण्याची भूमिका राज्य सरकारने कायम ठेवली असताना देशभगरतील जवळपास ७० टक्के विद्यापीठे परीक्षांबाबल सकारात्मक असल्याचे स्पष्ट झाले आहे. काही विद्यापीठांनी परीक्षा घेतल्या असून, अनेक विद्यापीठे 'यूजीसी'च्या सूचनांनंतर परीक्षेचे नियोजन करत आहेत.

अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्यात्वावत 'यूजीसी'ने ६ जुलै रोजी विद्यापीठांना सुधारित सूचना केल्या होत्या. त्यानंतरही राज्य सरकारने परीक्षा न घेताच पदवी देण्याची भूमिका कायम ठेवली. मात्र, देशभरातील शेकडो तिद्यापीठांची परीक्षा घेण्याची तयारी असल्याचे स्पष्ट झाले आहे.



'यूजीसी'ने मार्गदर्शक सूचनांवर विद्यापीठांचे मत मागवले होते. त्यास देशातील अभिमत, खासगी, केंद्रीय आणि राज्य विद्यापीठे अशा ६५८ विद्यापीठांनी प्रतिसाद दिला. त्यातील ४५४ विद्यापीठे परीक्षांबाबत सकारात्मक आहेत. यातील अनेक विद्यापीठांच्या परीक्षा घेऊनही झाल्या आहेत, तर काही विद्यापीठे ऑगस्ट आणि सप्टेंबरमध्ये परीक्षा घेण्याची तयारी करत आहेत. विद्यापीठ अनुदान आयोगाने परीक्षा घेण्यासाठी अनेक पर्याय विद्यापीठांना दिले होते. त्यानुसार किंवा प्रसंगी नवे पर्याय शोधून विद्यापीठांनी परीक्षांचे कामकाज पुढे नेले आहे.

विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा हा गेल्या काही दिवसांपासून रौक्षणिक विषयापेक्षा राजकीव विषय झाला. राजकीय पक्ष, संघटनांकडून परीक्षांबाबत वेगवेगळ्या भूमिका घेतल्या गेल्या. दिल्ली येथील परीक्षा घेतलेली विद्यापीठे - १८२
ऑनलाइन, ऑफलाइन किंवा मिश्र पद्धतीने परीक्षा घेण्याचे नियोजन करत असलेली विद्यापीठे - २३४

 परीक्षा घेण्यास संमती आहे; मात्र त्या कशा घ्याव्यात याबाबत शिखर संस्थांच्या सूचनांची प्रतीक्षा करणारी विद्यापीठे - ३८

केजरीवाल सरकारनेही परीक्षा रद

करण्याचा निर्णय जाहीर करून या

वादात उडी घेतली. महाराष्ट्रातील

परीक्षा रद्द करण्याच्या निर्णयाचे

समर्थन करण्यासाठीही दिल्लीचे

उदाहरण दिले गेले. मात्र, दिल्लीतील

दोन विद्यापीठांच्या परीक्षांबाबत

अद्याप संभ्रम आहे. पाच विद्यापीठांनी

यापूर्वीच परीक्षा घेतल्या आहेत, तर

एका विद्यापीठाने ऑनलाइन परीक्षा

घेण्याचे नियोजन केले आहे.

 अद्याप परीक्षांबाबत संग्रम असलेली विद्यापीठे - १७७०

 नवी असल्यामुळे अद्याप अंतिम वर्षाचे विद्यार्थी नसलेली खासगी विद्यापीठे - २७

राज्यातीलही अभिमत विद्यापीठे, खासगी विद्यापीठांनी परीक्षा घेतल्या आहेत. वैद्यकीथ विद्यापीठही परीक्षा घेणार आहे. शासकीय विद्यापीठांने विभाग. संलग्न महाविद्यालये येथे बहुतेक अभ्यासक्रमांच्या पदव्युत्तर पदवीच्या ॲतिम सन्नासाठी किंवा वर्षांसाठी अस्तलेले शोधनिबंध, प्रबंध विद्यार्थ्यांनी आधीच जमा केले आहेत, अशी माहिती एका कुलसचिबांनी दिली.

00

लोकसत्ता Fri, 17 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53533573

लोकमत परीक्षा घेणे बंधनकारक नाही; राज्य सरकारने केला दावा

प्रतिज्ञापत्र सादर; अंतिम सुनावणी ३१ जुलैला ^{लोकमत न्यूज नेटवर्क}

मुंबई : कोरोना महामारीच्या आपत्कालीन स्थितीत विद्यापीठ परीक्षा घेणे बंधनकारक नाही. त्या घेण्यासंदर्भात विद्यापीठ अनुदान आयोगाने जारी केलेल्या मार्गदर्शक सूचना गैरलागू आहेत, अशी भूमिका राज्य सरकारने घेतली असून तसे प्रतिज्ञापत्र उच्च न्यायालयात सादर केले आहे.

कोरोनाचा वाढता प्रादुर्भाव लक्षात घेत विद्यापीठांच्या अंतिम वर्षाच्या अंतिम सत्राच्या परीक्षा रद्द करण्याचा निर्णय सरकारने घेतला. तशी अधिसूचना उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाने १९ जूनला काढली. तर परीक्षा घेण्यासंदर्भात यूजीसीने मार्गदर्शक सूचना जारी केल्या आहेत.

सरकारच्या अधिसूचनेला निवृत्त प्राध्यापक धनंजय कुलकर्णी यांनी ॲंड. उदय वारुंजीकर यांच्यामार्फत हायकोर्टात आव्हान दिले. त्याबर उत्तर देताना सरकारने परीक्षांबाबत यूजीसीच्या मार्गदर्शक सूचना मुळातच अनावश्यक असून सरकार व

प्रतिज्ञापत्रात काय?

कोरोनाच्या महामारीत राज्य आपत्ती व्यवस्थापन कायदा व महामारी साथीचा कायदा हा विद्यापीठ कायदा व यूजीसी कायद्याला अधिक्रमित करतो. त्यामुळे आपत्कालीन व्यवस्थापन कायद्यांतर्गत अंतिम परीक्षा न घेण्याचा राज्य सरकारचा निर्णय महत्त्वाचा आणि योग्य आहे, असे राज्य सरकारने न्यायालयात सादर केलेल्या प्रतिजापत्रात म्हटले आहे.

विद्यापीठांसाठी बंधनकारक नाहीत, अशी भूमिका घेतली. तसे प्रतिज्ञापत्र मुख्य न्या. दीपांकर दत्ता व न्या. अनुजा प्रभुदेसाई यांच्या खंडपीठापुढे दाखल केले. कोटनि अशीच मागणी करणाऱ्या दोन याचिका दाखल करून घेत त्यात केंद्रासह राज्य आपती व्यवस्थापन प्राधिकरणाला प्रतिवादी करण्याचे निर्देश दिले. त्यांना उत्तर देण्याचे निर्देश देत ३१ जुलैला अंतिम सुनावणी ठेवली.

Pune Main Page No. 1 Jul 18, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education

लोकमत



लोकमत न्यूज नेटवर्क

पुणे : कोरोनाच्या पार्श्वभूमीवर विविध अभ्यासक्रमांच्या प्रवेशासाठी आवश्यक असणारे दाखले विद्यार्थ्यांना सहज मिळावेत, या उद्देशाने पुणे शहर तहसील कार्यालयाने ऑनलाइन दाखले देण्याची सु<mark>विधा उपल</mark>ब्ध करून दिली विद्यार्थ्यांना आहे. तहसील कार्यालयातील प्रतिबंधक क्षेत्र वगळता उर्वरित भागातील महा-ई-सेवा केंद्र व सेतू केंद्रातून दाखले देण्याची व्यवस्था करण्यात आली आहे.

बारावीचा निकाल जाहीर झाला असून दहावीचा निकाल जुलैअखेरीस लागण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे विद्यार्थ्यांना पुढील अभ्यासक्रमाच्या महाविद्यालयात प्रवेशासाठी विविध दाखले सादर करावे लागतात. कोरोनामुळे प्रत्यक्ष महा-ई-सेवा केंद्र व सेतू केंद्रात जाऊन दाखले



आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटक

प्रमाणपत्रासाठी आवश्यक कागदपत्रे १) स्वघोषणापत्र, २) फोटो, ३) उत्पन्नाचे स्वघोषणापत्र, ४) उत्पन्नाचे प्रमाणपत्र, ५) १९६७ पासून महाराष्ट्रातील वास्तव्याचे पुरावे, ६) लाभार्थी आणि वडील यांचा शाळा सोडल्याचा दाखला, ७) रेशनकार्ड /आधारकार्ड/ चालू वीजबिल /चालू करपावती

काढणे शक्य नाही. त्यामुळे तहसील कार्यालयातर्फे ऑनलाइन पद्धतीने भागातील विद्यार्थ्यांनी http:// दाखले दिले जाणार आहेत.

पुणे शहर, पर्वती, एरंडवणा, शिवाजीनगर, औंध, बोपोडी, येरवडा, मुंढवा, घोरपडी, वानवडी व शहरातील सर्व पेठा हा भाग पुणे शहर तहसील

> Pune Main Page No. 2 Jul 18, 2020 Powered by: erelego.com

उत्पन्नाच्या दाखल्यासाठी आवश्यक कागदपत्रे

१) स्वघोषणापत्र, २) फोटो, ३) चाल् वीजबिल/चालू करपावती, ४) रेशन कार्ड, ५) आर्थिक वर्ष २०१९-२० चे आयटीआर/फॉर्म १६/तलाठी यांचा चौकशी अहवाल

वय, राष्ट्रीयत्व व अधिवास दाखल्यासाठी कागदपत्रे

१) स्वघोषणापत्र, २) फोटो, ३) १० वर्षांचे रहिवासी पुरावे, ४) लाभार्थ्यांचा शाळा सोडल्याचा दाखला आणि वडिलांचा शाळा सोडल्याचा दाखला/ जन्मदाखला, ५) रेशनकार्ड /आधारकार्ड

नॉन क्रिमीलेअर प्रमाणपत्रासाठी सादर करावयाची कागदपत्रे

१) स्वघोषणापत्र, २) फोटो, ३) लाभार्थ्याचे जात प्रमाणपत्र, ४) लाभार्थी आणि वडिलांचा शाळा सोडल्याचा दाखला, ५) तीन वर्षांचे उत्पन्नाचे दाखले, ६) रेशनकार्ड /आधार कार्ड/ चालू वीजबिल

कार्यालय अंतर्गत येतो. त्यामुळे या aaplesarkar.mahaonline.g ov.in या संकेतस्थळावर अर्ज करावे. तसेच अर्ज करताना संकेतस्थळाला काही किंवा अडचण असल्यास विद्यार्थ्यांनी नागरी सुविधा केंद्राच्या gil7022248 @gmail.com या ई-मेलवर कागदपत्रे पाठवावीत. तसेच अधिक माहितीसाठी 9657759988 किंवा 7218851578 या क्रमांकावर संपर्क साधावा, असे आवाहन तहसील कार्यालयातर्फे करण्यात आले आहे.

महाविद्यालयांतील प्रवेश यंदा ऑनलाइन पद्धतीनेच

करोनाच्या पार्श्वभूमीवर गर्दी टाळण्यासाठी निर्णय

लोकसत्ता प्रतिनिधी

करोना संसर्गामुळे यंदा महाविद्यालयांतील प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन पद्धतीनेच राबवली जाणार आहे. त्यासाठी महाविद्यालयांनी यंत्रणा विकसित के ली असुन, ऑनलाइन प्रवेशांमुळे महाविद्यालयांत गर्दी होणार नाही.

दरवर्षी बारावीचा आणि दहावीचा निकाल जाहीर ज्ञाल्यानंतर महाविद्यालयांमध्ये प्रवेशांसाठी गर्दी होते. दहावीची प्रवेश प्रक्रिया केंद्रीय पद्धतीने होत असली, तरी प्रथम वर्ष प्रवेशासाठी प्रवेश अर्ज ऑनलाइन भरल्यानंतर प्रत्येक टप्प्यावर महाविद्यालयात जावे लागते. यंदा करोना संसर्गामुळे महाविद्यालयात गदीं होऊ न देणे गरजेचे आहे. या पार्श्वभुमीवर शिक्षण संस्था, यंदा गुणवत्ता अर्ज भरण्यापासून ते ओळखपत्र मिळण्यापर्यंतची सर्व प्रक्रिया ऑनलाइन प्रद्रतीने केली जाणार आहे. आतापर्यंत घटक भरषे, अर्ज पडताळणी अशा कामांसाठी विद्यार्थ्यांना गराविद्यालचात यावे लागत होते. आता ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चा पुढील काळातही कायम ठेवण्याचा प्रयत्न केला जाईल. कारण ऑनलाइन प्रवेशांची पद्धत प्रशासन आणि विद्यार्थी-पालकांसाठीही सोर्यांची ठरेल.

- डॉ. दिलीप भेठ पाचार्य स प. महाविद्यालय

महाराष्ट्र एज्युकेशन सोसायटीच्या नियामक मंडळाचे अध्यक्ष राजीव सहस्रबुद्धे म्हणाले, की यंदा संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन पद्धतीनेच होतील, अर्ज भरण्यासह विद्यार्थ्यांची कागदपत्र पडताळणी, शुल्क भरणाही ऑनलाइन पद्धतीनेच होईल.

त्यासाठीची यंत्रणा विकसित करण्यात आली आहे. ऑनलाइन पद्धतीमुळे प्रवेश प्रक्रिया सोपी होईल. तसेच विद्यार्थ्यांची महाविद्यालयांत होणारी गर्दी टाळली जाईल.

'विद्यापीठ अनुदान आयोगाकडून ऑनलाइन पद्धतीने प्रवेश प्रक्रिया राबवण्यास गेल्या काही वर्षांपासन सांगण्यात येत होते. त्यामुळे गेल्या तीन वर्षांत प्रवेश प्रक्रिया टप्प्याटप्प्याने ऑनलाइन करण्यात आली आहे. तर यंदाची प्रवेश प्रक्रिया पर्णपणे ऑनलाइन पद्धतीने होईल. ऑनलाइन पद्धतीने प्रवेश राजवल्यावर महाविद्यालयात रांगा लागणार नाहीत. अधिक नियोजन के ल्यास महाविद्यालय प्रशासनावर येणारा अनावश्यक ताणही कमी होईऌ,' असे मॉडर्न महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. राजेंद्र झुंजारराव यांनी सांगितले.



महाविद्यालयांनी ऑनलाइन पद्धतीने उपलब्ध करून दिले जातील. प्रवेश प्रक्रिया राबवण्यासाठीची तयारी केली आहे. बारावीचा निकाल जाहीर झाल्यानंतर काही महाविद्यालयांकडून प्रवेशांसाठीची प्रक्रिया सुरू करण्यात आली आहे, तर अन्य महाविद्यालयांकडून पुढील दोन-तीन दिवसांत प्रवेश अर्ज संकेतस्थळावर

Section: Education



लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : करोनाचा धोका लक्षात घेता व्यावसायिक आणि अव्यावसायिक अभ्यासक्रमांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा न घेण्याच्या भूमिकेवर ठाम असल्याचे राज्य सरकारने शुक्रवारी पुन्हा एकदा न्यायालयात स्पष्ट केले.

त्याचप्रमाणे विद्यापीठातर्फे देण्यात येणारे अंतिम वर्षाचे निकाल ग्राह्य धरून विद्यार्थ्यांना पुढील अभ्यासक्रमासाठी प्रवेश द्यावा, असे व्यावसायिक आवाहन अभ्यासक्रमांच्या शिखर संस्थांना करण्यात आल्याचेही महाधिवक्ता आशतोष कुंभकोणी यांनी न्यायालयाला सांगितले.

राज्य सरकारच्या १९ जूनच्या पुणेस्थित धनंजय निर्णयाला कुलकर्णी या निवृत्त शिक्षकाने ॲड. उँदय वारुंजीकर यांच्यामार्फत आव्हान दिले आहे. अधिकार नसतानाही सरकारने निर्णय घेतल्याचा आरोप त्यांनी याचिकेत केला आहे.

वैद्यकीय पदव्युत्तरच्या परीक्षा २५ ऑगस्टपासुन



सपरस्पेशालिटी अभ्यासत्रमांसाठी वैद्यवर्त्रय पद्व्यूत्तरच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा बंधनकरक आहेत. त्यातूनच या विद्यार्थ्यांचे कौशल्य स्पष्ट होते. त्यामुळेच या परीक्षा घेण्याचा निर्णय घेण्यात आला असून त्या २५

ऑगस्टपासून सुरू होतील. पदवीच्या अंतिम परीक्षांबाबतचा निर्णय मात्र अद्याप घेण्यात आलेला नाही, अशी माहिती 'महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठा'तर्फे ॲड. राजशेखर गोविलवकर यांनी न्यायालयाला दिली.

मुख्य न्यायमूर्ती दीपांकर दत्ता आणि न्यायमूर्ती अनुजा प्रभुदेसाई यांच्या खंडपीठासमोर शुक्रवारी झालेल्या सुनावणीच्या वेळी राज्य सरकारच्या महाधिवक्ता आशुतोष वतीने कुंभकोणी यांनी सरकार आपल्या भूमिकेवर ठाम असल्याचे सांगत उपरोक्त माहितीही न्यायालयाला दिली. करोनाच्या वादत्या प्रादुर्भावामुळे 'राज्य आपत्कालीन व्यवस्थापन प्राधिकरणा'ने व्यावसायिक आणि अव्यावसायिक अभ्यासकमांच्या अंतिम वर्षाच्या

परीक्षा न घेण्याचा निर्णय घेतला. त्याआधारे त्याबाबतचा शासननिर्णय काढण्यात आल्याचे सरकारने आपल्या प्रतिज्ञापत्रात म्हटले आहे. तर परीक्षा घेण्याचे आदेश विद्यापीठांना देणाऱ्या विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या (युजीसी) निर्णयाला केंद्रीय गृह मंत्रालयाने मंजुरी दिली आहे. त्यामुळे या दोन्हींना प्रतिवादी करण्याची मागणी याचिकाकत्यांनी केली

दरम्यान, परीक्षा घेण्याचे आदेश देणाऱ्या यूजीसीला प्रतिवादी करण्याचे आदेश मागील न्यायालयाने सुनावणीच्या वेळी दिले होते. शुक्रवारच्या सुनावणीत यूजीसीने भूमिका स्पष्ट करण्यासाठी वेळ देण्याची विनंती न्यायालयाकडे केली. न्यायालयानेही ती मान्य केली.

दंत वैद्यकीयच्या विद्यार्थ्यांना दिलासा देण्यास नकार

दंत वैद्यकीयच्या परीक्षा ३ ऑगस्टपासून सुरू होणार असून विद्यार्थ्यांना परीक्षास्थळी पोहोचण्यासाठी विविध सूचना करण्यात आल्या आहेत. मात्र सध्याच्या स्थितीत विद्यार्थी परीक्षा देण्याच्या मनःस्थितीत नाहीत. त्यामुळे या परीक्षा रद्द करण्याची मागणी विद्यार्थ्यांच्या वतीने करण्यात आली. या परीक्षांचे वेळापत्रक अद्याप निश्चित केलेले नाही आणि या परीक्षा ३ सप्टेंबरपूर्वी घेणे शक्य नाही, असे आरोग्य विज्ञान विद्यापीठातर्फे सांगण्यात आले. त्यानंतर न्यायालयाने या प्रकरणी दिलासा देण्यास नकार दिला.



शुल्कासाठी विद्यार्थ्यांकडे तगादा नको

पुणे, ता. १७ : सावित्रीवाई पुरहे पुणे विद्यापीठाशी संरत्म महाविद्यालयांमध्ये विद्यार्थांनी एक रकमी जुलक भरण्यासाठी तगादा स्प्रवृ नये. दोन ते तीन हप्त्याह शुल्क भरण्यासाठी मध्य हावी असे आदेश विधापीताने संलग्न महाविधालयांना दिले आहेत

महाविद्यालयांनी विद्यार्थ्यांन ऑनलाईन क्लास लावण्यापवीं संपूर्ण शुलक जमा करा, जन्यथा प्रवेश मिळणार नाही असे आदेश दिले होते. 'सफाळ'ने याबाबत वत प्रकाशित करून यास वाचा फोढली तरोच विद्यामी उसत उच्च व रांत्र शिक्षण

मंत्री उदय सामंत यांच्याकडे वाची तकार करत अधिलन करण्याचा इशारा शिवसेनेचे किरण उपप्रमुख प्राहर साळी यांनी दिला होता. या वत्ताचो दखल घेऊन पणे विद्यापीठाने कार्यक्षेत्रातील सर्व महाविद्यालये आणि शैक्षणिक संस्थांना विद्यार्थ्यांकडून

महाविद्यालयांना आदेश : 'सकाळ'ने मांडली कैफियत शैक्षणिक एकरकमी घेऊ नये, शुल्ब भएण्यासाटी विद्यार्थ्यांना विविध पर्याय वपलब्ध करन हावेत. असे आदेश दिले

आहेत. कोरोना लॉकडाउनमुळे पालक विद्यार्थ्यांची आधिक स्थिती वाईट आहे. विद्यार्थ्यांना शल्क भरण्याबावरा वियिध पर्याय उपलब्ध करन द्यावेत, असेही परिपत्रकात नमुद केले आहे.

अभ्यासकम या चारही शाखांमध्ये वाह झाली आहे. राज्य मंडळावरोवरच आणि आयसीएसई सीबोएसई वारावीच्या निकालात चांगल्या गुणांनी

गेल्यावर्षीचे काही महाविद्यालयातील 'कट ऑफ'

🙍 स.प. महाविद्यालय : वाणिञ्य -८९ टक्के, करत- ९० टक्के, सायन्स -८२ टक्के. बी.एस्सी - ७६ टक्के. बोबोए -७५ टक्के

अभ्यासकमासाठी वाणिज्य शाखेतीख प्रथम वर्षासाठी प्रवेश घेतात. विज्ञान

হাজিলে বাটাত্ব হান্দ্রিকট বরুলে

- बीएमसीसी : वाणिञ्च-९०टक्के
- मॉर्डन महाविद्यालय (शिवाजीनगर) : बीए (इंग्लिश मिडियम) • ७५ टक्के. बी. कॉम • ६५टक्के. बी.एस्सी •६० टक्के. बी.एस्सी (कॉम्प्युटर सायन्स, अनिमेञन)- ६५ टक्के, बी.एस्सी (बापोटेक्नोलॉजी, मायक्रोबायोलॉजी)- ६०टक्के

Section: Education

प्रथम वर्ष प्रवेश प्रक्रियेत पात्रता गुण वाढण्याची शक्यता

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : यंदा पदवी अभ्यासक्रमाच्या प्रथम वर्ष प्रवेशाचे पात्रता गुण (कट ऑफ) वाढण्याची शक्यता आहे. गेल्या वर्षीच्या तुलनेत यंदा नामांकित महाविद्यालयातील किमान पात्रता गुणांमध्ये एक ते दोन टक्के वाढ होऊन प्रवेशासाठी चुरस होऊ शकेल.

आयसीएसई, सीबीएसई आणि राज्य मंडळाच्या बारावीचा निकाल यंदा उंचावला आहे. त्याचा परिणाम पदवी अभ्यासक्रमाच्या प्रथम वर्ष प्रवेश प्रक्रियेवर होणार असल्याचे चित्र आहे. गेल्या वर्षी नामांकित महाविद्यालयात पहिल्या तीन गुणवत्ता याद्यांमध्ये विज्ञान शाखेतील प्रवेशासाठी ६० ते ८५ टक्के, वाणिज्य प्रवेशासाठी ६० ते ९० टके, वाणिज्य प्रवेशासाठी ६० ते ९० टके, कला शाखेच्या प्रवेशासाठी ६५ ते ९० टके या दरम्यान किमान पात्रता गुण होते. यंदा यता एक ते दोन टक्के वाढ होण्याचा अंदाज आहे.

सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाचे प्र कुलगुरू डॉ. एन. एस. उमराणी म्हणाले, की विद्यापीठाच्या अभियांत्रिकी, औषधालमांण, वास्तुकला, वैद्यकीय अभ्यासक्रमाच्या प्रवेशांसाठी आवश्यक असलेली जेईई, नीट, एमएव-सीईटी या प्रवेश परीक्षा अद्याप झालेल्या नाहीत तसेव विधी पदवी अभ्यासक्रमावीही प्रवेश परीक्षा झालेली नाही. त्यामुळे या अभ्यासक्रमांवे प्रवेश लांबणीवर पडणार हे स्पष्ट आहे. तर कला, वाणिज्य आणि विज्ञान, विज्ञान शाखेतील बायोटेक्नॉलजीत्यारख्या पदवी अभ्यासक्रमांवे प्रवेश लगेव सुरू छोऊ शकतील. मात्र, बर्स्वर्धीच्या तुलनेत यंबा तात्पुरता प्रवेश घेण्याचे प्रमाण वाढण्याचा प्रावार्थीता अंबाज आहे. अभियांत्रिकी, वास्तुकला, औषधाविर्माण, वेद्यकीय अशा अभ्यासक्रमांना जाऊ इच्छिणारे विद्यार्थी पदवी अभ्यासक्रमास्वारी तात्पुरता प्रवेश घेऊन ठेवतील. करोनाव्या परिस्थितीत सुधारणा झाल्यावर, प्रवेश परीक्षा झाल्यावर तात्पुरता प्रवेश रद्द करून त्यांच्या अभ्यासक्रमाकडे वळतील, असे प्रावार्थानी सांमितले.

तात्पुरत्या प्रवेशाचा कल वाढणार...

कार्यक्षेत्रातील पुणे, नगर आणि नाशिक या तीनही जिल्ह्यांतील महाविद्यालयांमध्ये प्रवेशांसाठी मुबलक जागा उपलब्ध आहेत. त्यामुळे प्रवेशांचा प्रश्न निर्माण होणार नाही. मात्र विद्यार्थ्यांचा कल ठरावीक महाविद्यालयांकडे असल्याने त्या महाविद्याल्यांतील पात्रता गुणांत वाढ होईल.

'पात्रता गुण दरवर्षीच कमी-जास्त होत असतात. यंदा सर्वच मंडळांचे बारावीचे निकाल चांगले लागल्याने प्रथम वर्ष प्रवेशांतील पहिल्या गुणवत्ता यादीचे किमान पात्रता गुण गेल्या वर्षीच्या तुलनेत सुमारे एक ते दोन टक्के जास्त असू शकतील, असे फर्ग्युसन महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. रवींद्रसिंह परदेशी यांनी सांगितले. तर मॉर्डर्न गणेशखिंड महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. संजय खरात यांनीही पात्रता गुणांमध्ये एक ते दोन टक्के वाढ होईल असे नमुद केले.

00

परीक्षेचा वाद सर्वोच्च न्यायालयात



मुंबई : पदवीच्या अंतिम वर्षाची परीक्षा सक्तीची करण्याच्या विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या (यूजीसी) निर्णयाविरोधात पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे यांच्या नेतृत्वाखालील युवासेनेने सर्वोच्च न्यायालयात याचिका सादर केली. राज्यात करोना परिस्थिती गंभीर असताना

विद्यार्थ्यांना सप्टेंबरमध्ये सक्तीने परीक्षा देणे योग्य नाही. त्यामुळे पदवी परीक्षा रद्द करून सरासरीच्या आधारे गुणांकन करण्याच्या भूमिकेवर राज्य सरकार ठाम असून आता युवा सेनेने सर्वोच्च न्यायालयात धाव घेतली आहे. आयोगाच्या सूचनेनुसार सप्टेंबरमध्ये परीक्षा घेतल्यास अनेक अडचणी येऊ शकतात, असे याचिकेत मांडण्यात आले आहे.

र्हेक्ट्रिया Sun, 19 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/5

Section: Education



Section: Education



महाविद्यालये ऑगस्टमध्ये सुरू होणार सहसंचालकांनी बैठकीत घेतला तयारीचा आढावा

मुंबई : पुढारी वृत्तपसेवा

राज्यातील सर्व महाविद्यालयांचे वर्ग ऑगस्टमध्ये नियमित सुरु होण्याची शक्यता आहे. याबाबत महाविद्यालये कितपत तयारीत आहे याचा आढावा घेण्यासाठी सोमवारी मुंबई विभागीय सहसंचालकांनी बैठक घेतल्याचे समजते.

विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या २९ एप्रिलच्या सुचनेनुसार १ ऑगस्टपासून द्वितीय वर्ष आणि तृतीय वर्षाचे महाविद्यालय सुरू करावे असे स्पष्ट करण्यात आले होते. ६ जुलै रोजी आयोगाने दिलेल्या सुधारीत सुचनांनुसार आयोग लवकरच सुधारीत शैक्षणिक वेळापत्रक देणार आहे. ऑगस्टमध्ये वर्ग भरवण्याची

पुढील आठवड्यात वेळापत्रकाची अपेक्षा

विद्यापीठ अनुदान आयोगाने सुधारीत निकष जाहीर केल्यावर येत्या विद्वत परिषदेच्या बैठकीत मुंबई विद्यापीठाचे शैक्षणिक वेळापत्रक तयार होऊन त्याला मान्यता मिळण्याची शक्यता आहे. यामुळे पुढील आठवडचात मुंबई विद्यापीठाचे शैक्षणिक वेळापत्रक जाहीर होण्याची शक्यता वर्तविण्यात येत आहे.

तयारी सुरू केली आहे. तर काहींनी प्रायोगिक तत्त्वावर ऑनलाइन

Pune Edition 21 July, 2020 Page No. 2 Powered by : erelego.com वर्गही सुरू केले आहेत. याला विद्यार्थ्यांकडून सकारात्मक प्रतिसाद मिळत असून शिक्षकही ऑनलाइन शिक्षण देण्यासाठी प्रशिक्षित झाले आहेत. ऑनलाइन शिक्षणासाठी महाविद्यालय किती समर्थ आहेत याचा आढावा घेण्यासाठी सोमवारी सह संचालकांनी प्राचार्यांच्या एका बैठकीचे आयोजन केले होते. यात सर्व प्राचार्यांकडून ऑनलाइल शिक्षणाच्या तयारीचा आढावा घेण्यात आला. यावेळी सर्व प्राचार्य ऑनलाइन शिक्षणासाठी तयारीत असल्याचे सांगण्यात आले. यात काही प्रचार्यांनी इंटरनेट जोडणीबाबत समस्या मांडली मात्र त्यावरही तोडगा काढण्यात येणार असल्याचे सत्रांकडन समजते.



Section: Education



पुणे, दि. २० - पुणे व पिंपरी-चिंचवड महापालिका हद्दीतील कनिष्ठ महाविद्यालये, मार्गदर्शन केंद्र, माध्यमिक शाळा यांना यंदा इयत्ता अकरावी ऑनलाइन प्रवेशाची माहिती देण्यासाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण देण्यात येणार आहे. यासाठी २१ ते २४ जुलै असा कालावधी निश्चित केला आहे.

दरवर्षी ऑफलाइन प्रशिक्षण घेण्यात येते. यासाठी जय्यत तयारीही करावी लागायची. अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी या सर्वांचीच धांदल उडायची. यंदा करोनामुळे ऑनलाइन प्रशिक्षणाचेच तंत्र अवलंबण्याचे निश्चित झाले आहे. प्रशिक्षणाबाबतचे वेळापत्रकही इयत्ता अकरावी केंद्रीय प्रवेश नियंत्रण समिती सचिव मीना शेंडकर यांनी जाहीर केले. मार्गदर्शन केंद्रांसाठी २१ जलै देण्यात येणार आहे. प्रवेश देणाऱ्या कनिष्ठ महाविद्यालयांसाठी झोन १ ते ५ साठी २१ जुलै रोजी सकाळी ११.४५ वा. तर झोन ६ ते ९ साठी २२ जुलै रोजी सकाळी ११.४५ वा. प्रशिक्षण देण्याचे नियोजन आहे. माध्यमिक शाळांसाठी झोन १ ते ४ साठी २२ जुलै रोजी २.४५ वा., झोन ७ व ८ साठी २३ जुलै रोजी ११.४५ वा., झोन २ व ५ साठी २३ जुलै रोजी दुपारी २.४५ वा., झोन ३ व ६ साठी २४ जुलै रोजी सकाळी ११.४५ वा., झोन ९ साठी २४ जुलै रोजी दुपारी २.४५ वा. प्रशिक्षण देण्यात येणार आहे.

पर्यवेक्षिय अधिकारी, झोन निहाय संपर्क प्रमुख, तंत्रसहायक, मुख्याध्यापक या सवाँनी प्रशिक्षणात सहभागी होणे आवश्यक आहे, असे शेंडकर यांनी स्पष्ट केले.

Prabhat: 21.7.2020



पुणे, ता. २० : 'कोरोना'मुळे विद्येचे माहेरघर असलेल्या पुण्यात बाहेरचे विद्यार्थी प्रवेश घेतील का? अशी शंका उपस्थित केली जात होती. मात्र, गेल्या चार पाच दिवसातील चित्र आशादायक असून, मोठ्या प्रमाणावर विद्यार्थ्यांनी ऑनलाईन अर्ज केले आहेत. आणखी १० दिवस या लिंक ओपन असणार आहेत.

बारावीचा निकाल लागल्यानंतर पदवी प्रवेशासाठी महाविद्यालयांनी तयारी केली आहे. जवळपास सर्वच महाविद्यालयांनी अर्ज भरण्यासाठी गर्दी नको म्हणून ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया सुरू केली आहे. पहिल्या दिवसापासूनच

गरवारे महाविद्यालयाचे प्रवेश २४ जुलैपासून

बारावीचा निकाल लागल्यानंतर गरवारे महाविद्यालयाने बीएससी, बीएचे सध्या इनहाऊस प्रवेश निश्चित करण्याचे काम सुरू केले आहे. २४ जुलै पासून बाहेरील विद्यार्थ्यांसाठी प्रवेश प्रक्रिया राबविण्यात येणार आहे, असे प्राचार्य पी. बी. बुचडे, तर, बी.कॉम.साठीची प्रक्रिया लवकरच सुरू होत आहे, असे गरवारे कॉमर्स महाविद्यालयाच्या प्राचार्या गीता आचार्य यांनी सांगितले.

मोठ्या प्रमाणात अर्ज येत आहेत. यात कोकण, मराठवाडा, सातारा, नगरचा समावेश आहे. त्यापैकी आता कितीजण प्रवेश घेतील, याकडे लक्ष लागले आहे. मॉडर्न महाविद्यालयाचे प्राचार्थ डॉ. राजेंद्र झंजारराव म्हणाले. ''विद्यार्थी आशावादी आहेत. पुण्याबाहेरील विद्यार्थी अर्ज करत आहेत. यामध्ये कोकण, लातूर व मराठवाड्याच्या इतर भागातील विद्यार्थी जास्त आहेत. आतापर्यंत दोन हजार ऑनलाईन अर्ज आले आहेत.'' रास्तापेठ येथील फोरसाईट कॉलेज ऑफ कॉमर्सचे प्राचार्य एम. डी. लॉरेन्स म्हणाले, ''आमच्याकडे बोबीए (आयबी), बोबोए (कॉम्युटर अप्लिकेशन), बीकॉम यासाठी विद्यार्थी अर्ज करत आहेत. विद्यार्थ्यांसाठी शिष्यवृत्तीचीही योजना आहे. पुण्यातील कोंढवा, हडपसर यासह बारामती फलटण, सातारा येथून विद्यार्थी अर्ज करत आहेत.''

''आत्तापर्यंत दीड हजार अर्ज आलेले आहेत, आणखी काही दिवस मुदत असल्याने विद्यार्थी अर्ज करतील,'' असे स. प. महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. दिलीप सेठ यांनी सांगितले.

Sakaal: 21.7.2020

Section: Education

अंतिम वर्षाच्या परीक्षेबाबत विद्यार्थ्यांना विश्वासात घ्या

शिक्षणमंत्री उदय सामंत यांचा केंद्राला चिमटा

yणे, ता. २१ : कोरोनामुळे शाळा सुरू करायच्या की नाही?, याबाबत केंद्र सरकारने पालकांकडून सूचना मागविल्या आहेत. हाच धागा पकडून राज्याचे उच्च व तंत्र शिक्षण मंत्री उदय सामंत यांनी केंद्र सरकारला अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेताना विद्यार्थी, पालकांसह प्राध्यापकांना विश्वासात ध्या, तसे केल्यास केंद्र सरकारला विद्यापीठ अनुदान आयोगाचा (यूजीसी) निर्णय बदलावा लगेल, असा चिमटा काढला आहे.

मे महिन्यापासून पदवी व पदव्युत्तर पदवीच्या अंतिम सत्र/ वर्षाच्या परीक्षेवरून वाद सुरू आहे. 'यूजीसी'ने ६ जुलै रोजी नवे आदेश काढत सप्टेंबरमध्ये परीक्षा ध्या, असा आदेश विद्यापीठांना दिला आहे. देशातील ५६० विद्यापीठांनी परीक्षा घेण्याची तयारी दर्शविल्याचे 'यूजीसी'ने स्पष्ट केले आहे. देशातील १५ राज्यांनी शाळा सुरू करण्याबाबत कोणताही निर्णय घेतला नाही.

उदय सामंत यांनी ट्विट करून केंद्र सरकारच्या या निर्णयावरून भाजप व 'यूजीसी'ला कोंडीत पकडण्याचा प्रयत्न केला आहे. 'केंद्र सरकार पालकांना विचारून शाळा सुरू करणार. तसेच देशातील विद्यार्थ्यांच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेताना विद्यार्थ्यांना आणि त्यांच्या पालकांना तसेच प्राध्यापक व शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांना विश्वासात घ्यावे. असे झाल्यास केंद्र सरकारला 'यूजीसी'चा निर्णय बदलावा लागेल.' असे त्यांनी ट्विटमध्ये नमुद केले आहे. विद्यार्थ्यांच्या मानसिक आरोग्यासाठी **'मनोदर्पण' उपक्रम सूरू**

नवी दिल्ली, दि. २१ - विद्यार्थ्यांना त्यांच्या मानसिक आरोग्यासाठी आणि मानसिक-सामाजिक आधार देण्याच्या उद्देशाने मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाच्या मनोदर्पण उपक्रमाचा प्रारंभ आज करण्यात आला. केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्री, रमेश पोखरियाल 'निशंक' यांनी आज नवी दिल्लीत या उपक्रमाला सुरुवात केली.

कोविड-१९ हा काळ जगभरातील प्रत्येकासाठी एक आव्हानात्मक काळ आहे. विशेषतः मुले आणि पौगंडावस्थेतील मुलांच्या बाबतीत अनेकदा मानसिक आरोग्याबद्दल समस्या उदभवतात.

विकास मंत्रालयाच्या मनुष्यबळ 'मनोदर्पण' उपक्रमामध्ये कोविड प्रादर्भावाच्या काळात विद्यार्थ्यांना त्यांच्या मानसिक आरोग्य आणि कल्याणसाठी मानसिक-सामाजिक विविध परवण्यासाठी मदत प्रकारच्या उपक्रमांचा समावेश आहे. विद्यार्थ्यांना भेडसावणाऱ्या चिंतांवर लक्ष ठेवण्यासाठी आणि प्रोत्साहन देण्यासाठी तसेच मानसिक आरोग्य आणि मानसिक-सामाजिक पैलुबाबत सम्पदेशन सेवा, ऑनलाईन संसाधने आणि हेल्पलाइनच्या माध्यमातून मदत पुरवण्यासाठी शैक्षणिक, मानसिक आरोग्य आणि मानसिक -सामाजिक विषयांमधील तज्ज्ञांचा

एक कृतिगट स्थापन करण्यात आला आहे अशी माहिती पोखरीयाल यांनी दिली.

मनुष्यबळ विकास मंत्रालयाच्या संकेतस्थळावर 'मनोदर्पण' या वेबपेजमध्ये मानसिक-सामाजिक मदतीसाठी सूचना, व्यावहारिक सल्ला, पोस्टर्स, पॉडकास्ट्स, व्हिडिओ, वारंवार विचारले जाणारे प्रश्न आणि ऑनलाइन शंका प्रणाली यांचा समावेश आहे. राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाईनच्या माध्यमातून विद्यार्थ्यांना त्यांचे मानसिक आरोग्य आणि मानसिक-सामाजिक समस्यांबाबत टेली-कौन्सिलिंग प्रवले जाणार आहे.

बारावीच्या अभ्यासाबाबत संभ्रम

पुणे, ता. २१ : कनिष्ठ महाविद्यालयांतील बारावीचे ऑनलाइन वर्ग सुरू झाले. पण अभ्यासक्रम कोणता कमी केला याबद्दल निर्णय झाला नसल्याने अध्यापन कसे करायचे, अशी चिंता महाविद्यालयांना आहे. दरम्यान, पहिली ते बारावीचा २५ टक्के अभ्यासक्रम कमी होणार असून, त्यावर दोन दिवसांत निर्णय होईल, असे विद्या परिषदेकडून सांगण्यात आले.

कोरोनामुळे राज्यातील शाळा बंद आहेत. त्यात यावर्षी बारावीचा अभ्यासक्रम बदलला आहे. या विद्यार्थ्यांचे ऑनलाइन वर्ग सुरू झाले आहेत. पण शालेय शिक्षण विभागाने अभ्यासक्रमात कपात करण्याचा निर्णय घेतला आहे. पण पुस्तकातील नक्की कोणते घडे किंवा घटक वगळला जाईल हे सूचित केलेले नाही. त्यामुळे विद्यार्थी आणि शिक्षकांमध्ये संभ्रमावस्था आहे.

अभ्यासक्रमातून कोणते भाग वगळले जाणार आहेत, हे सूचित करावे, त्यांची पुस्तके पीडीएफढारे उपलब्ध करून द्यावीत. ज्यायोगे शिक्षक प्रात्यक्षिकांचे सादरीकरण दाखवू शकतील, असे सिटी प्राईड कनिष्ठ महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. दीपाली सवाई यांनी सांगितले. अभ्यासक्रम कमी करण्यासंबंधी येत्या दोन-तीन दिवसांमध्ये निर्णय होईल. सुमारे २५ टक्क्यांपर्यंत अभ्यासक्रम वगळला जाईल. त्याचे काम अंतिम टप्प्यात आहे. ते झाल्यावर हा प्रस्ताव मान्यतेसाठी शालेय शिक्षण विभागाकडे जाईल. त्यास मंजुरी मिळाल्यानंतर त्याची घोषणा केली जाईल. - दिनकर पाटील, संचालक, विद्या परिषद

Sakaal: 22.7.2020

Section: Education

उच्च शिक्षणमंत्री सामंत : सर्वांना विश्वासात घेण्याचा सल्ला

...तर केंद्राला 'यूजीसी'चा

निर्णय बदलावा लागेल

प्रभात वृत्तसेवा

पुणे, दि. २१ - करोनामुळे शाळा कधी सुरू करायच्या, याबाबत केंद्र सरकारने पालकांकडून सूचना मागवल्या आहेत. त्याच धर्तीवर 'विद्यापीठाच्या अंतिम वर्ष परीक्षांबाबत विद्यार्थी, पालक, प्राध्यापकांना विश्वासात घेतल्यास केंद्र सरकारला 'यूजीसी'चा निर्णय बदलावा लागेल,' असा सल्ला उच्च शिक्षणमंत्री उदय सामंत यांनी लगावला आहे.

विद्यापीठाच्या अंतिम वर्ष परीक्षा घेण्यावरून अजूनही एकमत नाही. राज्य सरकारने अंतिम वर्षाची परीक्षा रद्द करण्याचा निर्णय घेतला आहे. याउलट विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (यूजीसी) परीक्षा घेण्याचे विद्यापीठांना सूचित केले आहे. तर, 'यूजीसीने निर्णय मागे घ्यावा,' अशी मागणी राज्य सरकारने परीक्षासंदर्भात केली आहे. मात्र, परीक्षा घेण्यावर 'यूजीसी' ठाम आहे. त्यामुळे विद्यार्थ्यांत गोंधळ वाढत आहे.

या वादात तंत्रशिक्षणाची शिखर संस्था अखिल भारतीय तंत्रशिक्षण परिषदेनेही (एआयसीटीई) 'यूजीसी'च्या भूमिकेचे समर्थन केले आहे. त्यामुळे आता 'एआयसीटीई' अंतर्गत येणाऱ्या अभ्यासक्रमांनाही परीक्षा घेणे आवश्यक झाले आहे. त्यामुळे आता राज्य सरकारची अंतिम वर्ष परीक्षेवरून मोठी कोंडी झाल्याचे दिसून येत आहे. त्यामुळे राजकारण सोडून हा निर्णय व्हावा, अशी अपेक्षा व्यक्त होत आहे.

अकरावी प्रवेश प्रक्रियेतील अटी शिथिल करण्याची मागणी

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : करोना संसर्गामुळे निर्माण झालेल्या परिस्थितीत अकरावीच्या प्रवेश प्रक्रियेतील काही अटी शिथिल करण्याची मागणी महाराष्ट्र राज्य शिक्षक सेना पुणे विभागाने के ली आहे. अकरावी ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रियेत कागदपत्रे सादर करण्यासाठी मुदत द्यावी, इनहाउस क्षेत्राऐवजी इनहाउस कॅम्पसचा परिपत्रकात उल्लेख करावा अशा मागण्या करण्यात आल्या आहेत.

गेल्या चार ते पाच महिन्यांपासून शासकीय कार्यालये बंद असल्याने जातीचे दाखले, जात पडताळणी प्रमाणपत्र, अधिवास प्रमाणपत्र, नॉन क्रिमिलेयर प्रमाणपत्र मिळण्यात अडचणी आहेत. प्रमाणपत्राअभावी विद्यार्थी त्याच्या मूळ आरक्षणातून बाद

होण्याची शक्यता असून, विद्यार्थी प्रवेशापासून वंचित राह शकतात. त्यामुळे कागदपत्रे देण्यासाठीच कालावधी किमान आठ महिने असावा किंवा ही अटया वर्षासाठी रद्द केल्यास प्रवेश प्रक्रिया सलभ होईल, शासनाच्या निर्णयानुसार प्रवेश प्रक्रियेत दुरुस्त केलेल्या इन हाऊस क्षेत्राचा उल्लेख रद्द करून इन हाऊस कॅम्पस असे परिपत्रकात नमुद करून प्रवेश प्रक्रिया राबवावी, व्यवस्थापन कोटा, अल्पसंख्याक कोटा, इन हाउस कोटा, विशेष कोट्यातील जागा नियोजित बेळेत भराव्यात. रिक्त जाग प्रवेशासाठी प्रत्यार्पित करण्याची मागणी पश्चिम महाराष्ट्र समन्वयक सनील जगताप, खींद्र वाघ, एकनाथ आंबले, रणजित बोन्ने यांनी शिक्षण उपसंचालक डॉ. अनुराधा ओक यांच्याकडे निवेदनाद्वारे केली.

रुटोकसत्ता Sun, 26 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c

00

Prabhat: 22.7.2020

Section: Education



बारावीपर्यंतच्या ऑनलाइन शिक्षणासाठी यूट्यूबचा आधार

(पान १ वरुन) यांनी दिली. यूट्यूबवरील मराठी व उर्दू माध्यमानंतर लवकरच हिंदी आणि इंग्रजी माध्यमांसाठीही यूट्यूब चॅनेल्स सुरू होतील. राज्यातील कोरोनाच्या पार्श्वभूमीवर विद्यार्थ्यांचे शैक्षणिक नुकसान होऊ नये म्हणून राज्य सरकारने १५ जूनपासून शैक्षणिक वर्ष सुरू केले.

मात्र, प्रत्यक्ष शाळा सुरू करणे शक्य नसल्याने सरकारने ऑनलाइन शिक्षणाचा पर्याय स्वीकारला. शिक्षणात अडथळा येऊ नये म्हणून या शैक्षणिक वाहिन्या सुरू करण्यात आल्या आहेत, अशी माहिती संचालक दिनकर पाटील यांनी दिली.

टिलीमिली ॲप विकत घेण्याची गरज नाही

एमकेसीएल नॉलेज फाउंडेशनने एसीसीईआरटी आणि तज्ज्ञांच्या सल्ल्याने सह्याद्री वाहिनीवर 'टिलीमिली' ही मालिका सुरू केली आहे. २० जुलै ते २६ सप्टेंबर या कालावधीत प्रत्येक इयत्तेचे ६० पाठ ६० भागांमधून दाखवले जातील. शिवाय, टिलीमिली सशुल्क ॲपही आहे. मात्र दीक्षा, जिओ टीव्ही, जिओ सावन, यूट्यूब असे अनेक ऑनलाइन पर्याय मोफत उपलब्ध असताना हे टिलीमिली ॲप विकत घेण्याची आवश्यकता नसल्याचे एससीईआरटीने स्पष्ट केले.

Pune Main Page No. 3 Jul 25, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education

लोकमत

परीक्षा रद्द करण्याचा राज्याला अधिकार नाही

विद्यापीठ अनुदान आयोग : उच्च न्यायालयात सादर केले प्रतिज्ञापत्र

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : कोरोनाच्या पार्श्वभूमीवर अंतिम वर्षाच्या परीक्षा रद्द करण्याचा अधिकार राज्य सरकारला नाही, अशी भूमिका विद्यापीठ अनुदान आयोगा (यूजीसी) ने उच्च न्यायालयात घेतली आहे.

निवृत्त प्रा. धनंजय कुलकर्णी यांनी शासनाने अंतिम वर्षांच्या परीक्षा रद्द करण्याचा निर्णयाला उच्च न्यायालयात आव्हान दिले आहे. या याचिकेवर यूजीसीने उच्च न्यायालयात प्रतिज्ञापत्र दाखल केले. आपत्ती व्यवस्थापन कायदा व महामारी

- ◆ विद्यापीठे व अन्य संस्थांच्या परीक्षा घेण्याची परवानगी गृह मंत्रालयाने दिल्यानंतरच यूत्रीसीने मार्गदर्शक तत्वे जारी करण्यात आली, असेही न्यायालयाने म्हटले. विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक आणि करिअरचे हित लक्षात घेऊन त्याचबरोबर विद्यार्थ्याच्या सुरक्षिततेची काळजी घेत ही मार्गदर्शक तत्वे आखण्यात आली आहेत. अंतिम परीक्षा न घेताच विद्यार्थ्यांना पदवी बहाल करण्याचा राज्य सरकारचा निर्णय देशातील शिक्षणाच्या दर्जावर विपरीत परिणाम करणारा आहे, असे यूजीसीने प्रतिज्ञापत्रात म्हटले आहे.
- परीक्षांच्या दर्जा नियमित करणारी शिखर संस्था म्हणजे यूजीसी. सर्व विद्यापीठे सप्टेंबर २०२० पर्यंत ऑतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्यास बांधील आहेत. जर काही विद्यार्थी टाळता न येण्यासारख्या परिस्थितीमुळे परीक्षेला बसू शकत नसतील तर त्या विद्यार्थ्यांना विशेष परीक्षेला बसून देण्याची परवानगी द्यावी, असे यूजीसीने स्पष्ट केले. ३१ जुलै रोजी या याचिकेवर ऑतिम सुनावणी ठेवण्यात आली आहे.

Pune Main Page No. 3 Jul 25, 2020 Powered by: erelego.com कायद्यांतर्गत राज्य सरकारला परीक्षा रद्द करण्याचा अधिकार आहे, अशी ठाम भूमिका घेत राज्य सरकारने अंतिम वर्षांच्या परीक्षा रद्द करण्याच्या निर्णयाचे समर्थन उच्च न्यायालयात केले. हे दोन्ही कायदे दुसऱ्या विशेष कायद्याची उदा. विद्यापीठ अनुदान आयोग कायद्या वैधानिक तरतदीविरोधात लागु करू शकत नाही, असे युजीसीने प्रतिज्ञापत्रात म्हटले आहे. राज्य सरकारचा निर्णय हा २९ एप्रिल व ६ जुलै २०२० आखलेल्या रोजी मार्गदर्शक तत्वांशी विसंगत आहे, असे युजीसीने म्हटले आहे.

लोकमत शिक्षण विभागाचा यू टर्न : नवीन परिपत्रक काढून सूचना जाहीर पूर्वप्राथमिक ते दुसरीपर्यंतच्या विद्यार्थ्यांचीही आता ऑनलाइन शाळा लोकमत न्यूज नेटवर्क असे करता येईल आयोजन काही बदल केले असून अतिरिक्त सूचना पुन्हा जारी केल्या आहेत. पर्वप्राथमिकचे ऑनलाइन वर्ग सुरु वातीच्या सूचनांमध्ये मुंबई : पूर्वप्राथमिक ते दुसरीपर्यंतच्या आहे, तर पहिली, दुसरीच्या विद्यार्थ्यांना ऑनलाइन शिक्षण सोमवार ते शुक्रवार रोज ३० विद्यार्थ्यांना उपक्रम आधारित पूर्वप्राथमिक ते दुसरीपर्यंतच्या वर्गाना मिनिटे घेता येतील. शिक्षण द्यायचे आहे देणाऱ्या शाळांवर कारवाई करू नये ऑनलाइन शिक्षण देऊ नये असा असे अंतरिम आदेश उच्च न्यायालयाने पहिली दसरीचे वर्गही तिसरी ते निर्णय घेण्यात आला होता. मात्र दिल्यानंतर शिक्षण विभागाने यू टर्न सोमवार ते शुक्रवार आठवीच्या पालक व शिक्षक संघटना या रोज ३० मिनिटे विद्यार्थ्यासाठी ४५ निर्णयाविरोधात उच्च न्यायालयात घेतला आहे. बुधवारी नवीन परिपत्रक जाहीर करून पूर्वप्राथमिकचे यापमाणे शाळांना २ मिनिटांची २ सत्रे गेल्या आणि या निर्णयाला अंतरिम सत्रांत घेता येतील. शाळा घेऊ ऑनलाइन वर्ग सोमवार ते शुक्रवार ३० स्थगिती देण्यात आली. त्यानसार शकतील मिनिटे घेता येतील असे निर्देश त्यांनी पूर्वप्राथमिकचे वर्ग पूर्वप्राथमिक ते बारावीपर्यंतचे शाळांना दिले. याचप्रमाणे पहिली 🔶 नववी ते बारावीच्या ऑनलाइन शिक्षण कसे असावे, घेताना शाळांनी दुसरीचे वर्गही शाळांना सोमवार ते पालकांशी संवाद विद्यार्थ्यांची ४५ मिनिटांची याबाबतच्या सूचना शिक्षण शुक्रवार रोज ३० मिनिटे याप्रमाणे २ साधून त्यांना मार्गदर्शन करायचे एकूण ४ सत्रे घेता येतील. विभागाने दिल्या आहेत. या सूचनांचे सत्रांत घेता येतील. पालन करताना ऑनलाइन पूर्वप्राथमिक (नर्सरी ते सीनिअर घ्यावे याबाबत बुधवारी शिक्षण करण्यासंदर्भात अंदाजे तारखा शिक्षण <u>शिक्षणासंदर्भात</u> ছিন্দেক केजी) ते बारावीपर्यंतच्या वर्गांचे विभागाने सूचना जारी केल्या. या विभागाने जाहीर केल्या होत्या. त्यामध्ये पालकांना दिलेल्या सूचनांचे पालन ऑनलाइन शिक्षण हे शाळा व आधीलॉकडाऊन शिथिल झाल्यानंतर ऑनलाइन शिक्षण देण्याचेही निर्देश करण्याचे निर्देश उपसचिव राजेंद्र पवार शैक्षणिक संस्थांनी कसे व किती वेळ टप्प्याटप्प्याने राज्यातील शाळा सुरू देण्यात आले होते. मात्र आता त्यात यांनी दिले. - -Pune Main Page No. 5 Jul 25, 2020 Powered by: erelego.com

Section: Education



Section: Education

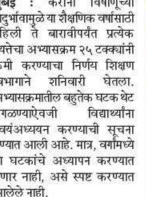
अम्यासकमाला कात्रा!

पहिली ते बारावीच्या प्रत्येक विषयातील २५ टक्के भाग वगळला

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मंबर्ड : करोना विषाणच्या प्रादर्भावामळे या शैक्षणिक वर्षासाठी पहिँली ते बारावीपर्यंत प्रत्येक इयत्तेचा अभ्यासक्रम २५ टक्क्यांनी कमी करण्याचा निर्णय शिक्षण विभागाने शनिवारी घेतला. अभ्यासक्रमातील बहतेक घटक थेट वगळण्याऐवजी स्वयंअध्ययन करण्याची सचना देण्यात आली आहे. मात्र, वर्गांमध्ये या घटकांचे अध्यापन करण्यात येणार नाही, असे स्पष्ट करण्यात आलेले नाही.

करोनाच्या प्रादर्भावामळे पढील शैक्षणिक वर्षाबाबत अद्यापही अनिश्चितता आहे. अनेक शाळांनी ऑनलाइन वर्गांचा पर्याय स्वीकारला असला तरी राज्यभरातील सर्व भागांत ऑनलाइन शिक्षण सुरळीत सरू नाही, प्रत्यक्ष शाळा कधी सरू



होणार याबाबत अद्यापही संदिग्धता आहे. गेल्या अनेक वर्षांपासन पाळल्या जाणाऱ्या शैक्षणिक वेळापत्रकातील जवळपास दीड महिना या संदिग्धतेतच गेला आहे.

अद्याप शाळा सुरू करणे शक्य झालेले नाही. शाळा बंद असल्या तरी विद्यार्थ्यांचा अभ्यास थांब नये यासाठी प्रयत्न करण्यात येत आहेत. त्याचबरोबर विद्यार्थ्यांवरील ताण कमी करण्यासाठी अभ्यासकम २७ टक्क्यांनी कमी करण्यात आला आहे. पाथमिक वर्गांसाठीचे २२, माध्यमिक वर्गांसाठीचे २० आणि उच्च माध्यमिक वर्गांसाठीच्या ५९ अशा १०१ विषयांच्या अभ्यासक्रमांचा भार कमी करण्यात आला आहे. - वर्षा गायकवाड, शालेय शिक्षणमंत्री

अध्यापनासाठी कमी कालावधी मिळणार असल्याने यंदा शिक्षण विभागाने राज्याचा प्रत्येक इयत्तेचा, प्रत्येक विषयाचा अभ्यासक्रम २५ टके कमी केला आहे. यापर्वी केंद्रीय माध्यमिक হিাঞ্চাण मंडळ (सीबीएसई) आणि 'आयसीएसई'नेही अभ्यासक्रम कमी केला आहे.

स्वयंअध्ययनावर भर

नववी ते बारावीच्या अभ्यासक्रमात काही घटकांची पुनरुक्ती होती. आधीच्या वर्गात शिकलेल्या घटकांचा काही प्रमाणात आढावा घेतलेला असतो. आधीच्या इयत्तेत झालेला भाग विद्यार्थ्यांना प्रत्यक्ष अध्यापनापूर्वी वाचुन येण्याच्या सूचना करण्यात आल्या आहेत. त्याचप्रमाणे कमी केलेल्या घटकांचा विद्यार्थ्यांनी त्यांच्या स्तरावर अभ्यास करण्याची अपेक्षा व्यक्त केली आहे. प्रत्यक्ष अध्यापनासाठी वेळ कमी मिळणार असल्याने हे घटक वर्गात शिकवण्यात येणार नाहीत, मात्र, प्रवेश परीक्षा, पढील इयत्तेची तयारी अशासाठी (पान ८ वर)

Sun, 26 July 2020 Sun, 20 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53760964

संधारित अभ्यासक्रम

संकेतस्थळावर

पाठपुस्तकांतून कमी करण्यात

www.maa.ac.in आणि

www.ebalbharati.in य

संकेतस्थळावर पाहता येतील.

आलेल्या घटकांचे तपशील



Section: Education

लोकमत पहिली ते बारावीपर्यंतच्या पाठ्यक्रमात २५ टक्के कपात

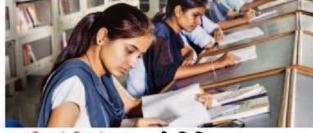
भाषेचे व्याकरण कायम । प्रात्यक्षिकांचा निर्णय सुविधा पाहून घेण्याचे निर्देश

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : कोरोना प्रादुर्भावाच्या पार्श्वभुमीवर यंदा आतापर्यंत शाळा बंद असून ऑनलाइन शिक्षण सुरू आहे. त्यामुळे अभ्यासक्रम पूर्ण करण्यात समस्या निर्माण होऊ नयेत म्हणून राज्यातील सर्व शाळा-महाविद्यालयांतील इयता पहिली ते बारावीचा अभ्यासक्रम २०२१-२२ या शैक्षणिक वर्षासाठी २५ टक्के कमी करण्याचा निर्णय राज्य सरकारच्या शालेय शिक्षण विभागाने घेतला आहे.

या निर्णयानुसार, अभ्यासक्रमाचा मूळ गाभा तसाच ठेवून प्राथमिक स्तरावरील २२, माध्यमिक २० व उच्च माध्यमिक स्तरावरील ५९ असे अशा एकण १०१ विषयांचा इयत्तानिहाय, विषयनिहाय २५ टक्के पाठ्यक्रम कमी केला आहे. १५ जनपासन शैक्षणिक वर्ष सुरू झाले. ऑनलाइनच्या माध्यमातून विविध शाळांनी शिक्षण देण्यास सुरुवात केली आहे. परंतु ऑनलाइन शिक्षणामधील विविध अडचणी व विद्यार्थ्यांवर पडणारा ताण याचा विचार करून हा निर्णय घेतला असून यासंदर्भातील मार्गदर्शक सचना राज्य शैक्षणिक संशोधक परिषदेच्या संचालकांच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करून दिल्याची माहिती राज्याच्या शालेय शिक्षण मंत्री वर्षा गायकवाड यांनी दिली आहे.

कमी करण्यात आलेला अभ्यासक्रम पाहण्यासाठी संकेतस्थळ www.maa.ac.in



'परीक्षांची संख्या कधी निश्चित करणार?'

विविध शिक्षक संघटना आणि शिक्षक. शाळांच्या मागणीनंतर बऱ्याच दिवसांनंतर राज्य शिक्षण विभागाने केवळ २५% अभ्यासक्रम कपात केला आहे. सीबीएसई मंडळाने आपल्या अभ्यासक्रमात ३० टक्के कपात केली आहे. सीबीएसई मंडळाशी तुलना करता शिक्षण विभागाचा २५ टक्के अभ्यास कपातीचा निर्णय असमाधानकारक असल्याचे मत शिक्षक लोकशाही आघाडीचे उपाध्यक्ष राजेश पंड्या यांनी व्यक्त केले.

शिक्षण विभागाने या निर्णयाची घोषणा केली असली तरी घटक चाचण्या किती, कशा घ्याव्यात, वर्षभरातील परीक्षांचे नियोजन कसे करावे याबाबत मार्गदर्शन केलेले नाही. त्यामळे विनाकारण विद्यार्थी, पालक संभ्रमात आहेत. या संदर्भात निर्णय घ्यायला आणखी किती वेळ लावणार, असा सवाल शिक्षक परिषदेचे कार्यवाह शिवनाथ दराडे यांनी केला आहे.

आरोग्य विज्ञान विद्यापीठाच्या पदवीपूर्व परीक्षा स्थगित

नाशिक : महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठाच्या उन्हाळी सत्र २०२० मधील विविध विद्याशाखांच्या पदवीपूर्व विद्यार्थ्यांच्या परीक्षा स्थगित करण्यात आल्याची माहिती विद्यापीठाचे परोक्षा नियंत्रक डॉ. अजित पाठक यांनी शनिवारी दिली.

> Pune Main Page No. 3 Jul 26, 2020 Powered by: erelego.com

स्वाध्याय कृती वगळल्या

कमी केलेल्या पाठ्यक्रमामध्ये भाषा विषयांत काही गद्य व पद्य पाठ आणि त्यावरील स्वाध्याय कृती वगळल्या आहेत.

त्यामुळे २०२०-२१ मधील अंतर्गत मुल्यमापन किंवा वार्षिक परीक्षांमध्ये या घटकांवर कोणतेही प्रश्न विचारले जाऊ नयेत. असे राज्य शैक्षणिक व संशोधन परिषदेने स्पष्ट केले आहे.

मात्र भाषा विषयातील वगळलेल्या 3 मात्र मात्रा विवयाताल व त्याकरण आणि पाठाला जोडून आलेले व्याकरण आणि इतर भाषिक कौशल्य वगळले नसल्याचे स्पष्ट केले आहे.

सोयीसुविधांनुसार विचार

शालेय श्रेणीच्या विषयांसंदर्भात स्थिती व त्यानुसार उपलब्ध सोयीसुविधांचा विचार करून प्रकल्प/ उपक्रम हाती घेण्याच्या सूचना एससीईआरटीने केल्या. प्रात्यक्षिकांवर आधारित प्रात्यक्षिक विषयांचे कार्य हे अध्ययन-अध्यापन संदर्भात विचारात घेतलेल्या आशयास अनुसरून उपलब्ध सोयीसुविधांनुसार पूर्ण करण्याच्या सूचनाही शाळांना देण्यात आल्या आहेत.

Section: Education



Section: Education



Section: Education



लोकसत्ता प्रतिनिधी

याचिकाकत्यचि म्हणणे काय ?

नोकरीच्या संधी गमवाव्या

विद्यापीठ अनुदान मुंबई : आयोगाच्या (यूजीसी) परीक्षा घेण्याच्या निर्णयाविरोधातील याचिकेच्या सुनावणीदरम्यान 'यजीसी'ला प्रतिज्ञापत्र सादर सर्वोच्च करण्याचे आदेश न्यायालयाने दिले असून पुढील सुनावणी ३१ जुलैला होणार आहे. अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्याच्या आयोगाच्या निर्णयाविरोधात

युवासेनेसह देशभरातील अनेक

राज्यांतील विद्यार्थ्यांनी दाखल

केलेल्या याचिकेची सुनावणी सर्वोच्च

अंतिम परीक्षा घेण्यापेक्षा विद्यार्थ्यांच्या अंतर्गत मूल्यमापनाच्या आधारे वा वर्षमउत झालेल्या परीक्षांच्या आधारे अंतिम निकाल द्यावा व ३१ जुलैपर्यंत गुणपत्रिका तयार करावी. गुणपत्रिका वेळेवर न मिळल्यामुळे विद्यार्थ्यांना पुढील प्रवेश घेण्यात अडचणी येऊ शकतील, त्यांना

न्यायालयात सोमवारी झाली. न्यायमूर्ती अशोक भूषण, आर. एस. रेड्डी, एम. आर. शहा यांच्या लागतील. सीबीएसई, आयसीएसई मंडळांगीही दहावी, बारावीच्या परीक्षा करोनाचा प्रादुर्माव लक्षात घेऊन रद्द केल्या. आयोगाने प्रथम, द्वितीय वर्षाच्या विद्यार्थ्यांना परीक्षा देण्यातून सवलत दिली मात्र अंतिम वर्षाच्या परीक्षा देण्याची सक्ती करत आहे.

खंडपीठासमोर सुनावणी झाली. 'आयोग अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्याबाबतच आग्रही असून ८१८ ন্তা বিশ্বাৰ্থ্যাঁগংখ भेढ़भाव करण्याचा प्रकार आहे . महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिळनाडू, पंजाब या राज्यांनी परीक्षा रद्द केल्या आहेत. त्याचप्रमाणे आसाम, बिहार आणि ईशान्येकडील राज्यातील विद्यार्थी सदास्थितीत पूरस्थितीमुळे परीक्षा देऊ शकत नाहीत.

विद्यापीठांपैकी २०९ विद्यापीठांनी परीक्षा घेतल्या आहेत, तर ३९० विद्यापीठांनी परीक्षा घेण्याची तयारी केली आहे,' अशी बा आयोगाच्यावतीने महाधिवक्ता तुष मेहता यांनी मांडली. न्यायालयाने प्रकरणाची सुनावणी ३१ जुलैपय पुढे ढकलली असून आयोगाने स याचिकांवर त्यांचे म्हणणे मांडा असे आदेश दिले आहेत. आयोगा प्रतिज्ञापत्र सादर करण्यासाठी र्त दिवसांची मुदत देण्यात आली आ

दरम्यान, परीक्षा रद्द करण्याच राज्य शासनाच्या निर्णयाविरोध मुंबई उच्च न्यायालयात दाख करण्यात आलेल्या जनद्दि याचिकेची सुनावणीही ३१ जुलैर होणार आहे.

00

माहिती घेतली. त्यानंतर विद्यार्थ्याशी

संवाद साधताना विद्यापीठाचे कुलगुरू

नितीन करमाळकर

sĭ.

उपस्थित होते.

डॉ

यांनी

करमळकर म्हणाले.

Hello Pune Page No. 4 Jul 29, 2020 Powered by: erelego.com

कोरोनामुळे विद्यार्थ्यांना प्रत्यक्ष



नवी यंत्रणा विकसित केली असून

महाविद्यालयांबरोबर या यंत्रणेची

संलग्न

दहा

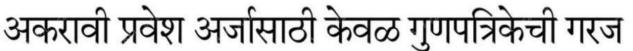
विद्यापीठाशी

कनेक्टिव्हिटी असलेल्या भागातही ही

यंत्रणा वापरणे शक्य होणार आहे,

असेही करमळकर यांनी सांगितले.

Section: Education



पुणे, ता. ३० : इयत्ता ११ वी प्रवेशासाठी ऑनलाइन अर्ज भरताना विद्यार्थ्यांना केवळ गुणपत्रिका सादर करणे आवश्यक आहे. कोरोनामुळे इतर कागदपत्रांसाठी विद्यार्थ्यांची अडवणूक होणार नसल्याचे ऑनलाइन प्रवेश नियंत्रण समितीच्या सचिव मीना शेंडकर यांनी स्पष्ट केले.

दहावीचा निकाल लागल्यानंतर ११वी प्रवेशासाठी विद्यार्थी व पालकांची गडबड सुरू झाली आहे; पण कागदपत्रांऐवजी प्रवेशापासून कोणीही वंचित राहू नये, यासाठी सूट देण्यात आली आहे.

११वीचा प्रवेश अर्ज केवळ गुणपत्रिकेद्वारे भरता येईल. ज्या विद्यार्थ्यांकडे माध्यमिक शाळा सोडल्याचा दाखला, रहिवासी प्रमाणपत्र, जातीचा दाखला, उन्नत व प्रगत गटात मोडत नसल्याचे प्रमाणपत्र उपलब्ध असतील तर ते अपलोड करू शकतील.

क्रीडा प्रावीण्य प्रमाणपत्र, दिव्यांग प्रमाणपत्र, माजी सैनिक प्रमाणपत्र,

अनाथ प्रकल्पग्रस्त प्रमाणपत्र. प्रमाणपत्र, बदली आदेश आदी आरक्षणाचा लाभ घेण्यासाठी आवश्यक प्रमाणपत्रे मिळण्यासाठी सादर केलेल्या अर्जाची प्रत विद्यार्थ्यांनी अर्ज भरतेवेळी अपलोड करणे आवश्यक आहे.

प्रवेशासाठी आवश्यक असणारी प्रमाणपत्रे विद्यार्थ्यांनी तांत्रिक कारणांमुळे सादर न केल्यास त्यांच्याकडून हमीपत्र भरून घेतले जाणार आहे. ही प्रमाणपत्रे सादर करण्यासाठी तीन महिन्यांची आहे. प्रवेशाची अधिकृत माहिती

११वी प्रवेश	रााची क्षमता		
महाविद्यालये	३०४ १५५८१		
कला शाखा			
वाणिज्य	82, 944		
विज्ञान	83,969		
एमसीव्हीसी	8894		

www.dydepune. com व https: 11 pune.11thadmission.org.in

ज्ञान देवाण-घेवाणीसाठी राष्ट्रीय शिक्षण धोरणात तरतूद विद्यापीठांमध्ये स्वतंत्र भाषांतर विभाग

Sakaal: 31.7.2020

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : परदेशातील आणि देशांतील विविध भाषांतील पुस्तके, ज्ञान, महिती सर्वदुर पोहोचवण्यासाठी भाषांतर आणि अन्वयार्थ' संस्था उभी करण्यात येणार आहे. राष्ट्रीय शिक्षण धोरणात या स्वतंत्र संस्थेची तरतुद करण्यात आली असून विद्यापीठांमध्येही स्वतंत्र भाषांतर विभाग सुरू करण्यात येणार आहेत.

'इन्स्टिट्यूट ऑफ ट्रान्स्लेशन अँड इंटरप्रिटेशन' या स्वतंत्र संस्थेसाठी नव्या शिक्षण धोरणात तरतूद करण्यात आली आहे. शालेय स्तरापासुन उच्चशिक्षणातील

epaper losattamom



अभ्यास सहित्य विविध स्थानिक भाषांमध्ये वा संस्थेमार्फत उपलब्ध करून देण्यात येईल, परदेशी भाषांमधील साहित्यही स्थानिक भाषांमध्ये उपलब्ध करून देण्यात येईल. त्याचप्रमाणे भारतातील साहित्य परदेशांत पोहो चावे यासाठी

वाचन प्रोत्साहनासाठी...

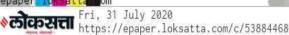
विद्यार्थ्यांना वाचनगोडी लावण्यासाठी राष्ट्रीय धोरण आखण्यात येणार आहे. 'नॅशनल बुक प्रमोशन पॉलिसी' तयार करून त्याअंतर्गत विद्यार्थ्याच्या हाती दर्जेदार पुस्तके देण्याचे नियोजन करण्यात येणार आहे. विद्यार्थ्यांसाठी खास पुस्तकांची निर्मिती करण्यात येईल . पुस्तकांचे सर्व स्थानिक भाषांमध्ये भाषांतर करून ती शाळांमध्ये वितरित करण्यात येतील. आंतरराष्ट्रीय पुस्तकेही स्थानिक भाषांमध्ये उपलब्ध करून देण्यात येतील. शाळांमधील ग्रंथालये, सार्वजनिक ग्रंथालयांमध्ये ही पुस्तके पुरविण्यात येतील. शाळांमध्ये 'बुक क्लब' स्थापन करण्याची तरतुढ शिक्षण धोरणात करण्यात आली आहे.

त्याचेही परदेशी भाषांमध्ये भाषांतर करण्याचे काम या संस्थेमार्फत करण्यात येईल. 'साहित्याचे भाषांतर होण्याबरोबरच बहभाषिकांना नोकरीचीही संधी या संस्थेच्या

माध्यमातून मिळेल,' असे धोरणात नमूद करण्यात आले आहे. विद्यापीठांमध्ये भाषांतरासाठी स्वतंत्र विभाग तयार करण्यात येतील, त्याचप्रमाणे भाषांतराचा

अभ्यासक्रमही तयार करण्यात येईल. अभिजात भाषेसाठी...

त्रिभाषा सूत्रानुसार सर्व संस्कृत भाषेचाही पर्याय शालेय स्तरापासन उपलब्ध करून देण्यात येणार आहे. संस्कृत विषयाकरिता शिक्षक उपलब्ध होण्यासाठी शिक्षणशास्त्र पदवी अभ्यासक्रमातही संस्कत शिक्षणाला प्रोत्साहन देण्यात येईल. त्याशिवाय भारतातील तमिळ, तेलग्, कन्नड, मल्याळम, उडिया, पाली, पर्शियन आणि प्राकृत भाषांचे पर्यायही शालेय स्तरापासून देण्यात येतील. विद्यापीठ स्तरावरही या भाषांचे स्वतंत्र विभाग सरू करण्यात येतील. - संबंधित / ४







Section: Education

परीक्षांचा निर्णय आज ?

अंतिम वर्षांच्या परीक्षा रद्द करण्याची राज्य सरकारांची भूमिका देशातील उच्च शिक्षणाच्या दर्जाला घातक असुन, परीक्षेचा आमचा निर्णय धोरणात्मक असल्याचे विद्यापीठ अनुदान आयोगाने प्रतिज्ञापत्राद्वारे सर्वोच्च न्यायालयात स्पष्ट केले. दुसरीकडे, परीक्षांविना इंटर्नशिष सुरू करण्यास भारतीय वैद्यकीय परिषदेने नकार दिला आहे. या दोन्ही प्रकरणांवर आज सुनावणी असून, निर्णयाकडे संपूर्ण शिक्षणक्षेत्राचे लक्ष लागले आहे.

राज्यांची भूमिका घातक; विद्यापीठ अनुदान आयोगाचे प्रतिज्ञापत्र

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : अंतिम वर्षांच्या परीक्षा रह करण्याची राज्य सरकारांची भूमिका ही देशातील उच्च शिक्षणाच्या दर्जाला घातक असल्याची भूमिका विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (युजीसी) सर्वोच्च न्यायालयात

प्रतिज्ञापत्राद्वारे मांडली आहे. सीबीएसई, आयसीएसईच्या परीक्षांची विद्यापीठाच्या अंतिम वर्षांच्या परीक्षांशी तुलना होऊ शकत नाही, असेही आयोगाने स्पष्ट केले असून, या प्रकरणावर आज सुनावणी होणार आहे.

विद्यापीठाच्या अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेण्याच्या आयोगाच्या निर्णयाला युवा सेनेसह काही



निर्णय धोरणात्मक

करोना संकटाच्या पार्श्वभूमीवर प्रा. आर. सी. कहाड यांच्या अध्यक्षतेखाली तज्ज्ञांगी केलेल्या शिफारशीगंतरच सर्व विद्यापीठांनी आवश्यक नियमांचे पालन करून सप्टेंबरअखेरपर्यंत परीक्षा घ्याव्यात, अशा मार्गदर्शक सूचना

करण्यात आल्या आहेत. सीबीएसई, आयसीएसई मंडळाने ज्याप्रमाणे परीक्षा रहु करण्याचा धोरणात्मक निर्णय घेतला त्याचप्रमाणे या शिफारशीच्या आधारे आम्हीही परीक्षा घेण्याचा

धोरणात्मक निर्णय घेतला आहे. धोरणात्मक निर्णयात कुठलेही न्यायालय हरतक्षेप करूशकत नाही, असा दावाही आयोगाने केला आहे.

विद्यार्थ्यांनी सर्वोच्च न्यायालयात आव्हान दिले आहे. या याचिकांवर एकत्रित सुनावणी घेताना न्यायालयाने आयोगाला प्रतिज्ञापत्र सादर करण्याचे आदेश दिले होते. त्यानुसार आयोगाने आपली भूमिका मांडणारे प्रतिज्ञापत्र गुरुवारी न्यायालयात दाखल केले.

विद्यापीठाच्या अंतिम वर्षांच्या परीक्षा घ्यायलाच हव्यात, अशी ठाम भूमिका मांडताना त्याची कारणेही स्पष्ट करण्यात आली आहेत.

सीबीएसई, आयसीएसई मंडळाने परीक्षा रद्द केल्याचा दाखला याचिकाकत्यांनी (गान २ वर)

परीक्षेविना इंटर्नशिपला भारतीय वैद्यकीय परिषदेचा नकार लोकसत्ता विशेष प्रतिनिधी

मुंबई : करोनामुळे वैद्यकीय अभ्यासक्रमाच्या परीक्षा लांबणीवर टाकण्याचा निर्णय राज्य सरकारने घेतला असला तरी परीक्षांविना इंटर्नशिप सुरू करण्यास भारतीय वैद्यकीय परिषदेने नकार दिला आहे. या प्रकरणावर शक्रवारी उच्च न्यायालयात सुनावणी होणार आहे.

राज्यातील वैद्यकीय विद्यार्थ्यांच्या परीक्षांचे वेळापत्रक जाहीर करण्यात आले होते. मात्र, सध्याची करोनाची परिस्थिती लक्षात घेता विद्यार्थ्यांचा जीव धोक्यात घालून परीक्षा न घेता अनुकूल वातावरण निर्माण होताच त्या घेण्यात याव्यात, अशी भूमिका राज्य सरकारने घेतली. त्यानुसार गेल्याच आठवड्यात वैद्यकीय शिक्षणमंत्री अमित देशमुख यांनी



महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठाला तशा सूचना दिल्या होत्या. अंतिम वर्षात शिक्षण घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या पढील शिक्षणाला बाधा निर्माण होऊ नये. यासाठी या विद्यार्थ्यांची इंटर्नशिप सुरू करावी आणि करोनाचा प्रादुर्भाव कमी होताच त्यांच्या परीक्षा घेण्यात याव्यात, असे ठरविण्यात आले होते. त्यासाठी भारतीय वैद्यकीय परिषदेकडे परवानगी मागण्यात आली होती. मात्र, परिषदेने त्यास परवानगी नाकारली आहे, अशी माहिती देशमुख यांनी दिली. या प्रकरणावर शुक्रवारी (गान १६ वर)

करोबाचे संकटजगभर असून,

जगमरातील अनेक विद्यापीठांनी

परीक्षा लांबणीवर टाकल्या आहेत

ही बाबही परीक्षा सप्टेबरअखेरपर्यत

परीक्षा व्यवस्थित घेता याव्यात आणि

घेण्याचे आदेश देताना प्रामुख्याने

लक्षात घेण्यात आली. याशिवाय



र्टोट्ट्रिया Fri, 31 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53884404

राज्याची भूमिका घातक; विद्यापीठ अनुदान आयोगाचे प्रतिज्ञापत्र

नाही, तर त्याला विशेष बाब

म्हणून परीक्षा देण्याची आणखी

त्यामळे परीक्षा घेण्याचा निर्णय

याचिकाकर्त्यांचा दवा चुकीचा

आहे. विद्यार्थ्यांच्या हिताचा विचार

करूनच परीक्षेचा निर्णय घेण्यात

आला आहे. असे आयोगाने

म्हटले आहे.

(पान १ वरून)

वर्षांच्या परीक्षा या विद्यार्थ्यांचे करिअर घडवण्याच्या दुष्टीने खुप महत्त्वाच्या असतात. या या परीक्षा विद्यार्थ्यांना जागतिक स्पर्धेत उत्तरण्यासाठी आत्मविश्वास देतात. त्यामुळे अंतिम वर्षाच्या परीक्षा घेणे गरजेचे असून सीबीएसई, आयसीएसई

दिला आहे. मात्र, अंतिम जाऊ शकत नाही, असे आयोगाने

विद्यार्थ्यांचे हित महत्त्वपूर्ण

परीक्षांची तुलना त्यांच्याशी केली म्हटले आहे.

विद्यार्थ्यांचे आरोग्य आणि एक संधी देण्यात आली आहे. संधी या सर्व बाबी लक्षात घेऊनच परीक्षेचा निर्णय घेण्यात आला. त्यामुळेच विद्यार्थ्यांन कोणताही त्रास होऊ नये, यासाठी परीक्षेचे पयांयही देण्यात आले आहेत.

परीक्षांच्या आधारेच ते विविध त्याचवेळी त्यांचे शैक्षणिक क्षेत्रांत विशेष ज्ञान प्राप्त करतात. भवितव्य, करिअर, जगभरातील मनमानीने घेण्यात आल्याच्या

... म्हणून महाविद्यालये सुरूनाहीत तसेच एखादा विद्यार्थी काही कारणास्तव परीक्षा देऊ शकला



उत्तरपत्रिकांचे मूल्यमापन वेळेत व्हावे, यासाठी महाविद्यालये सुरून करण्याचे आदेशकेंद्रीय पातळीवरून देण्यात आल्याचेही आयोगाने प्रतिज्ञापत्रात नमूद केले आहे.

Fri, 31 July 2020 ेटाकराता https://epaper.loksatta.com/c/53884508



Section: Education

परीक्षेविना इंटर्नशिपला भारतीय वैद्यकीय परिषदेचा नकार

(पान १ वरून)

उच्च न्यायालयात सुनावणी होणार आहे. विद्यार्थ्यांच्या हिताच्या दुष्टीने राज्य सरकार न्यायालयात आपली बाजू भक्कमपणे मांडेल, असे त्यांनी सांगितले.

'वैद्यकीय पदव्युत्तरच्या परीक्षा ठरल्याप्रमाणेच'

करोनामुळे अंतिम वर्षाच्या परीक्षांबाबतचा संभ्रम कायम असला तरी वैद्यकीयच्या पदव्युत्तरच्या परीक्षा ठरल्यानुसारच होतील, अशी भूमिका महाराष्ट आरोग्य विज्ञान विद्यापीठाने प्रतिज्ञात्राद्वारे गुरुवारी उच्च न्यायालयात मांडली. आरोग्य विज्ञानाच्या विविध शाखांच्या पदवीच्या परीक्षा पुढे ढकलल्या असन. परिस्थिती सधारल्यानंतर त्या लगेच घेतल्या जातील, असेही विद्यापीठाने स्पष्ट केले.

ज्या विद्यार्थ्यांकडे ऑनलाइन शिक्षणासाठीची साधने नाहीत, ते

वैद्यकीय पदव्युत्तरचे शिक्षण पूण करणाऱ्या विद्यार्थ्यांन सुपरस्पेशालिटी अभ्यासक्रमासाठी प्रवेश घ्यायचा आहे. त्यासाठीची प्रवेश परीक्षा १५ सप्टेंबरला होणा आहे

या परीक्षेला विद्यार्थ्यांना बसत आले नाही, तर त्यांना मोठे शैक्षणिक नुकसान सहन करावे लागेल त्यामळेच या वैद्यकीयच्य पदव्युत्तरच्या परीक्षा ठरल्यानुसार २५ ऑगस्टपासून घेण्यात येतील. परंत सध्याच्या परिस्थितीमळे या परीक्ष घेण्यास न्यायालयाने नकार दिला, तर सपरस्पेशालिटी

अभ्यासक्रमासाठीची प्रवेश प्रक्रियाही पढे ढकलण्याचे आदेश राष्टीय परीक्षा मंडळाला देण्याची मागणी विद्यापीठाने प्रतिज्ञापत्राद्वारे न्यायालयाकडे केली आहे.

الله Fri, 31 July 2020 من المحتجمة المحت

ऑनलाइन शिक्षणासाठी विद्यापीठांकडून तयारी

किमान एक सत्र ऑनलाइन पद्धतीने घेण्याचे नियोजन

जातील. प्रात्यक्षिकांचे मार्गदर्शन दुकश्राव्य पद्धतीने करून विद्यार्थी महाविद्यालयात येऊ लागल्यावर प्रात्यक्षिके घेतली जातील. तसेच लर्निंग मॅनेजमेंट सिस्टिम ही यंत्रणाही विकसित करण्यात आली आहे. ऑनलाइन शिक्षणासह परीक्षेसाठी वर्ल्ड असेसमेंट काउन्सिलचा आधार घेतला जाईल, त्यात विद्यार्थी परीक्षेबाबत सर्व प्रश्न विचारू शकताच. या पद्धतीमध्ये कृत्रिम बुद्धिमत्तेचा वापर असल्याने गैरप्रकाराला वाव नाही. ही पद्धत देशभरातील तीन ते चार

सिम्बायोसिस आंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठाच्या प्रधान संचालिका डॉ. विद्या येरवडेकर म्हणाल्या, 'पदव्युत्तर पदवी अभ्यासक्रमाचे अध्यापन ऑनलाइन पद्धतीने १५ जुलैपासून सुरू झाले आहे. तर पदवीस्तरावरील प्रवेश

प्रक्रिया सरू आहे. त्यामुळे करोन संसर्गाची स्थिती पाहता प्रत्यक्ष वर्गातीत शिक्षण सुरू न झाल्यास विद्यापी अनुदान आयोगाच्या निर्देशांनुसा ऑनलाइन पद्धतीने शिक्षण सुरू के जाणार आहे.'

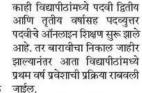
करोना संसर्गाची स्थिती किती कार राहील याचा काहीच अंदाज नाही त्यामुळे ऑनलाइन अध्यापन प्रभाव करण्यासाठी व्हर्च्युअल लॅब, क्लाउ लॅब, व्हिडिओ लॅब, ई-बुक आपि ऑनलाइन परीक्षा पद्धती आदी पद्धते असे या शैक्षणिक वर्षांचे नियोज करण्यात आले आहे. या शैक्षणिव वर्षाचे अध्यापन होणार आहे डिजिटल माध्यमातून विद्यार्थ्यांन अध्यापन करण्यासाठीच्या सुविध निर्माण करण्यात आल्या आहेत, अ एमआयटी एटीडी विद्यापीठा कार्याध्यक्ष डॉ. मंगेश कराड यांने सांगितले

पुणे : करोना विषाण् संसर्गामुळे पूर्ण सत्र विद्यार्थ्यांना ऑनलाइन पद्धतीनेच शिकवण्याचा निर्णय घेतला आहे. ऑनलाइन अध्यापनामुळे विद्यार्थ्यांना प्रात्यक्षिके करता

शिक्षण संस्था सुरू करता येत नसल्याने ऑनलाइन शिक्षण पद्धतीचा अवलंब करावा लागत आहे. त्यामुळे यंदाच्या शैक्षणिक वर्षांचे किमान पहिले सत्र ऑनलाइन पद्धतीने पूर्ण करावे लागणार असून, ऑनलाइन शिक्षणासाठी शिक्षण संस्थांनी तयारी केली आहे.

लोकसत्ता प्रतिनिधी

करोना विषाणु संसर्गामळे शिक्षण व्यवस्थेपुढे नवेच आव्हान निर्माण झाले आहे. या परिस्थितीत मार्ग काढण्यासाठी ऑनलाइन माध्यमाचा वापर सरू करणे अपरिहार्य झाले आहे. त्यामुळे विद्यार्थ्यांना ऑनलाइन शिक्षणाच्या प्रवाहात ठेवण्यासाठी विद्यापीठांनी नवी यंत्रणा विकसित के ली आहे, तर काही विद्यापीठे उपलब्ध माध्यमांचाही वापर करत आहेत.

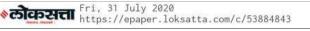


प्रयत्न सुरूआहे.

सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाची ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया ५

ऑगस्टपासन सुरू होणार आहे. त्यासाठी विद्यापीठाने नवी यंत्रणाही विकसित केली आहे. तर एमआयटी विश्वशांती विद्यापीठाचे कार्याध्यक्ष राहल कराड म्हणाले, की ऑनलाइन शिक्षणासाठी वेबेक्स, झम, मायक्रोसॉफ्ट मीट आदी माध्यमांचा वापर केला जाईल. थिअरी आणि प्रात्यक्षिक असे दोन भाग के ले

रोणार नाहीत. मात्र ती पुढील सत्रात करण्याची सुविधा केली जाईल. शिक्षणापासून वंचित राहू नरोत यासाठी त्यांना साधने पुरवण्याचाही – डॉ. संजीव गलांडे, अधिष्ठाता, संशोधन आणि विकास, भारतीय विज्ञान शिक्षण आणि संशोधन संस्था (आयसर पुणे) विद्यापीठांमध्येच आहे.





Section: Education



नव्या शैक्षणिक वर्षाबाबत विद्यापीठाचा निर्णय

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : सावित्रीबाई फु ले पुणे विद्यापीठाने नव्या शैक्षणिक वर्षोंचे कामकाज ऑनलाइन पद्धतीने सुरू करण्यासाठी ऑनलाइन यंत्रणा विकसित के ली आहे. कमी कनेक्टिच्हिटी असलेल्या भागातही ही यंत्रणा वापरणे शक्य असून, यंत्रणेला कृत्रिम बुद्धिमत्तेची (आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स) जोड देण्यात आली असल्याने विद्यार्थ्यांशी संवादात्मक पद्धतीने (इंटरॲक्टिव्ह) ही यंत्रणा काम करू शकणार आहे. त्यामळे नव्या शैक्षणिक वर्षांचे कामकाज ५ ऑगस्टपासून सुरू करण्यात येणार आहे.

विद्यापीठाचे कुलगुरू डॉ. नितीन करमळकर यांनी ही माहिती दिली. प्र-कुलगुरू डॉ. एन. एस. उमराणी, कु लसचिव डॉ. प्रफुल पवार या वेळी उपस्थित होते. करोना संसर्गामुळे महाविद्यालये सुरू करण्यात अडचणी निर्माण झाल्या आहेत. मात्र, शिक्षणाची प्रक्रिया सुरू ठेवण्यासाठी विद्यापीठाने जेमतेम तीन महिन्यांत संपूर्णपणे नवी यंत्रणा विकसित केली आहे. विद्यापीठाशी संलग्न दहा महाविद्यालयांमध्ये **ਹਂ**ਤ੍ਰਯੇਜ਼ੀ चाचणीही घेण्यात आली आहे. त्यानंतर आता अन्य संलग्न महाविद्यालयांनाही ही यंत्रणा वापरता येणार असून, टप्प्याटप्प्याने सर्व महाविद्यालये या यंत्रणेचा वापर करू ञकतील

डॉ. करमळकर म्हणाले की, करोना संसर्गामुळे महाविद्यालये सुरू करण्यास मर्यादा आहे. त्यामुळे ऑनलाइन शिक्षण ही गरज झाली आहे. हे लक्षात घेऊन विद्यापीठाने के ंद्रीय मनुष्यबळ मंत्रालयाचे स्वयम अभ्यासक्रमांचे मापन के ले. हे अभ्यासक्रम विद्यापीठाच्या अभ्यासक्रमाशी २० टके मिळतेजुळते आहेत. तरीही परिपूर्ण अभ्यासक्रमासाठी विद्यापीठाकडून तज्ज्ञांची समिती नियुक्त करण्यात आली.

त्यानंतर ४० टक्के ऑनलाइन आणि ६० टके पारंपरिक अशी शिक्षणाची विभागणी करून ई साहित्य निर्माण करण्यास सुरुवात करण्यात आली. पत्येक विद्याशाखेतील अभ्यासक्रमाचे ई साहित्य तयार

िकिस्टार्वा Wed, 29 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/

यंत्रणेची वैशिष्ट्ये 🔳 संवादात्मक प्रद्धतीमुळे

विद्यार्थ्यांना रांका विचारणे शक्य 🔳 व्याख्यानांना ॲनिमेशन. ग्राफिक्सची जोड

🔳 कनेक्टिव्हिटी नसलेल्या विद्यार्थ्यांना पेनड्राईव्हव्ररे ई साहित्याचा पुरवठा

वलाउडवर आधारित असल्याने मोठ्या प्रमाणात वापर शक्य

सर्व महाविद्यालयांवर विद्यापीटाला लक्ष टेवणे शक्य

पारंपरिक शिक्षण पद्धतीमध्ये विद्यापीठाला महाविद्यालयातील शैक्षणिक कामकाज, विद्यार्थ्यांची उपस्थिती यावर लक्ष ठेवता येत नव्हते. मात्र महाविद्यालयांनी ही यंत्रणा वापरण्यास सुरुवात के ल्यावर विद्यापीठाला महाविद्यालयांवर लक्ष ठेवता येणार आहे. किती महाविद्यालये यंत्रणा वापरत आहेत. किती विद्यार्थी सहमामी झाले आहेत याची नोंढ या यंत्रणेत घेतली ব্যার্হল.

करण्यात येत आहे. ५ ऑगस्टपासून टप्प्याटप्प्याने या यंत्रणेचा वापर करून अध्यापनाचे कामकाज सुरू के ले जाणार आहे.

व्याख्यानांच्या ध्वनिचित्रफिती कमी क्षमतेच्या (कॉम्प्रेस्ड) करण्यात आल्याने विद्यार्थ्यांचा विदा वापर अतिरिक्त होणार नाही. तसेच कमी कनेक्टिव्हिटी असलेल्या भागातही ही यंत्रणा वापरणे शक्य आहे.

महाविद्यालयातील संलग्न प्राध्यापकही या ई साहित्याच्य निर्मितीमध्ये सहभागी होऊ शकतात. विद्यापीठात अद्ययावत स्टुडिओ उभारण्यात आला आहे.

विद्यापीठाने आतापर्यंत एक हजा-तासपिक्षा अधिक दूकश्राव्य ई साहित्य उपलब्ध करून दिले आहे. विद्यार्थी, प्राध्यापक, महाविद्यालय ttp://www.eclm.unipune.ac.in/ या संकेतस्थळावरील ई साहित्याच वापर करू शकतात

परदेशी विद्यापीठांना आता भारतात प्रवेश

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मंबर्ड : जगातील सर्वोत्तम शंभर विद्यापीठे आता भारतात त्यांची शिक्षण संकुले उभी करू शकतील. नव्या धोरणानसार परदेशी विद्यापीठांबरोबर शिक्षण विकासाची मुभा देण्यात आली आहे. त्याचप्रमाणे भारतातील विद्यापीठांनाही परदेशी संकले सरू करण्यास प्रोत्साहन देण्याचे धोरण आखण्यात आले आहे

सध्या परदेशी विद्यापीठांना स्थानिक विद्यापीठांबरोबर करार करून त्यांचे अभ्यासक्रम सुरू करता येतात. नव्या शिक्षण धोरणात मात्र परदेशी विद्यापीठांना भारतात त्यांची शिक्षण संकुले उभी करण्यासाठी परवानगी देण्याचे सतोवाच करण्यात आले आहे. जगातील निवडक विद्यापीठांना देशात त्यांचे शिक्षण संकुल सुरू करता येईल. पहिल्या शंभर विद्यापीठांमध्ये स्थान मिळवणाऱ्या विद्यापीठांना अशी परवानगी देण्याचेही धोरणात नम्द करण्यात आले आहे.

या विद्यापीठांना भारतात विस्तार करण्यासाठी प्रशासकीय बाबींमध्ये काही सवलती दिल्या जातील. त्याचप्रमाणे भारतीय विद्यापीठांनाही परदेशात विस्तार करण्यासाठी प्रोत्साहन दिले जाईल.

दर्जेदार परदेशी विद्यापीठे आणि भारतीय विद्यापीठांनी एकत्रित काम

ित्रिया हिंदे के 1 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53884621



योजना काय?

सद्यः स्थितीत मोजवयाच काही देशांमधील विद्यार्थी भारतात शिक्षणासाठी येतात.

विद्यार्थ्यांना आकर्षित करण्यासाठी योजना आखण्याचे शिक्षण धोरणात नमुद

आगिया आणि आफ्रिका खंडातील विद्यार्थी यात अधिक आहेत. परदेशी

परदेशातील विद्यापीठांमध्ये शिकू शकतील शिक्षकांनाही त्यांच्या विकासासार्ठ परदेशी विद्यापीठांमध्ये जाता येईल तेथील प्राध्यापक भारतीय विद्यापीठांमध्ये शिकवू शकतील परदेशी विद्यापीठांमधील शिक्षणादरम्यान मिळालेले श्रेयांक भारतीय विद्यापीठांमध्ये ग्राह्य धरण्यात वेतील.

00

Section: Education



लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : पुणे, पिंपरी-चिंचवड, मुंबई, अमरावती, नागपूर, नाशिक, औरंगाबाद महापालिका क्षेत्रातील महाविद्यालयांमध्ये कनिष्ठ अकराबीच्या ऑनलाइन प्रवेशासाठी विद्यार्थ्यांना दहावीची गुणपत्रिका अपलोड करणे बंधनकारक करण्यात आले आहे. तसेच विद्यार्थ्याकडे आवश्यक प्रमाणपत्र किंवा कागदपत्र नसल्यास प्रवेशासाती हमीपत्र द्यावे लागणार असून, आवश्यक कागदपत्रे मिळवून सादर करण्यासाठी तीन महिन्यांचा कालावधी देण्यात आला आहे.

केंद्रीय अकरावी प्रवेश नियंत्रण समितीच्या सचिव मीना शेंडकर यांनी परिपत्रकाद्वारे ही माहिती दिली. केंद्रीय अकरावी प्रवेश नियंत्रण समितीद्वारे अकरावी प्रवेशासाठी ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया राबविण्यात येत आहे. या प्रवेश प्रक्रियेत विद्यार्थ्यांना ऑनलाइन अर्ज करावा लागणार

आहे. त्यासाठी विविध कागदपत्रे लागणार आहेत. मात्र, करोना विषाणच्या प्रादर्भावामळे विद्यार्थ्यांना सरकारी कार्यालयांकडून प्रमाणपत्रे किंवा कागदपत्रे मिळण्यास विलंब होऊ शकतो, तसेच दहावीच्या गुणपत्रिका शाळांकडून मिळण्यास उशीर होऊ शकतो. ही बाब लक्षात घेऊन समितीने हा निर्णय घेतला आहे.

अर्ज भरण्याची प्रक्रिया अधिक सलभ होण्यासाठी यंदा विद्यार्थ्यांना दहावीची ऑनलाइन गणपत्रिका अपलोड करण्याची सुविधा उपलब्ध करून देण्यात आली आहे. ज्या विद्यार्थ्यांकडे शाळा सोडल्याचा दाखला, अधिवास (डोमिसाइल) प्रमाणपत्र, जातीचा दाखला, प्रगत उत्पन्न गटात नसल्याचे प्रमाणपत्र आदी कागदपत्रे उपलब्ध असल्यास प्रवेश अर्ज भरताना ते अपलोड करावे. मात्र, संबंधित प्रमाणपत्र नसल्यास ते अपलोड करण्यासाठी बंधनकारक करू नये. अर्ज भरताना विद्यार्थ्यांकडे ही प्रमाणपत्र नसल्यास

पमाणपत्र किंवा अर्जाची पत

राखीव कोटा अंतर्गत प्रवेश घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांनी अर्ज भस्तान कीडापवीण प्रमाणपत्र, अपंग प्रमाणपत्र, माजी सैनिक प्रमाणपत्र, अनाथ प्रमाणपत्र, प्रकल्पगुरुत प्रमाणपत्र बदली आदेश आदी कागदपत्रे अपलोड करवी. विद्यार्थ्यांकडेकागढपत्रे उपलब्ध नसल्यास त्यांनी प्रमाणपत्र मिळण्यासाठी सादर केलेल्या अर्जाची प्रत अपलोड करावी, अशी माहिती प्रवेश नियंत्रण ज्यसितीने दिली

विद्यार्थी-पालकांना दिलासा

कागढ़पत्रे साढ़र करण्यासाठी तीन महिन्यांची मुदत देण्याच्या निर्णयाने विद्यार्थी आणि पालकांना दिलासा मिळाला आहे. या निर्णयामुळे करोना संसर्गाच्या काळात घोका पत्करून, गर्दी करून शासकीय कार्यालयात फेऱ्या मारण्याची वेळ विद्यार्थी आणि पालकांवर रेणार नाही.

किंवा ऑनलाइन पद्धतीने सादर केलेल्या कागदपत्रांच्या आणि करण्यास अडचण निर्माण ज्ञाल्यास, हमीपत्राच्या आधारे देण्यात येणार त्यांच्याकडून हमीपत्र लिहून घेतले जाणार आहे, प्रमाणपत्र सादर विद्योध्यांची राहील, असे शेंडकर करण्यासाठी तीन महिन्यांचा कालावधी देण्यात येणार आहे, अशी माहिती समितीच्या सचिव शेंडकर यांनी दिली. विद्यार्थ्यांना अकरावीसाठीचा प्रवेश त्यांनी सादर

असून, त्याची सर्वस्वी जबाबदारी यांनी स्पष्ट केले. विद्यार्थ्यांना आवश्यक कागदपत्रे

मिळण्यासाठी वेळ देण्याची मागणी शिक्षक सेनेकडून करण्यात आली होती.

0

< টেবেস্ফলা Fri, 31 July 2020 https://epaper.loksatta.com/c/53884568

७५ टक्के उपस्थितीचा नियम शिथिल करण्याचा विद्यापीठाचा विचार

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पुणे : करोना संसर्गाच्या काळातील अंडचणी लक्षात घेऊन ऑनलाइन शिक्षणाच्या प्रक्रियेत ७५ टके उपस्थिती बंधनकारक असल्याचा नियम सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाकडून शिथिल होण्याची शक्यता आहे. त्या संदर्भात विद्यापीठ स्तरावर विचार सुरू आहे.

करोना संसर्गाच्या काळात महाविद्यालयांकडून ऑनलाइन अध्यापनाची प्रक्रिया सुरू करण्यात आली आहे. त्यामुळे महाविद्यालयांकडून विद्यार्थ्यांना ७५ टके उपस्थितीचा नियम दाखवून ऑनलाइन शिक्षणासाठी उपस्थिती सक्तीची के ली जात असल्याचे निदर्शनास आले आहे. मात्र काही विद्यार्थ्यांकडे ऑनलाइन शिक्षणासाठीच्या सुविधा नसल्याने त्यांच्यासमोर पेच निर्माण झाला आहे. या पार्श्वभूमीवर विद्यापीठाचे प्र कुलगुरू डॉ. एन. एस. उमराणी

संसर्गाच्या काळात ऑनलाइन शिक्षणाची प्रक्रिया सुरूअसताना विद्यार्थ्यांच्या ७५ टक्के उपस्थितीचा नियम शिथिल करण्यात यावा. उपस्थितीपेक्षा शिक्षण महत्वाचे आहे. जवळपास ३० टके विद्यार्थ्यांकडे ऑनलाइन शिक्षणासाठीची साधने नाहीत. महाविद्यालयात 'मेन्टॉर-मेन्टी' ही प्रक्रिया सक्षम झाल्यास विद्यार्थ्यांना शैक्षणिक मार्गदर्शनासह मानसिक आधार देण्याचेही काम शिक्षक करू शकतात.- डॉ. संजय खरात, प्राचार्थ, मॉडर्ज मखविद्यालय गणेशरिवंड

म्हणाले, की ऑनलाइन शिक्षणाची महत्त्व आहे. केवळ वर्गातील पद्धत किती काळ चालणार याबाबत स्पष्टता नाही. त्यामुळे ७५ टके उपस्थितीबाबतचा नियम शिथिल करण्याचा विचार आहे. त्याबाबत विद्या परिषदेत चर्चा करून, परीक्षा संबंधित अधिनियम विचारात घेतले जातील.

श्रेयांक गण पद्धतीमध्ये (चॉडस बेस्ड क्रेडिटसिस्टिम) सर्वसमावेशक शिक्षणावर भर देण्यात आला आहे. या पद्धतीने वर्गातील उपस्थितीबरोबरच क्षेत्रभेटी, प्रकल्प, गृहपाठ आदीनाही व्याख्यान म्हणजे शिक्षण नाही. ऑनलाइन शिक्षणामुळे विद्यार्थ्यांना ई साहित्य, व्याख्यानाच्या ध्वनिचित्रफिती उपलब्ध होत असल्याने विद्यार्थी ते पाहून, वाचून स्वयंअध्ययन करू शकतात. सध्याची परिस्थिती महाविद्यालयांनीही समजून घेतली पाहिजे. त्यामुळे उपस्थितीची सक्ती न करता शिक्षणाच्या प्रक्रियेवर भर दिला पाहिजे, असे डॉ. उमराणी यांनी सांगितले.





Section: Work of Appreciation

अंकोलीच्या स्वप्नीलचे सौर ऊर्जेवरील वायू शुद्धीकरण उपकरण देशात चौथे

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम यंग रिसर्च फेलोशिपसाठी निवड

१६० विद्यार्थ्यांनी सहभाग नोंदक्ला. यापैकी

आठ विद्यार्थ्यांचे प्रोजेक्ट निवडण्यात आले. त्यामध्ये स्वप्नीलच्या उपकरणाने देशात चौथे स्थान पटकावले. रोख रक्कम दहा हजार रुपये, प्रमाणपत्र व स्मृतिचिन्ह असे



या फेलोशिपचे स्वरूप आहे. सोमवारी डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम यांच्या स्मृतिदिनानिमित्त मान्यवरांच्या उपस्थितीत कोरोनाच्या पार्श्वभूमीवर व्हिडिओ कॉन्फरन्सिंगच्या माध्यमातून पुरस्कार वितरणाचा समारंभ झाला.

प्रतिनिधी | कुरूल

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय यंग रिसर्च फेलोशिपसाठी अंकोली (ता. मोहोळ) येथील स्वप्नील रवींद्र पवार-पाटील याची निवड झाली आहे. त्याच्या सौर ऊर्जेवरील वायू शुद्धीकरण उपकरणाची देशात चौथ्या स्थानी निवड झाली.

स्वप्नील हा पुण्याच्या मॉडर्न महाविद्यालयात बीएस्सीच्या तिसऱ्या वर्षात शिकत आहे. त्याने तयार केलेले उपकरण डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय यंग रिसर्च फेलोशिपसाठी निवड समितीकडे सादर केले होते. यामध्ये देशातील



Section: Work of Appreciation

नवभारत

दसवीं के उज्ज्वल नतीजों की परंपरा को 'प्रोग्रेसिव' ने रखा बरकरार

नवभारत संवाददाता

पुणे. शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाली प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी की स्कूलों की दसवीं के बेहतरीन नतीजों की परंपरा इस वर्ष भी कायम रही है. पीई सोसाइटी द्वारा संचालित स्कूलों के 100 से अधिक छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने विभिन्न विषयों में 100 प्रतिशत अंक अर्जित किया. खास बात यह कि, संस्था के चेयरमन प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे सर के जन्म दिवस पर छात्रों की ओर से यह अनोखा तोहफ़ा उन्हें मिल गया है.



प्रोग्नेसिव एजुकेशन सोसाइटी की ओर से कुल 10 स्कूल चलाए जाते हैं . इनमें 4 स्कूल इंग्लिश मीडियम तथा 6 स्कूल मराठी मीडियम के है . इन स्कूलों में सबसे अधिक अंक अपूर्वा जावक ने 98 प्रतिशत, अमेय देशपांडे ने 97.80 प्रतिशत अंक तथा हर्ष वशाल ने 97.60 प्रतिशत अंक हासिल किए . पीईएस द्वारा संचालित मॉडर्न हाइस्कूल शिवाजीनगर, मॉडर्न हाइस्कूल पाषाण, एनसीएल मॉडर्न हाइस्कूल पाषाण, मॉडर्न हाइस्कूल वारजे तथा मॉडर्न

हाइस्कूल निगड़ी इन सभी स्कूलों के नतीजे 100 प्रतिशत रहे. इसके अलावा मराठी मीडियम के मॉडर्न हाइस्कूल (बॉइज) पुणे, मॉडर्न हाइस्कूल गणेशखिड, मॉडर्न हाइस्कूल निगड़ी तथा मॉडर्न हाइस्कूल भोसे इन सभी स्कूलों के नतीजे 100 प्रतिशत रहे. मॉडर्न हाइस्कूल (गर्ल्स) पुणे का नतीजा 99.06 प्रतिशत रहा. संस्था के चेयरमन प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे समेत संस्था के सेकोटरी प्रा. श्यामकांत देशमुख, जॉइट सेकेटरी प्रा. ज्योत्स्ना एकबोटे, जॉइंट सेकेटरी प्रा. सुरेश तोडकर, डोप्युटी सेकेटरी शरद इनामदार, डॉ. प्रकाश दीक्षित, डॉ. निवेदिता एकबोटे, मच्छिद्र कांबले, बिजनेस काउन्स्लि मेंबर मोनिका वैद्य, दत्तात्रय पाटोले तथा राजन देवकाते ने सभी सफलता प्राप्त छात्रों का अभिनंदन किया.

Pune Edition 30-july-2020 Page No. 4 epaper.enavabharat.com



Section: History

सकाळ 🛛 ТОДАУ

बारामतीत सापडला ऐतिहासिक खजिना

कन्हेरी गावात शिवछत्रपतींच्या सरदाराचे स्मारक; सुभानजी देवकाते यांची समाधी

पुणे, ता. १९ : मरहट्टी इतिहास संशोधक मंडळाच्या सदस्यांनी बारामती येथील कन्हेरी गावात शोधून काढले शिवछत्रपतींच्या सरदाराचे स्मारक, शिवछत्रपतींच्या स्वराज्य कार्यात महाराष्ट्रातील अनेक घराणी सामील झाली होती. यातीलच एक अग्रगण्य नाव म्हणजे देवकाते. सरदार सुभानजी बळवंतराव देवकाते यांची ही समाधी संतोष पिंगळे व समीत लोखंडे या इतिहास अभ्यासक मित्रांनी बारामती ताऌक्याच्या कण्हेरी गावात नुकतीच शोधून काढलेली आहे.

याबाबत माहिती देताना र्पिंगळे म्हणाले की, स्वराज्यावर संकटाच्याकाळी आलेल्या असंख्य सरदारांनी साहसी कार्य समाधीचे पूर्ण बांधकाम हे घडीव काळ्या पाषाणामध्ये केलेले असून समाधीवर तत्कालीन स्थापत्यशैलीचा पूर्ण प्रभाव जाणवतो. त्यातुनच समाधीच्या कळसाची रचना ही घुमटाकार होती. मात्र, अलीकडे गावकऱ्यांनी डोक्यावरील घुमट काढून त्या ठिकाणी मंदिराप्रमाणे कळसाची योजना केली आहे.

- समीत लोखंडे, इतिहास अभ्यासक, मरहट्टी इतिहास संशोधक मंडळ

सर्व सरदारांना वतने, इनामे व सरंजाम देऊन गौरविण्यात आले होते. त्यात सुभानजी देवकाते यांचाही समावेश होता. त्यांना बारामती तालक्यातील कन्हेरी, सोनगावसह अनेक गावे इनाम स्वरूपात देण्यात आले होते. स्वराज्याच्या अनेक महत्त्वपूर्ण मोहिमांमध्ये देवकाते यांनी आपले योगदान दिले होते. काही ऐतिहासिक कागदपत्रांच्या माहितीनुसार सुभानजी यांचा मत्य नोव्हेंबर १७०७ मध्ये झाला, तर कन्हेरी गाव त्यांच्या वतनी

करून स्वराज्याचे रक्षण केले. तर या पाटिलकीचा व सरदारी इनामाचा गाव असल्याने येथे त्यांचे स्मारक तयार करण्यात आले. अभ्यासादरम्यान समाधीच्या दर्शनी भागात सूर्य, चंद्र व गणपतीच्या प्रतिमा तर इतर बाजुस कमलचिन्हे कोरलेली आढळून आली. तसेच एक शिलालेखही सापडला असन पहिल्या ओळीतील अक्षरे स्पष्ट आहेत तर पुढील ओळी व अक्षरे नष्ट झाली आहेत. मात्र, समाधीच्या इतिहासाबद्दल माहिती नसल्याने गावकऱ्यांनी त्याचे महादेवाच्या मंदिरात रूपांतर केले आहे.

स्मारक असल्याचा प्रावा

😑 मंदिरात रूपांतरित झालेल्या समाधीवर काही ऐतिहासिक राजचिन्हे व एक शिलालेख आढळून आला

पुणे शहर

- 😑 शिलालेखाच्या पहिली ओळीत गुमठ सुभानजी बळवंतराव अशी अक्षरे स्पष्टपणे दिसन येतात
- 😑 समाधीचे बांधकाम घडीव काळ्या पाषाणामध्ये करण्यात आले आहे
- 😑 जमिनीपासून साधारणपणे दोन ते तीन फूट उंचीच्या दगडी चिरेबंदी चौथऱ्यावर समाधी उभी आहे
- 😑 चौरसाकृती चौथऱ्याची लांबी साधारणपणे १५ ते १८ फुट

कन्हेरी : सुभानजी बळवंतराव देवकाते यांच्या स्मारकाचे रूपांतर करण्यात आलेले महादेव मंदिर आणि शिलालेख.

Sakal: 20.7.2020

Section: Miscellaneous



चार महिने बंद असलेल्या ग्रंथालयात वाचक फिरकणार का, हा गंभीर प्रश्न आहे. या साऱ्यामुळे ग्रंथालय, ग्रंथालय सेवक आणि ग्रंथालय चळवळ अभूतपूर्व अरिष्टात सापडली आहे. हे अरिष्ट जर अधिक व्यापक होत गेले तर फार मोठी कधीही भरून न निघणारी कलाविषयक हानी होणार आहे. या क्षेत्राला बळ देण्याची गरज आहे.

रोनामुळे आर्थिक क्षेत्रांची वाताहत तर आहेच. त्याचवरोबर सांस्कृतिक क्षेत्रांचीही वाताहत सुरू आहे. त्यातीलच एक महत्त्वाचे क्षेत्र म्हणजे महाराष्ट्रातील सार्वजनिक ग्रंथालये. ही ग्रंथालये मार्च-२०२०च्या शेवटच्या आठवड्यापासून लॉकडाऊनमुळे गेले चार महिने बंदच आहेत. महाराष्ट्रातील सर्व म्हणजे १२१४४ ग्रंथालये बंद आहेत. परिणामी यातील २१६१३ कर्मचारी चिंताग्रस्त आहेत. एक तर मार्चअखेरचा जमाखर्च पूर्ण होऊ शकला नाही. कारण, शक्यतो सर्व ग्रंथालयांचा सर्वात मोठा खर्च असतो व ज्यावर अनुदान अवलंबून असते त्यात नियतकालिकांची वर्गणी पाठवणे आणि ग्रंथ खरेदी हा मोठा खर्च असतो. तो मार्चच्या शेवटच्या आठवड्यात केला जातो.

ग्रंथालयांच्या अनुदानाचा उर्वरित दुसरा हप्तासुद्धा बहुतांशी ग्रंथालयांना मिळू शकला नाही. नुकतेच म्हणजे १० जुलै २०२० रोजी महाराष्ट्र राज्य ग्रंथालय संघाने एक निवेदन अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर पवार आणि प्रमुख कार्यवाह डॉ. गजानन कोटेवार यांच्या सहीने प्रकाशित केले आहे. ते सोशल मीडियावर आहे. त्यात म्हटले आहे, महाराष्ट्र राज्य सार्वजनिक ग्रंथालयांचा दुसऱ्या हप्त्याच्या अनुदान फाईलवर अर्थमंत्र्यांनी प्राप्त परिस्थितीत तूर्त वात गेले चार महिने ग्रंथालय बंद आहे. त्याच्या आधीपासूनच ग्रंथालय सेवकांना पगार मिळू शकलेला नाही. कोरोनाचा कहर सुरूच आहे. अशा परिस्थितीत अनुदान त्वरित देण्याबरोकरच ग्रंथालय आणि ग्रंथालय सेवकांचे प्ररन तातडीने सोडवण्याची गरज आहे.

गेल्या शतकामध्ये ग्रंथालय शास्त्राचे जनक पद्यश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन वांनी भारताच्या आधुनिक ग्रंथालय शास्त्राचा पाया घातला. मात्र, डॉ. रंगनाथन यांना अभिप्रेत असलेल्या ग्रंथालय चळवळीच्या सरकारने पुरेशा गांभीयनि पाहिलेले नाही. पन्नास वर्षांपूर्वी म्हणजे १९६७ साली महाराष्ट्र शासनाने ग्रंथालय कायदा केला. मात्र, त्यात सेवकांचा उल्लेख नाही. परिणामी ग्रंथालये 'शासनमान्य' आहेत मात्र ग्रंथालय सेवक कायम असुरक्षितच आहेत. त्यांना किमान वेतनही नाही. १९६७ च्या ग्रंथालय कायद्यात सुधारणा घडवून आणण्यासाठी ४ जून २०१९ रोजी बैठक झाली. या कायद्यात काय संधारणा कराव्यात याबाबतच्या सचनाही ३१ ऑगस्ट २०१९ पर्यंत मागवल्या होत्या. त्याला वर्ष झाले. दरम्यान, विधानसभेच्या निवडणुका लागल्या. नवे सरकार सत्तेवर आल्यावर कोरोनाचे थैमान सुरू झाले. त्यामुळे विषय मागे पडला. सार्वजनिक ग्रंथालय चळवळीपुढील आव्हानांच्या प्रश्नांचा १९७३ च्या प्रभा राव समितीपासून अनेकदा विचार झाला. महाराष्ट्राच्या चार मुख्यमंत्र्यांनी विधिमंडळाच्या सभागहात ग्रंथालय सेवकांचा प्रश्न सोडवण्यासाठीची मुदतबंद आश्वासने दिली. माजी आमदार कालवश व्यंकप्पा पत्की यांची समिती नेमून तिच्या वतीने शिफारशीही बावीस वर्षांपूर्वी मागवल्या होत्या. त्यांनी तो अहवाल शासनाला सादर केला; पण ग्रंथालय सेवकांना सेवाशास्वती, सेवाशर्ती, वेतन श्रेणी यासह कोणताही प्रश्न आजतागायत सुटलेला नाही आणि आता तर नियमित अनुदानाचीही तरतुद होत नाही ही चिंताजनक बाब आहे.

ग्रंथालय चळवळ ही निकोप आणि निर्दोष असली पाहिजे यात शंका नाही. राष्ट्राची संस्कृतिक उंची मोजण्याचे एक परिमाण म्हणून ग्रंथालवांचे महत्त्व असते. अकरा वर्षांपूर्वी म्हणजे २००७ साली भारत सरकारने डॉ. सॅम पित्रोदा यांच्या अध्यक्षतेखाली नेमलेल्या राष्ट्रीय ज्ञान आयोगाने ग्रंथालयांना ऊर्जितावस्था आणण्यासाठी उपयोजना सुचवल्या होत्या; पण त्याबाबत पुढे काहीच



झाले नाही. महाराष्ट्रात वर्षानुवर्षे, दशकानुदशके हे सेवक अत्यंत तुटपुंज्या पगारावर काम करीत आहेत. आज ना उद्या वेतनश्रेणी मिळेल या आशेवर तीस-तीस, चाळीस-चाळीस वर्षे अनेक ग्रंथपाल व ग्रंथालय सेवक कार्यरत आहेत. अत्यल्प पगारात त्यांना संसाराचा गाडा ओढणे मुश्कील झाले आहे. काही सेवकांनी दैनंदिन संसारिक जीवन कंठणे कठीण झाल्याने आत्महत्या केल्याची उदाहरणे आहेत; पण तरीही याकडे दर्लक्ष केले गेले.

महाराष्ट्र शासनाच्या वतीने सार्वजनिक ग्रंथालयांना अनुदान दिले जाते ते अर्धे वेतनावर आणि अर्धे वेतनेतर म्हणजेच वाचन साहित्यावर खर्च केले जाते. मुळात आजच्या काळात ते अत्यल्प आहे. इतर 'अ' वर्गाचे ग्रंथालय असेल तर त्याच्या चार सेवकांचा मिळून एकण वार्षिक पगार अवधा दीड लाख रुपये धरलेला आहे. 'अ' वर्गाची ही अवस्था तर ब, क, ड वर्गाची विचारायलाच नको. शासनाने १९७०-८०-९०-९५-९८ आणि २००४ यावर्षी प्रत्येक वेळी अनुदान दप्पट केले. त्यानंतर आठ वर्षे काहीही वाढ केली नाही. १ एप्रिल २०१२ पासून हे अनुदान दुप्पटच्या ऐवजी दीडपट बाढवले. त्यानंतर गेल्या आठ वर्षांत 'जैसे थे' स्थिती आहे. याचा अर्थ जर 'अ' वर्ग ग्रंथालयाला २००४ साली वर्षाला एक लाख रुपये मिळत असतील, तर आज दीड लाख रुपये चार सेवकांच्या पगारासाठी मिळतात. २००४ ते २०२० या सोळा वर्षांत महागाईचा निर्देशांक तर सोडाच: पण सरकारने किमान वेतनही मान्य केलेले नाही.

ग्रंथालय संघटनांनी अनेक मोर्चे, आंदोलने, निषेधसभा, मेळावे, अधिवेशने घेतली; पण त्यांची दरवेळी केवळ आश्वासनांवर बोळवण झाली.

१७ फेब्रुवारी २०१८ रोजी सोलापूर येथे महाराष्ट्र राज्य शासनमान्य ग्रंथालय कर्मचारी संघटनेचे राज्य अधिवेशनात सार्वजनिक ग्रंथालयातील कर्मचाऱ्यांना वेतनश्रेणी व सेवाशर्ती लागू करावी, २०११ पासून नवीन ग्रंथालयांना मान्यता व दर्जा बदल करण्याची संधी उठवावी, कर्मचाऱ्यांचे वेतन ऑनलाईन होण्यासाठी जिल्हा स्तरावर केडर निर्माण करून जिल्हा ग्रंथालय अधिकाऱ्यांच्या अधिपत्याखाली आणावे, सार्वजनिक ग्रंथालयात काम करणाऱ्या सेवकांची नावे शिक्षक मतदार यादीत समाविष्ट करावित, शासनमान्य ग्रंथालयातील सेवकांना जिल्हा ग्रंथालय अधिकाऱ्यांच्या सहीचे ओळख पत्र द्यावे, सद्य:स्थितीत वेतनश्रेणी देणे अडचणीचे बाटत असेल तर अनुदान तिप्पट करावे, प्रत्येक वर्षी कर्मचाऱ्यांचे वार्षिक अधिवेशन व्हावे आणि त्यासाठी ग्रंथालय संचालनालयाकडन निधी मिळावा, शिवाय अधिवेशनास उपस्थित सेवकांचा खर्च अनुदानास पात्र करावा, किमान वेतन कायदा आणि अन्य कर्मचाऱ्यांना मिळणाऱ्या सेवा सुविधा सार्वजनिक ग्रंथालयात काम करणाऱ्या सेवकांना द्याव्यात, ग्रंथालयाची ध्येयधोरणे ठरवताना किंवा अन्य कोणत्याही वेळी विविध उपक्रम राबबताना कर्मचारी प्रतिनिधी म्हणून संघटनेच्या पदाधिकाऱ्यांना बोलवावे अशा अनेक मागण्या यावेळी करण्यात आल्या होत्या; पण नेहमीप्रमाणेच या मागण्याही बासनात गंडाळन ठेवलेल्या आहेत.

कोरोनाच्या संकटाने महाराष्ट्राच्या वाचन संस्कृतीवरच गंभीर संकट ओढवले आहे. त्यामुळे या संकटाकडे अत्यंत गांभीयनि पाहिले पाहिजे. मुळात वाचन संस्कृती संकुचित होत आहे. आता तर सलग चार महिने बंद असलेल्या ग्रंथालयात वाचक फिरकणार का? हा गंभीर प्रश्न आहे. या साऱ्यामुळे ग्रंथालय , ग्रंथालय सेवक आणि ग्रंथालय चळवळ एक प्रकारच्या अभूतपूर्व अरिष्टात सापडलेली आहे. हे अरिष्ट जर अधिक व्यापक होत गेले तर फार मोटी कधीही भरून न निघणारी सांस्कृतिक, साहित्यिक, कलाविषयक हानी होणार आहे. म्हणूनच शासनाने या प्रश्नाकडे अग्रक्रमाने लक्ष द्यावे.

- प्रसाद कुलकर्णी

Pudhari: 16.7.2020

Section: Miscellaneous

लोकमत

स्मृती शताब्दी १ ऑगस्टपासून : अमित शहांच्या उपस्थितीत वेबिनार टिळकांच्या बर्मीज भाषेतील पहिल्या चरित्रग्रंथाचे प्रकाशन

नवी दिल्ली : स्वातंत्र्यलढ्यातील अग्रणी व इंग्रजांविरुद्ध असंतोषाचे जनक लोकमान्य टिळकांच्या स्मृती शताब्दी वर्षानिमित्त भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आयसीसीआर) आयोजित आंतरराष्ट्रीय वेबिनारचे उदघाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शहा यांच्या हस्ते होईल. आयसीसीआरचे अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे हेही यावेळी उपस्थित राहतील. मंडालेत तुरुं गवास भोगलेल्या टिळकांच्या बर्मीज भाषेतील पहिल्या अनुवादित चरित्रग्रंथाचे प्रकाशन करण्यात येईल.

टिळकांच्या पुण्यतिथीदिनी (१ ऑगस्ट) दिवसभर चालणाऱ्या या कार्यक्रमाच्या नियोजनात पुण्याच्या डेक्कन एजुकेशन सोसायटीसह भारतीय समाजशास्त्र संशोधन परिषद (आयसीएसएसआर), इंदिरा गांधी

पुण्यातील मान्यवरांचा सहभाग

- वेबिनारमध्ये साहित्य संमेलनाचे माजी अध्यक्ष डॉ. सदानंद मोरे, लंडनमधील लेखक गॉर्डन जॉन्सन व संकेत कुलकर्णी, बिल्डर्स ऑफ मॉर्डन इंडिया या मालिकेअंतर्गत एन.जी. जोग यांनी लिहिलेल्या टिळक चरित्राचे ब्रह्मदेशाच्या भाषेत भाषांतर केलेले लेखक मुआंग मुआंग, प्रा. राघवेंद्र तंवर, विकास परांजपे, प्रा. रिझवान काद्री, सुशील त्रिचेदी, डॉ. व्ही.के. मल्होत्रा, डॉ. दीपक टिळक व आमदार मुक्ता टिळक सहभागी होतील.
- ♦ टिळकांचे स्वातंत्र्यलढ्यातील योगदान, विश्वदृष्टी, सांस्कृतिक पुनर्जागरणाचे प्रयत्न व स्वदेशी चिंतन हे परिचर्चेचे विषय आहेत. लोकमान्यांचे स्वदेशीविषयक चिंतन, अशा चार विषयांवर मुख्यत्वे चर्चा होईल.

नॅशनल सेंटर फॉर आर्टस या संस्था अभ्यासक वेबिनारमध्ये सहभागी सहभागी आहेत. 'लोकमान्य टिळक : होतील. ज्येष्ठ अर्थतज्ज एस गरुमर्ती स्वराज ते आत्मनिर्भर भारत' हा समारोप करतील. मंडालेत भारतीय वेबिनारचा मुख्य विषय असल्याचे कॉन्सुलटेमध्ये टिळकांच्या पुतळ्याचे सहस्रबद्धे यांनी सांगितले.

पुणे, मुंबई, अहमदाबाद, कुरुक्षेत्र, प्रारंभ होणार होता. कोरोनामुळे दिल्ली, रायपुर व चेन्नईतुन तज्ज्ञ

Pune Main Page No. 8 Jul 23, 2020 Powered by: erelego.com

अनावरण व सभागुहाचे नामकरण सहस्रबुद्धे म्हणाले, लंडन, रंगून, करून स्मृती शताब्दी वर्षास कार्यक्रम रह झाला.

रा. चिं. ढेरे संदर्भ ग्रंथालय उभारणीचे काम सुरू वर्षभरात ग्रंथालय खुले होणार : जागेअभावी निवासंस्थानीच साकारताहेत

लोकमत

लोकमत न्यूज नेटवर्क

पुणे : लोकसाहित्य व लोकसंस्कृतीचे संशोधक-साहित्यिक डॉ. रा. चिं. ढेरे यांचा विपुल ग्रंथसंग्रह संशोधक, अभ्यासक व नव्या पिढीला उपयोगी व्हावा याकरिता डॉ. रा. चिं. ढेरे संस्कृती संशोधन केंद्रातर्फे संदर्भ ग्रंथालय निर्मित करण्यात येत आहे. सद्यस्थितीत जागेअभावी हे ग्रंथालय त्यांच्या निवासस्थानीच साकारले जात असून, ग्रंथांची सूची करण्याचे काम पूर्ण झाले आहे. येत्या एक ते दीड वर्षात हे ग्रंथालय आकाराला येईल.

डॉ. ढेरे यांची कन्या वर्षा गजेंद्रगडकर यांनी 'लोकमत'ला याबाबत माहिती दिली. त्या म्हणाल्या, हस्तलिखितं, नियतकालिकं, दुर्मिळ पोथ्या, संदर्भग्रंथ मिळून अण्णांची जवळपास ३० ते ४० हजार पुस्तके आहेत. ही ग्रंथसंपदा घरातच पड्न न राहता हा अमुल्य ठेवा अभ्यासक, संशोधक, नव्या पिढीला खुला करावा हाच

'पाथेय' उपक्रमाची सांगता

- लोकसंस्कृतीचे संशोधक डॉ. रा. चिं. ढेरे यांच्या साहित्याचा वेध घेणाऱ्या 'पाथेय' या नावीन्यपूर्ण उपक्रमाची मंगळवारी सांगता झाली.
- १ जुलै हा अण्णांचा स्मृतिदिन तर. २१ जुलै हा जन्मदिन. याचे औचित्य साधून प्रसिद्ध कवयित्री आणि माजी संमेलनाध्यक्ष डॉ. अरुणा ढेरे यांनी अण्णांचे लेखन. त्यांच्या पुस्तकाचे अभिवाचन याचे दररोज २१ दिवस सोशल मीडियावर सादरीकरण केले.

केंद्राच्या स्थापनेमागील उद्देश होता. सध्या केंद्राचे कार्यालय घरातच सुरू आहे. स्वेच्छेने थोड्याशा मानधनावर काम करणारी तरुण पिढी आम्हाला यासाठी मदत करत आहे. आम्ही ग्रंथालयासाठी नवीन जागेच्या शोधात आहोत. मात्र सद्यस्थितीत मनुष्यबळ व जागेची कमतरता असताना आम्ही पहिल्या टप्प्याचे काम केले आहे.

Hello Pune Page No. 4 Jul 23, 2020 Powered by: erelego.com

नाट्यसमीक्षक डॉ. मधुरा कोरान्ने यांचे निधन

र्हेकिसता ^{Fri, 31} July 2020 https://epaper.loksatta.com/c

लोकसत्ता प्रतिनिधी

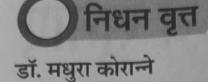
पुणे : प्रसिद्ध नाट्यसमीक्षक आणि

लेखिका डॉ. मधुरा जयप्रकाश कोरान्ने (वय ६९) यांचे करोनामुळे बुधवारी रात्री निधन झाले.

र्यांच्या मागे पती जयप्रकाश, मुलगी, मुलगा, सून, जावई आणि नातवंडे असा परिवार आहे. काही दिवसांपासून त्या करोनामुळे आजारी होत्या. खासगी रुग्णालयात बुधवारी त्यांची प्राणज्योत मालवली.

नाटकांवर अनेक समीक्षणे आणि पुस्तकांचे लेखन करणाऱ्या कोरान्ने यांनी १९७१ मध्ये सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठातून पदवी परीक्षेत मराठी विषयामधील सुवर्णपदक प्राप्त केले. पदव्युत्तर अभ्यासक्रम पूर्ण केल्यानंतर त्यांनी नाटक या विषयामध्येच पुणे विद्यापीठातून पीएच. डी. संपादन केली. नाटक या विषयातील नवनवीन विषयही त्यांनी हाताळले. त्या शिवाजीनगर येथील मॉडर्न महाविद्यालयामध्ये मराठी विषयाच्या प्राध्यापिका होत्या.

'स्त्री समस्या-आजचे नाटक', 'मधुरभाष', 'बोलता बोलता', 'शब्दललित', 'काव्यललित', 'नाट्याक्षरे', 'स्त्री नाटककारांची नाटके', 'न्यायालय आणि मराठी नाटक', 'नाट्यगंध', 'मराठी नाटक आणि डॉक्टर प्रतिमा', 'एकपात्री प्रयोग : स्वरूप आणि कलारूप'. 'मनमोहिनी' ही त्यांची पुस्तके प्रकाशित झालेली आहेत. 'माझे नाट्यक्षेत्र' आणि फ्रॉम माय लंडन्स आय' या दोन पुस्तकांच्या लेखनाचे काम त्यांनी नुकतेच पूर्ण केले होते. नाट्यसमीक्षणासाठी त्यांना माधव मनोहर पुरस्कारासह विविध पुरस्कारांनी सन्मानित करण्यात आले होते.





पुणे ः नाट्यसमीक्षक आणि ज्येष्ठ लेखिका डॉ. मधुरा कोरान्ने (वय ६९) यांचे

बुधवारी रात्री निधन झाले. त्यांच्या पश्चात पती जयप्रकाश, मुलगी केतकी, मुलगा निखिल, सून, जावई, नातवंडे असा परिवार आहे. कोरान्ने यांना करोना विषाणुची लागण झाली होती. खासगी रुग्णालयात उपचारादरम्यान त्यांची प्राणज्योत मालवली. डॉ. मधरा कोरान्ने या शिवाजीनगर येथील महाविद्यालयातील मॉदर्न प्राध्यापिका म्हणून अनेक वर्षे कार्यरत होत्या. त्यांनी नोकरीच्या आणि निवत्तीनंतर काळात नाटकांवर अनेक समीक्षणे आणि पुस्तके लिहिली. १९७१मध्ये त्यांनी तत्कालीन पुणे विद्यापीठातून पदवी मराठी विषयातील परीक्षेत सुवर्णपदक प्राप्त केले.

Maharashtra Times: 1.8.2020



Upcoming Events

AUGUST 2020

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20 Sadbhavna Diwas	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					



Other than the College Photos, Event Photos, Newspaper clipping images, all other mages in this Bulletin Issue are downloaded from Google Images., PInterest, Freepik.Com.

Disclaimer: The Publisher and Editorial Team of this Issue of Library E-Bulletin are not responsible for the views expressed in the Articles.